CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-10 अंक: 264 ता. 14 अप्रेल 2022, गुरूवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

भूमि अधिग्रहण का काम लगभग पूरा, रेल मंत्री को रोज भेजी जा रही रिपोर्ट... भारत में जल्द साकार होगा बुलेट ट्रेन का सपना

नई दिल्ली। जापान की हाईस्पीड ट्रेन शिंकानसेन को भारतीय परिस्थितियों के हिसाब से ढाला जा रहा है। शिंकानसेन ट्रेन में भारत के तापमान, धूल और भार के हिसाब से बदलाव किया जा रहा है। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक सतीश अग्निहोत्री ने कहा कि बुलेट ट्रेन का सबसे पहला ट्रायल 2026 तक गुजरात के सूरत-बिलीमोरा खंड पर शुरू किया जाएगा। देश में पहली बुलेट ट्रेन मुंबई-अहमदाबाद के बीच दौड़ेगी। अग्निहोत्री ने बताया कि मुंबई-अहमदाबाद के बीच कुल 502 किलोमीटर लंबी हाई स्पीड कॉरिडोर का निर्माण किया जा रहा है। इसमें से गुजरात राज्य के भीतर 352 किलोमीटर की पटरी बिछाई जानी है। इसके लिए 98.7 फीसदी भूमि अधिग्रहण का काम पूरा कर लिया गया है।

रेल मंत्री को रोज रिपोर्ट भेजी जा रही

सूरत-नवसारी खंड पर बुलेट ट्रेन परियोजना के निर्माण कार्य का निरीक्षण करने के बाद सतीश अग्निहोत्री ने पत्रकारों को बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी बुलेट ट्रेन परियोजना का काम सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है। इस मौके पर जापान के राजदूत सातोसी सिजुकी भी मौजूद थे। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को प्रतिदिन परियोजना की कार्य प्रगति रिपोर्ट भेजी जाती है। अग्निहोत्री ने एक सवाल के जवाब में दावा किया कि सूरत-बिलीमोरा (48 किलोमीटर) खंड पर दिसंबर 2026 में बुलेट ट्रेन का ट्रायल शुरू हो जाएगा। अग्निहोत्री ने बताया कि बुलेट ट्रेन परियोजना में वर्तमान में 20 हजार लोग नौकरी कर रहे हैं। जल्द एक लाख लोग इस परियोजना में नौकरी करेंगे। उन्होंने बताया कि मेक इन इंडिया के तहत सभी परियोजनाओं के ठेके भारतीय कंपनियों को दिए गए हैं। नर्मदा ब्रिज, माही ब्रिज, ताप्ती ब्रिज व साबरमती ब्रिज पर वेल फाउंडेशन पर काम चल रहा है।

कौन बनेगा कांग्रेस का अगला अध्यक्ष? पार्टी इस ऑनलाइन टूल का करेगी इस्तेमाल

अगस्त-सितंबर तक अगले कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव होने है। उससे पहले चुनावी कॉलेजियम का गठन किया जाना है। इसके लिए कांग्रेस पार्टी ई-वोटिंग का सहारा लेने पर विचार कर रही है।

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी के तेवर बदल रहे हैं। संगठनात्मक चुनाव के लिए नई तकनीक का सहारा लिया जाएगा। पार्टी सदस्यता अभियान के पारंपरिक तरीके को अब ऐप के माध्यम से ई-सदस्यता में बदल दिया गया है। अब उसी माध्यम से सदस्यों के बीच एक ऑनलाइन चुनाव आयोजित करने की योजना भी बनाई जा रही है। अगस्त-सितंबर तक अगले कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव होने है। उससे पहले चुनावी कॉलेजियम का गठन किया जाना है। इसके लिए कांग्रेस पार्टी ई-वोटिंग का सहारा लेने पर विचार कर रही है। इस कॉलेजियम में एआईसीसी और पीसीसी के मेंबर शामिल होंगे।

50 से अधिक सदस्य एआईसीसी सदस्य और पीसीसी प्रतिनिधि बनने के लिए चुनाव लड़ने के पात्र होंगे। लगभग आठ से नौ हजार पार्टी पदाधिकारियों के द्वारा तीन लाख से अधिक नामांकनकर्ताओं के इस पात्रता मानदंड को पूरा करने की उम्मीद है।

यूपी को छोड़कर बाकी जगहों पर सदस्यता अभियान 15 अप्रैल को समाप्त होगा। कांग्रेस को इस बात की उम्मीद है कि छह करोड़ से अधिक पार्टी मेंबर हो जाएंगे।

इस अभियान की निगरानी मधुसूदन मिस्त्री के नेतृत्व वाली केंद्रीय चुनाव प्राधिकरण कर रहा है। प्रवीण चक्रवर्ती के नेतृत्व वाले एआईसीसी डेटा एनालिटिकल विभाग के समन्वय में प्रदेश रिटर्निंग ऑफिसर (पीआरओ)

और पार्टी नामांकनकर्ताओं के माध्यम से इसे अंजाम दिया जा रहा है। यह भी पता चला है कि ई-सदस्यता के साथ-साथ पेपर प्रारूप में एकत्र की गई सदस्यता को हाल ही में डिजिटल स्वरूपों में परिवर्तित करने का निर्णय लिया गया है।

50 से अधिक सदस्य एआईसीसी सदस्य और पीसीसी प्रतिनिधि बनने के लिए चुनाव लड़ने के पात्र होंगे। लगभग आठ से नौ हजार पार्टी पदाधिकारियों के द्वारा तीन लाख से अधिक नामांकनकर्ताओं के इस पात्रता मानदंड को पूरा करने की उम्मीद है।
यूपी को छोड़कर बाकी जगहों पर सदस्यता अभियान 15 अप्रैल को समाप्त होगा।

राहुल गांधी ने आंतरिक रूप से इस ई-ड्राइव को कांग्रेस संगठन का एक्स-रे के रूप में वर्णित किया है। आयोजकों का कहना है कि सत्यापित डिजिटल सदस्यता से फर्जी सदस्यता से छुटकारा मिलेगा। कांग्रेस सदस्यता अभियान और आगामी संगठनात्मक चुनाव इस बार पार्टी के परिवर्तन चाहने वालों की पार्टी अध्यक्ष पद और सीडब्ल्यूसी सहित निष्पक्ष संगठनात्मक चुनावों की मांग के कारण विशेष रुचि जगाते हैं।

आयोजकों का कहना है कि एक नए एंड्रॉइड ÷कांग्रेस सदस्यता ऐप÷ के माध्यम से यह ड्राइव, केवल स्वीकृत कांग्रेस पार्टी के नेताओं, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के लिए उपलब्ध है। केवल स्वीकृत नामांकनकर्ता ही सदस्यता के लिए घर-घर जाते हैं।एक फुलप्रूफ, सत्यापित और सख्त डिजिटल सदस्यता कार्यक्रम ÷मिस्ड कॉल÷ पद्धति के माध्यम से सदस्यता स्वीकार नहीं करता है।

उप्र, पंजाब, हरियाणा, मप्र में इस बार अच्छी वर्षा की संभावना

नई दिल्ली। देश में इस बार मानसून सामान्य रहेगा और देश में कृषि के लिए अहम राज्यों में पर्याप्त वर्षा होने की संभावना जताई गई है। वर्ष 2022 के लिए यह मौसम पूर्वानुमान पेश करते हुए स्काईमेट वेदर ने कहा है कि फरवरी में उसने पहला मौसम पूर्वानुमान जारी करते समय मानसून को सामान्य बताया था और इस ताजा पूर्वानुमान में उसी तथ्य को कायम रखा है। पूर्वानुमान के अनुसार चार महीनों जून, जुलाई, अगस्त और सितंबर में होने वाली औसत वर्षा (880.6 मिलीमीटर) के सापेक्ष इस बार 98 प्रतिशत (पांच प्रतिशत की त्रुटि संभव) वर्षा के साथ मानसून सामान्य रहने की उम्मीद है।

राज्यवार ऐसा रहेगा वर्षा का वितरण- अच्छी बात यह है कि देश के लिए खाद्यान्न उत्पादन के अग्रणी राज्यों पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में इस मानसून में वर्षा सामान्य से अधिक रहेगी। इसके साथ ही अनुमान जताया गया है कि महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में भी वर्षा सामान्य से अधिक ही रहेगी। स्काईमेट ने कहा है कि राजस्थान और गुजरात के साथ नगालैंड, मिजोरम, मणिपुर, त्रिपुरा समेत पूर्वोत्तर क्षेत्र में कम वर्षा हो सकती है। मानसून के प्रमुख महीनों जुलाई और अगस्त में केरल व उत्तरी कर्नाटक के भीतरी क्षेत्रों में भी कम वर्षा का अनुमान है।

अल नीनो का नहीं होगा प्रभाव- स्काईमेट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) योगेश पाटिल के अनुसार पिछली दो वर्षा ऋतुओं पर ला नीना का प्रभाव देखा गया था। इस बार ऐसा होने की संभावना न के बराबर है। उन्होंने बताया कि इस बार ला नीना सर्दियों में तेजी से कम होने लगा था, लेकिन पूर्वी हवा के तेज होने से इसकी वापसी रुक गई है। अपना चरम पार कर चुके ला नीना के प्रशांत महासागर में शांत होने की प्रक्रिया दक्षिण पूर्व मानसून के आरंभ के समय तक जारी रह सकती है। फिर भी मानसून पर विपरीत प्रभाव डालने वाले अल नीनो की सक्रियता की आशंका न के बराबर है। हालांकि इसके कारण लंबे अंतराल पर अचानक और तीव्र बारिश होने की संभावना है। अल नीनो और ला नीना मानसून पर प्रभाव डालने वाले समुद्री कारक हैं जिनके माध्यम से अल नीनो दक्षिणी कंपन होता है जो मौसम पर दुष्प्रभाव डालता है।

हरियाणा में मास्क पहनना अब अनिवार्य नहीं, गुरुग्राम में कोविड मामलों ने लगाई छलांग; दिल्ली में भी बढ़े केस

नई दिल्ली। दिल्ली के पास स्थित हरियाणा के गुरुग्राम में एक महीने से अधिक समय के बाद कोरोना वायरस के 129 मामले दर्ज किए गए हैं। यह संख्या ऐसे समय में ऊपर की ओर बढ़ी है जब हरियाणा सरकार ने मास्क पर अनिवार्य टैग हटा दिया है। यानी अब हरियाणा में मास्क पहनना अनिवार्य नहीं बल्कि वैकल्पिक है। दिल्ली में भी इसी तरह की प्रवृत्ति देखी गई, जिसने मास्क का उपयोग न करने पर जुर्माने का प्रावधान वापस ले लिया और मास्क को जरूरी नहीं बल्कि वैकल्पिक बना दिया।

गुरुग्राम में पिछली बार 100 का आंकड़ा पार करने का मामला 4 मार्च को आया था, जब 115 मामले दर्ज किए गए थे। इसके बाद, संख्या 100 से नीचे आ गई थी। हरियाणा ने 16 फरवरी को राज्य में सभी कोविड से संबंधित प्रतिबंध हटा दिए थे। हालांकि, सरकार ने भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में मास्क के इस्तेमाल की सलाह दी थी।

दिल्ली में, 137 ताजा कोविड मामले सोमवार को सामने आए, संक्रमण दर बढ़कर 2.7 प्रतिशत हो गई, जो पिछले दो महीनों में सबसे अधिक है, जिससे राष्ट्रीय राजधानी में वायरस के दोबारा फैलने के बारे में चिंताएं पैदा हो गई हैं।

5 फरवरी को दिल्ली में संक्रमण दर 2.87 प्रतिशत थी। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि घबराने की जरूरत नहीं है। समाचार एजेंसी प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया द्वारा केजरीवाल के हवाले से कहा गया, हम स्थिति पर कड़ी नजर रख रहे हैं। अभी घबराने की कोई बड़ी वजह नहीं है। हम स्थिति के अनुसार सभी आवश्यक कदम उठाएंगे।

यह संख्या ऐसे समय में ऊपर की ओर बढ़ी है जब हरियाणा सरकार ने मास्क पर अनिवार्य टैग हटा दिया है। यानी अब हरियाणा में मास्क पहनना अनिवार्य नहीं बल्कि वैकल्पिक है। दिल्ली में भी इसी तरह की प्रवृत्ति देखी गई, जिसने मास्क का उपयोग न करने पर जुर्माने का प्रावधान वापस ले लिया और मास्क को जरूरी नहीं बल्कि वैकल्पिक बना दिया।

घातक हथियारों की बढ़ती होड़, विश्व शांति के लिए खतरा साबित हो रही है हाइपरसोनिक मिसाइल

नई दिल्ली। कोई भी युद्ध सबसे पहले मानसिक स्तर पर लड़ा जाता है। ऐसा भी होता है कि कई मसले बिना जंग लड़े कूटनीतिक दांवपेच से ही हल कर लिए जाते हैं। इसके बावजूद मानव सभ्यता के इतिहास में ऐसा उल्लेख नहीं मिलता है, जब विभिन्न हथियारों को शक्ति दिखाने और उनके बल पर कोई मोर्चा फतह करने का जरिया न माना गया हो। सच्चाई यही है कि हथियारों के मामले में दुनिया तीर-कमान, तलवारों और तोपों के मुकाबले आज बहुत आगे निकल आई है। आज दुनिया के कई मुल्कों के पास परमाणु बम हैं, अंतरिक्ष से जंग लड़ने के साजोसामान हैं, ड्रोन हैं और वे मिसाइलें हैं, जिन्हें एक जगह से दागकर दुनिया के किसी भी हिस्से में हमला किया जा सकता है। अत्याधुनिक हथियारों में तब्दील हो गई ये मिसाइलें किसी भी जंग का रुख कैसे मोड़ सकती हैं, इसका उदाहरण आज रूस-यूक्रेन युद्ध में मिल रहा है। मार्च में रूस ने यूक्रेन युद्ध में पहली बार दो हाइपरसोनिक मिसाइलों का इस्तेमाल किया। रूस के मुताबिक, मिसाइलों ने नाटो के सदस्य देश रोमानिया की सीमा से सटे इलाके में यूक्रेनी सेना के उन बड़े भूमिगत गोदामों को खत्म कर दिया, जहां उसके हथियार रखे गए थे।

पहली बार हाइपरसोनिक वार- दुनिया में यह पहला अवसर है, जब एक युद्ध में हाइपरसोनिक मिसाइल जैसे बेहद आधुनिक हथियार का इस्तेमाल हुआ है। करीब दो हजार किलोमीटर तक मार करने वालीं रूसी किंजाल हाइपरसोनिक मिसाइलें मैक-10 यानी ध्वनि की गति से 10 गुना तेज रफ्तार से तय लक्ष्य को भेद सकती हैं। ये मिसाइलें 12 हजार से 14 हजार किलोमीटर प्रति घंटे की गति से आगे बढ़ सकती हैं। इनकी गति माहौल के अनुसार बदल सकती है। लक्ष्य के स्थान बदलने पर इनके उड़ान मार्ग में भी परिवर्तन किया जा सकता है। ऐसे में आज की तारीख में इनसे बचाव का कोई उपाय नहीं है। यानी ऐसा कोई भी मिसाइल सुरक्षा कवच नहीं है, जो किंजाल मिसाइलों की रोकथाम कर सके।

रामपुर में एक्शन ऑन द स्पॉट-युवक की हत्या के ढाई घंटे बाद ही आरोपी का घर ढहाया

सैदनगर (रामपुर)। रामपुर में दिनदहाड़े पूर्व प्रधान पर जानलेवा हमला कर दिया गया। हमलावरों ने ताबड़तोड़ फायरिंग की जिसमें एक गोली पूर्व प्रधान के भतीजे को लग गई और उसकी मौके पर मौत हो गई। बचाने की कोशिश में एक पड़ोसी को भी गोली लगी है। हमले में पूर्व प्रधान गंभीर रूप से घायल हो गए, उन्हें गंभीर हालत में मुरादाबाद रेफर कर दिया गया। उधर, मौके पर पहुंचे अफसरों ने सख्ती दिखाते हुए तहरीर के आधार पर गांव के ही चार आरोपियों के घरों पर बुलडोजर चलवा दिया। घटना थाना टांडा क्षेत्र के लालपुर कला गांव की है। लालपुर निवासी पूर्व प्रधान हाजी हारून ठेकेदार सुबह घर के बाहर बैठे हुए थे। आरोप है पड़ोस के घर में पहले से ही घात लगाए बैठे चार लोगों ने

पूर्व प्रधान पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। गर्दन और कमर में गोली लगने के बाद पूर्व प्रधान जमीन पर गिर गए। फायरिंग की आवाज सुन पूर्व प्रधान का भतीजा मोहम्मद वसीम बदमाशों को ललकारने लगा। बेखौफ बदमाशों ने भतीजे पर भी ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। सिर में गोली लगने के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बीच बचाव कर रहे एक पड़ोसी को भी हाथ में गोली लगी है।

वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी दो बाइकों पर बैठकर फरार हो गए। लालपुर कला में दिनदहाड़े मर्डर की सूचना मिली तो हड़कंप मच गया। आनन-फानन में पुलिस के आला अफसर गांव पहुंच गए। वसीम का शव पोस्टमार्टम के लिए पुलिस अस्पताल भेजा गया जबकि गंभीर रूप से घायल हाजी हारून ठेकेदार को जिला अस्पताल भर्ती कराया। वहां से उन्हें मुरादाबाद रेफर कर दिया गया। रामपुर के पुलिस अधीक्षक अंकित मित्तल ने कहा कि लालपुर कला में फायरिंग के दौरान तीन लोगों को गोली लगी है। जिसमें एक की मौके पर ही मौत हो गई थी। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए 5 टीमों का गठन किया गया है। आरोपियों को बख्शा नहीं जाएगा।

पुलिस ने नाकाबंदी के बाद की घर गिराने की कार्रवाई- लालपुर कला में हत्यारोपियों पर तत्काल कार्रवाई शुरू करा दी गई है। एसपी के साथ गांव पहुंचे पुलिस के अन्य अफसरों ने जेसीबी मंगवा कर चलवाई। इस दौरान आरोपियों के घरों को जमींदोज कर दिया गया। आरोपियों पर कार्रवाई दे ग्रामीणों का गुस्सा शांत हुआ। लालपुर कला में मंगलवार को योगी सरकार में जीरो टालरेंस का प्रतीक बना बुल्डोजर हत्यारोपियों के घरों पर गरजा। वह भी ढाई घंटे के अंदर। एसपी के साथ गांव पहुंचे पुलिस के अन्य अफसरों ने करीब साढ़े 12 बजे जेसीबी मंगवा ली। कार्रवाई से पहले गांव के सभी मार्गों को पुलिस लगाकर नाकाबंदी कर दी गई। अपर पुलिस अधीक्षक संसार सिंह के दिशा निर्देश पर बुलडोजर आरोपियों के घरों पर पहुंच गया।

न जाने कौन और कहां हमला कर दे... डर के कारण पुलवामा छोड़ रहे हैं प्रवासी मजदूर

श्रीनगर। कश्मीर में बीते 20 दिनों में सात प्रवासी कामगारों को गोली मारकर घायल कर दिया गया है। सभी हमले पुलवामा के दक्षिणी जिले में हो रहे हैं। अधिकारियों को संदिग्धों को खोजने में कुछ खास सफलता हासिल नहीं हुई है। भय और अनिश्चितता के बीच कई प्रवासी श्रमिक या तो अपने गृह नगर या फिर घाटी के अन्य हिस्सों के लिए रवाना हो गए हैं।

अंग्रेजी अखबार की एक रिपोर्ट के मुताबिक पुलवामा के प्रूचू गांव में सड़क के किनारे बिहार के बगहा जिले के निवासी धीरज कुमार राहगीरों पर नज़र रखता है, क्योंकि वह घर बनाने के लिए मोर्टार तैयार करता है। जब कोई अजनबी आता है तो वह डर जाता है। उसने इंडियन एक्सप्रेस को बताया, मुझे पता है वे (आतंकवादी) कश्मीर के बाहर के लोगों को निशाना बना रहे हैं। लेकिन हम और क्या कर सकते हैं? हम किसी भी तरह से मरेंगे। अगर मैं यहां काम नहीं करता हूं, तो मैं अपने परिवार को क्या खिलाऊंगा? मैं सिर्फ सावधानी बरत रहा हूं और उम्मीद करता हूं कि कुछ नहीं होगा।

आपको बता दें कि प्रवासी लोगों पर हमले करीब पांच महीने के बाद हुए हैं। इससे पहले अक्टूबर में पांच लोग मारे गए थे। हालिया गोलीबारी की पहली घटना 19 मार्च को हुई थी, जब संदिग्ध आतंकवादियों ने उत्तर प्रदेश के एक बढ़ई मोहम्मद अकरम को गोली मार दी थी। आखिरी बार 7 अप्रैल को पंजाब के पठानकोट के एक मजदूर सोनू शर्मा पर पुलवामा के यादेर गांव में हमला किया गया था। वहीं, 21 मार्च को बिहार के एक मजदूर बिस्वजीत कुमार घायल हो गए थे। 3 अप्रैल को पठानकोट के एक ड्राइवर धीरज दत्त और कंडक्टर सुरिंदर को संदिग्ध आतंकवादियों ने गोली मार दी थी। चार अप्रैल को बिहार के दो मजदूरों पातालश्वर कुमार और जक्कू चौधरी पर हमला किया गया था. एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने इंडियन एक्सप्रेस से कहा, वर्तमान में पुलवामा में लगभग 6,000-6,500 प्रवासी श्रमिक होंगे। यह काम के मौसम की शुरुआत है, लेकिन फिर भी यह संख्या बहुत कम है। एक सामान्य मौसम में हमारे पास इस समय लगभग 20,000-30,000 प्रवासी श्रमिक होते हैं। आधिकारिक अनुमानों के अनुसार, लगभग 3 लाख प्रवासी श्रमिक ज्यादातर बिहार, उत्तर प्रदेश, पंजाब और झारखंड से हर साल काम के लिए कश्मीर आते हैं। बिहार के कई लोग कश्मीर को ÷भारत का दुबई÷ बताते हैं। घाटी में दैनिक मजदूरी के के लिए उन्हें 500-700 रुपये मिलते हैं। अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद पहली बार प्रवासी श्रमिक आतंकवादी हमलों की चपेट में आए। दक्षिण कश्मीर के शोपियां में पहला हमला हुआ था। इसके बाद पिछले साल अक्टूबर में श्रीनगर और अन्य हिस्सों में हमले हुए। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हाल ही में संसद को बताया कि जम्मू-कश्मीर के बाहर के 30 लोगों ने केंद्र शासित प्रदेश में अचल संपत्ति खरीदी है। इसका बाद हमले और बढ़े हैं। भाजपा सहित राजनीतिक दलों ने हमलों की निंदा करते हुए बयान जारी किए हैं। हालांकि, कोई भी राजनीतिक दल प्रवासी श्रमिकों तक नहीं पहुंचा है। पुलवामा हमलों के पीछे कौन हो सकता है, इस बारे में पुलिस अभी जवाब ढूंढ रही है। पुलवामा में एक पुलिस अधिकारी ने कहा, अभी हमारे पास कोई सुराग नहीं है। उन्होंने कहा, चश्मदीदों के जरिए हम सभी यह जानते हैं कि ये पिस्तौल वाले नकाबपोश युवा लड़के हैं जो गोलीबारी कर रहे हैं।

कानून व्यवस्था के नाम पर पुलिस और न्यायापालिका को नजरअन्दाज कर रही है राज्य सरकार : मायवती

लखनऊ ।

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने कानून व्यवस्था को लेकर सरकार पर हमला बोला और कहा कि यूपी में कानून-व्यवस्था व अपराध नियंत्रण के नाम पर सरकार व पुलिस, न्यायपालिका को नजरअंदाज करके काम कर रही है। बसपा प्रमुख मायवती ने बुधवार को प्रदेश सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि, यूपी में भी कानून-व्यवस्था व अपराध नियंत्रण आदि के नाम न्यायपालिका को नजरअंदाज किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जिस प्रकार से पुलिस और न्यायपालिका को नजरअन्दाज करके काम कर रही हैं। वह कानून के राज का मजाक है। बसपा प्रमुख मायावती ने आगे कहा कि राजस्थान तथा फिर इसके बाद मध्यप्रदेश व गुजरात जैसे अन्य राज्यों में शान्ति एवं सौहार्द बिगाड़ने वाली हिंसक घटनाएं हुई है। जिसके बाद सरकार ने प्रथमदृष्टया बदले की कार्रवाई की है। वह सही कदम नहीं। क्या इसी प्रकार के उदाहरणों से नया भारत बनेगा ज्ञात हो कि रविवार को रामनवमी के अवसर पर गुजरात, मुध्य प्रदेश, झारखंड और पश्चिम बंगाल में कई जगह हिंसा हुई थी। इन घटनाओं में दो लोगों की मौत हो गई तो कई घायल हो गए। वहीं उत्तर प्रदेश में कहीं से कोई अप्रिय खबर नहीं आई। इसको लेकर मुख्यमंत्रयी योगी ने भी अपनी सरकार की पीठ थपथपाते हुए कहा है कि यूपी में कहीं तू-तू-मैं-मैं नहीं हुई। उन्होंने कहा यह उत्तर प्रदेश के विकास की नई सोच को प्रदर्शित कर रहा है।

उन्होंने कहा यह उत्तर प्रदेश के विकास की नई सोच को प्रदर्शित कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां अब गुंडागर्दी और अराजकता के लिए कोई जगह नहीं है।

विधान परिषद चुनाव में सपा का सूपड़ा साफ, शिवपाल ने पहले ही कर दिया था इशारा

लखनऊ ।

उत्तर प्रदेश विधान परिषद चुनाव में समजावादी पार्टी का सूपड़ा साफ हो गया है। 36 सीटों पर हुए चुनाव में सपा एक भी सीट जीत नहीं पाई। हैरानी की बात तो यह है कि पार्टी अपने सबसे बड़े गढ़ और मुलायम परिवार के गृहजनपद इटावा में भी बुरी तरह हार गई है। अखिलेश यादव को यह झटका ऐसे समय पर लगा है जब चाचा शिवपाल यादव बागवत का बिगुल फूंक चुके हैं। दूसरी तरफ रामपुर और आजमगढ़ जैसे मजबूत सीटों पर भी सपा को हार का सामना करना पड़ा है। रामपुर के सबसे प्रभावशाली नेता आजम खान का खेमा भी अखिलेश से नाराज है, तो आजमगढ़ संसदीय सीट से सपा अध्यक्ष ने हाल ही में इस्तीफा दिया है। वैसे तो स्थानीय प्राधिकार क्षेत्र की सीटों पर चुनाव में सत्तारूढ़ दल का दबदबा नई बात नहीं है। लेकिन मुख्य विपक्षी दल का इस तरह शून्य पर सिमट जाना बड़ी बात है। खासकर इटावा जैसे गढ़ में भी सपा की हार के बाद राजनीतिक विश्लेषक हैरान हैं। सवाल उठ रहा है कि क्या परिवार में फूट और चाचा शिवपाल यादव की बागवत की भी इसमें भूमिका है? राजनीतिक जानकारों का मानना है कि इटावा में सपा की इतनी बड़ी हार सामान्य नहीं है। इटावा में मुलायम सिंह यादव के बाद सबसे ज्यादा किसी की पकड़ है, तो वह शिवपाल यादव की ही हैं। शिवपाल यादव का यहां के प्रत्येक कार्यकर्ता से व्यक्तिगत संपर्क है। ऐसे में इटावा के नतीजों में उनकी भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। विधान परिषद चुनाव में वोटिंग के लिए इटावा पहुंचे शिवपाल यादव ने भी इस ओर इशारा कर दिया था। चेहरे पर मुस्कान के साथ उन्होंने जहां एक तरफ यह कहा कि उचित समय आने वाला है तो दूसरी तरफ यह कहकर सस्पेंस बढ़ा दिया था कि नतीजे आने दो, देख लेना किसकी जीत होगी। शिवपाल ने अपनी जुबान से अधिक कुछ कहने से तो इनकार किया, लेकिन उनके चेहरे के हाव-भाव ने साफ कर दिया था कि वह अखिलेश के खिलाफ नतीजे आने की बात कर रहे हैं। यही वजह बना कि इटावा में पहली बार भारतीय जनता पार्टी ने जीत हासिल की है।

शादी में आलिया को कीमती 8 डायमंड्स का वेडिंग बैंड गिफ्ट करेंगे रणवीर कपूर

मुंबई । बॉलीवुड एक्टर आलिया भट्ट और रणबीर कपूर की शादी को बस कुछ ही समय बचा है। दोनों 14 या 15 अप्रैल को विवाह करने वाले हैं। इनकी इन्टिमेट सेरेमनी आरके हाउस वास्तु में होगी। और जब बात आती है शादी की तो हम गिफ्ट्स की भी बात करते हैं। रणबीर कपूर आलिया को बहुत सोच-विचार करके वेडिंग गिफ्ट देने वाले हैं। रणबीर कपूर ने आलिया भट्ट के लिए 8 डायमंड्स की रिंग बनवाई है। रणबीर कपूर का लकी नंबर 8 है, ऐसे में उन्होंने आलिया भट्ट को खास तोहफा देने का सोचा है। आलिया के जो रणबीर कपूर ने 8 डायमंड्स का वेडिंग बैंड बनवाया है, उसके डायमंड्स उन्होंने खुद पिक किए हैं। यह इंटरनेशनल ब्रांड वैन क्लीफ एंड आर्पेल्स ने तैयार किया है। कई सेलेब्स इस ब्रांड को प्रिफर करते हैं। कई बार इस ब्रांड की लग्जरी एक्सेस्सरीज भी पहने नजर आते हैं। रणबीर कपूर के करीबी दोस्त ने बताया कि एक्टर ने आलिया भट्ट के लिए कस्टम मेड रिंग बनवाई है। यह लंदन स्टोर में बनी है और खुद रणबीर ने आलिया के लिए डायमंड्स का चयन किया है। बता दें कि वैन क्लीफ एंड आर्पेल्स ब्रांड पेरिस का है। 1896 में इस ब्रांड की स्थापना हुई थी। इसकी खासियत यह है कि यह ब्रांड डायमंड को डट लुक देते हुए बेहद ही खूबसूरती से कट करता है। रणबीर कपूर और आलिया भट्ट की शादी 14 या 15 अप्रैल को होने वाली है। दोनों शादी के बाद एक नहीं, बल्कि दो ग्रैंड वेडिंग रिसेप्शन देने वाले हैं।

पूर्वोत्तर राज्यों में अगले पांच दिनों तक भारी वर्षा के आसार

नई दिल्ली । बंगाल की खाड़ी से पूर्वोत्तर भारत तक तेज दक्षिण-पश्चिमी हवाओं के प्रभाव में निचले क्षोभमंडल के स्तर पर रहने वाले उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और आठ पूर्वी राज्यों में अगले पांच दिनों के दौरान व्यापक रूप से बारिश होने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा कि 14 से 16 अप्रैल के दौरान असम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश में भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है और 13 अप्रैल को उसी क्षेत्र और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में बारिश की संभावना है। इस बीच, दक्षिण तमिलनाडु पर मध्य क्षोभमंडल स्तर तक चक्रवाती परिसंचरण के प्रभाव के तहत, केरल, माहे और लक्षद्वीप पर गरज/बिजली के साथ हल्की से भारी बारिश और तमिलनाडु में अलग-अलग जगह बारिश होने की संभावना है। अगले पांच दिनों के दौरान पुडुचेरी, कराईकल, तटीय आंध्र प्रदेश और तटीय और आंतरिक कर्नाटक और 13 व 14 अप्रैल को उन्हीं क्षेत्रों में भारी होने की संभावना है। इस बीच पूर्वोत्तर में चुमुकेदिमा और धनसिरी (प्रत्येक में 10 सेमी) और दीफू, तामेंगलोंग, झरनापानी (6 सेमी प्रत्येक) और वोखा (5 सेमी) में 4 सेमी से अधिक बारिश हुई।

डा. भीमराव अंबेडकर जयंती के अवसर पर बसपा युवा नेता ने निकाली मोटरसाइकिल रैली

बरहज/देवरिया । डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जन्म जयंती के अवसर पर पूर्व ब स पा विधायक स्व रामप्रसाद जयसवाल के बड़े सुपुत्र श्री श्याम जयसवाल द्वारा मोटरसाइकिल रैली निकाल कर जनता को भीमराव अंबेडकर के कार्यो को एक प्रेसवार्ता के जरिए अवगत करवाया/भारतीय संविधान निर्माता डा भीमराव अंबेडकर जी ने भारतीय जनता को समानता के अधिकार को दिलाते हुए सर्वसमाज को एकजुट करने प्रयास किया और उनके मूलभूत अधिकारों को सुरक्षित करते हुए सर्वसमाज को न्याय दिलाने हेतु सविधान में न्यायिक व्यवस्था का प्रबंध किया।

बुधवार को विधानसभा के पूर्व विधायक स्व राम प्रसाद जयसवाल के बड़े पुत्र व बहुजन समाज पार्टी के युवा नेता श्याम सुंदर जयसवाल के नेतृत्व में द्वारा डॉ भीमराव अंबेडकर के जयंती के उपलक्ष्य में सैकड़ो कार्यकर्ताओं के साथ बाइक रैली निकालकर विधानसभा व नगर की सम्मानित जनता से डॉ भीमराव अम्बेडकर के उद्देश्यों व सिद्धान्तों को आत्म सात करने की अपील की।

विधानसभा सभा बरहज, बहुजन समाज पार्टी के व्यहार प्रिय युवा नेता श्याम सुंदर जयसवाल ने बताया कि डॉक्टर भीमराव अंबेडकर ने भारत के संविधान की रचना कर हम सभी को स्वतंत्रता व समानता का अधिकार प्रदान किये और यह डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर की देन है उन्होंने बताया की आज वो समय आ गया है कि उनके द्वारा संविधान में प्रतिपादित सिद्धान्तों व उद्देश्यों को आत्म सात कर समाज व राष्ट्र में एकता व बन्धुत्व का संदेश प्रेषित करे।आगे उन्होंने कहा कि डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर दलितों व मजलूमों के मसीहा थे आजभी राष्ट्र उन्हें सिद्दत के साथ सविधान निर्माता के रूप में याद करता है। मैं समाज के लोगों से यह अपील करता हूं कि असमानता की भावना को त्याग कर पूरे राष्ट्र को एकता के सूत्र में पिरोने का कार्य करे। युवा नेता श्याम सुंदर जायसवाल ने बताया कि डॉ भीमराव अम्बेडकर ने कहा है कि यदि हम भूखे सो जाएं तो उसमें किसी भी प्रकार की गलानी नहीं होंगी लेकिन यदि हमारा समाज शिक्षित न हो तों हमारे समाज और राष्ट्र का विकास संभव नहीं है। हम आप सभी से अपील करते हैं कि आप लोग शिक्षित होकर एक सभ्य समाज के साथ एक नए राष्ट्र का निर्माण करें।

इस दौरान शुभम तिवारी,सुनील गुप्ता, सोनू सिंह, ओमजी निषाद, आमीर यादव, रजत रॅव, जय भारती गुप्ता, विमलेश्वर मिश्रा, रितेश, अमित जायसवाल, बलवंत सिंह, चन्दन,सिपाही के साथ सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मुस्लिम फल विक्रेता की दुकान में तोड़फोड़ करने आरोप में चार लोग गिरफ्तार

बेंगलुरु ।

कर्नाटक पुलिस ने श्रीराम सेना से जुड़े चार लोगों को गिरफ्तार किया है। इन सभी पर धारवाड़ जिले में मुस्लिम फल विक्रेता की दुकान में तोड़फोड़ करने के आरोप है। फल विक्रेता नबीसाब ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, इसके बाद पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान चिदानंद कलाल, कुमार कट्टिमणि, मायलरप्पा गुडप्पनवर और महालिंग एगली के रूप में हुई है। धारवाड़ ग्रामीण पुलिस ने जानबूझकर धार्मिक भावनाओं को आहत करने, गैरकानूनी सभा, दंगा करने और शांति भंग करने की कोशिश के आरोप में 8 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। जानकारी के मुताबिक, 15 साल से नबीसाब की दुकान नुगेकेरी हनुमान मंदिर के प्रांगण में है। दरअसल, 9 अप्रैल को मंदिर परिसर में आए कार्यकर्ताओं ने फलों को नष्ट कर उन्हें अपना व्यवसाय जारी न रखने की सलाह दी। राज्य के कानून और संसदीय कार्य मंत्री जेसी मधु स्वामी ने सदन के पटल पर कहा कि गैर-हिंदू मंदिर परिसर और धार्मिक मेलों में अपना कारोबार नहीं कर सकते हैं। उसके बाद से ही हिंदुत्ववादी समूह मुस्लिम विक्रेताओं को सभी धार्मिक स्थलों से खाली करने का पुरजोर मांग कर रहे हैं। लेकिन सभी लोगों ने फल विक्रेता की दुकान में हुई तोड़फोड़ की निंदा की और पूर्व मुख्यमंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने विक्रेता को वित्तीय सहायता दी है। बता दें कि राज्य में हिजाब, हलाल विवाद के बाद मंदिर के सामने मुस्लिम व्यापारियों की दुकान देखकर यह कहना गलत नहीं है कि पिछले कुछ दिनों में सांप्रदायिक घटनाएं बढ़ी हैं।

उबेर के बाद ओला ने भी मुंबई-दिल्ली एनसीआर के बाद कोलकाता और हैदराबाद में बढ़ाया किराया

नई दिल्ली ।

पेट्रोल के भाव कई शहरों में 100 रुपये लीटर के स्तर के पार निकल जाने का असर अब कैब और टैक्सी सेवाओं पर दिखने लगा है। ऐप बेस्ड टैक्सी सेवाएं देने वाली अमेरिकी कंपनी उबर ने मुंबई और दिल्ली-एनसीआर के बाद कोलकाता और हैदराबाद में भी किराया बढ़ा दिया है। इसी तरह प्रतिस्पर्धी कंपनी ओला ने भी कई शहरों में किराया बढ़ाने का निर्णय लिया है। उबर इंडिया एंड साउथ एशिया के हेड ऑफ सेंट्रल ऑपरेशंस नीतीश भूषण ने कहा कि हम ड्राइवर्स के फीडबैक को सुनते हैं और समझते हैं कि तेल की कीमतों में अभी आ रही तेजी से उन्हें दिक्कतें हो रही हैं। तेल की कीमतों में आई तेजी से ड्राइवर्स को हो रहा नुकसान कम करने के लिए उबर ने दिल्ली-एनसीआर और कोलकाता में किराया 12 फीसदी बढ़ाने का फैसला किया है। इसी तरह मुंबई और हैदराबाद में किराया 15 फीसदी बढ़ाया गया है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में कंपनी तेल की कीमतों के ट्रेंड पर नजर रखेगी और उसी के हिसाब से निर्णय लेगी। मामले से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि किराए में यह बढ़ोतरी सिर्फ कार कैटेगरी के लिए है। ऑटो रिक्शा के किराए में कोई बदलाव नहीं किया गया है, क्योंकि इस बारे में राज्य सरकारें अलग से फैसला लेती हैं। ओला ने भी प्रमुख शहरों में किराया बढ़ाने का फैसला लिया है। खबरों के अनुसार, कंपनी ने हैदराबाद के अपने ड्राइवरों को ईमेल भेजकर इसकी जानकारी दी है। ईमेल में कहा गया है कि ओला के मिनी और प्राइम कैटेगरी के लिए किराया 16 फीसदी बढ़ाया गया है।

संसद में भड़काऊ भाषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने उत्तराखंड से मांगी स्टेटस रिपोर्ट

हरिद्वार ।

हरिद्वार में पिछले साल धर्म संसद कार्यक्रम के दौरान भड़काऊ भाषण को लेकर की जा रही जांच में हुई प्रगति को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने उत्तराखंड सरकार से स्टेस्ट रिपोर्ट दाखिल करने के कहा है। इसके साथ ही, कोर्ट ने हिमाचल प्रदेश में इस तरह के धर्म संसद के आयोजन को लेकर याचिकाकर्ता को राज्य सरकार को इसकी कॉपी देने की भी इजाजत दी है। कोर्ट ने याचिकाकर्ता को यह भी छूट दी है कि वे इस कार्यक्रम के खिलाफ संबंधित जिला कलेक्टर के सामने शिकायतें दायर करवा सकते हैं। धर्म संसद में दिए गए भड़काऊ भाषण के खिलाफ आपराधिक कार्यवाई की मांग पर पत्रकार कुर्बान अली और सीनियर एडवोकेट अंजना प्रकाश पटना हाईकोर्ट के पूर्व जज की याचिका पर विचार करते जस्टिस ए.एम खानविलकर और अभय एस। ओका की बेंच की तरफ से यह आदेश दिया गया। इस मामले में उत्तराखंड सरकार की तरफ से पेश हुए वकील ने काउंटर एफिडेविट दायर करने के लिए और समय की मांग की है। लाइव लॉ के मुताबिक, राज्य सरकार की तरफ से यह बताया गया कि पुलिस ने इस मामले में चार केस दायर किए हैं और तीन मामलों में चार्जशीट दायर की जा चुकी है। प्रधान न्यायाधीश की अगुवाई वाली बेंच ने याचिका पर 12 जनवरी को नोटिस जारी किया था। सीजेआई के सामने कल फौरन सुनवाई के लिए याचिकाकर्ता के वकील की तरफ से मामले को रखा गया था। इसके बाद, इस मामले को जस्टिस खानविलकर की बेंच के सामने सुनवाई के लिए रखा गया था। साल 2021 में 17 और 19 दिसंबर को हरिद्वार में यति नरसिंहानंद की तरफ से और दूसरा कार्यक्रम दिल्ली में हिन्दू युवा वाहिनी की तरफ से आयोजित किया गया था। याचिकाकर्ताओं ने इस कार्यक्रम के दौरान दिए गए भड़काऊ भाषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने फौरन सुनवाई की मांग की थी।

वकील रश्मि सिंह, सुमिता हजारिका की तरफ से दायर याचिका में भड़काऊ भाषण को लेकर एसआईटी से निष्पक्ष जांच की मांग की गई थी। केन्द्रीय गृह मंत्रालय, दिल्ली के पुलिस कमिश्नर और डीजीपी उत्तराखंड को पक्ष बनाया गया था। इसके बाद उत्तराखंड सरकार ने विवादित यति नरसिंहानंद को गिरफ्तार किया, जो 16 जनवरी को आयोजित धर्म संसद कार्यक्रम के दौरान मुख्य स्पीकर थे।

देश के कई राज्यों में बना वर्षायोग, लोगों को भीषण गर्मी और लू से मिलेगी कुछ राहत

नई दिल्ली । राजधानी दिल्ली में बुधवार को आंशिक तौर पर बादल छाए रहेंगे। अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 39 और 22 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। पहाड़ों पर पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता से 18 अप्रैल तक रोजाना ही आंशिक तौर पर बादल छाए रहेंगे। दिल्ली-एनसीआर में भीषण गर्मी और लू से थोड़ी राहत बरकरार रहेगी। उत्तराखंड में गुरुवार को कुछ हिस्सों में छिटपुट बारिश व गरज के साथ बौछार भी पड़ सकती है। इससे गर्मी से राहत मिल सकती है। जम्मू कश्मीर में बढ़ती गर्मी के बीच 13-14 अप्रैल को कुछ स्थानों पर गरज के साथ हल्की बारिश एवं तेज हवा की संभावना है। इससे तपती गर्मी से हल्की राहत मिलेगी। मौसम विभाग के अनुसार इस सप्ताह तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के ऊपर जाने की संभावना है। पंजाब में भीषण गर्मी की मार झेल रहे लोगों को बुधवार को राहत मिलने की संभावना है। मौसम विभाग की माने तो बुधवार को बादल छाए रहेंगे और कुछ स्थानों पर बारिश भी होने का अनुमान है। बिहार के पश्चिमी और पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, अररिया और किशनगंज जिले के एक-दो स्थानों पर हल्की या मध्यम स्तर की बारिश हो सकती है। वहीं यूपी की बात करें तो कानपुर समेत कानपुर देहात, उन्नाव, हमीरपुर, हरदोई, फतेहपुर, फर्रूखाबाद, बांदा, जालौन, महोबा, कन्नौज, चित्रकूट, इटावा आदि जिलों में 13 से 17 अप्रैल के बीच धूल भरी आंधी के साथ बारिश भी हो सकती है। गर्मी के इस सीजन की यह पहली बारिश होगी। हिमाचल प्रदेश में गर्मी से कुछ राहत मिलने के आसार हैं। 15 अप्रैल तक प्रदेश के कई क्षेत्रों में मौसम खराब बना रहने की संभावना है। पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता से मौसम में यह बदलाव आ रहा है। इस दौरान कई क्षेत्रों में अंधड़ चलने का अलर्ट भी जारी हुआ है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के अनुसार प्रदेश के मध्य व उच्च पर्वतीय भागों में 15 अप्रैल तक बारिश के साथ कई जगह अंधड़ चलने के आसार हैं।

संक्षिप्त समाचार

पेंशनभोगियों और रिटायर्ड कर्मचारियों के लिए सिंगल-विंडो पोर्टल स्थापित

नई दिल्ली । पेंशनभोगियों और रिटायर्ड होने वाले वाले वरिष्ठ कर्मचारियों के लिए अच्छी खबर है। दरअसल, अब उन्हें पेंशन से जुड़ी सभी सुविधाओं के लिए सरकारी विभागों के चक्कर नहीं लगाना होगा। मोदी सरकार ने पेंशनभोगियों और सेवानिवृत्त वरिष्ठ नागरिकों के सुविधा के लिए सिंगल-विंडो पोर्टल स्थापित करने की घोषणा की गई है। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने पेंशनभोगियों और सेवानिवृत्त वरिष्ठ नागरिकों की मदद के लिए सिंगल-विंडो पोर्टल स्थापित करने की घोषणा की। सिंह ने जानकारी देकर कहा कि यह पोर्टल न केवल देशभर के पेंशनभोगियों और उनके सहयोगियों से सतत संपर्क बनाए रखने में मददगार होगा, बल्कि त्वरित प्रतिक्रिया के लिए लगातार उनके सुझाव और शिकायत आदि प्राप्त किए जा सकते हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कॉमन पेंशन पोर्टल का मकसद पेंशनभोगियों की सभी समस्याओं का एक ही स्थान पर डिजिटल मंत्र के द्वारा समाधान सुनिश्चित करना है ताकि उन्हें अलग-अलग विभागों के चक्कर नहीं लगाने पड़ें। जितेंद्र सिंह ने कहा कि पेंशन बकाया की प्रक्रिया, मंजूरी या वितरण के लिए जिम्मेदार सभी मंत्रालय इस डिजिटल से जुड़े रहे हैं और आकलन के बाद समस्या के समाधान के लिए संबंधित मंत्रालय या विभाग के पास शिकायतों को भेजा जाता है। उन्होंने कहा कि पेंशनभोगी, साथ ही नोडल अधिकारी, सिस्टम में निपटान तक ऑनलाइन शिकायत की स्थिति को देख सकते हैं।

नाबालिग लड़की से कथित दुष्कर्म मामले की पड़ताल के लिए भाजपा की पांच सदस्यीय समिति गठित

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने पश्चिम बंगाल के नदिया में नाबालिग लड़की से कथित दुष्कर्म और फिर उसकी हत्या के मामले की पड़ताल के लिए घटनास्थल का दौरा करने के लिए पार्टी की महिला सदस्यों की पांच सदस्यीय समिति का गठन किया है। भाजपा ने बताया कि तथ्य अन्वेषण समिति के सदस्यों में पार्टी की उपाध्यक्ष और सांसद रेखा वर्मा, उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री बेबी रानी मौर्या, तमिलनाडु से विधायक वनती श्रीनिवासन, खुशबू सुंदर और पश्चिम बंगाल की विधायक श्रीरूपा मित्रा चौधरी शामिल हैं। श्रीनिवासन तमिलनाडु में भाजपा की महिला ईकाई की प्रमुख भी हैं। ह्यगौरतलब है कि नौवीं कक्षा की छात्रा से पांच अप्रैल को आरोपी के घर पर एक जन्मदिन पार्टी में कथित तौर सामूहिक दुष्कर्म किया गया, जिसके बाद छात्रा की मौत हो गई। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने लड़की की मौत की वजह पर शक जाहिर किया था, इसके बाद विवाद उत्पन्न हो गया था। लड़की के परिवार ने उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म होने का आरोप लगाया है। बनर्जी ने कहा कि नाबालिग लड़की और तृणमूल कांग्रेस के स्थानीय नेता के बेटे के बीच प्रेम संबंध थे। बनर्जी ने यह सवाल भी किया था कि क्या वह गर्भवती थी। मामले में टीएमसी नेता के बेटे को गिरफ्तार किया गया है।

करौली हिंसा पीड़ितों से मिलने जा रहे तेजस्वी सूर्या को पुलिस ने रोका

करौली । राजस्थान में करौली हिंसा पीड़ितों से मिलने जा रहे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ.सतीश पूनियां और भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या को बुधवार को पुलिस ने हिंडौन रोड पर रोक दिया। प्रदेश भाजपा सूत्रों के अनुसार डा.पूनियां और सूर्या करौली हिंसा के पीड़ितों से मिलने के लिए जयपुर से न्याय यात्रा के रूप में रवाना हुए थे और वे करौली जिला बॉडर्र पर पहुंचने पर पुलिस ने उन्हें हिंडौन रोड पर आगे जाने से रोक दिया। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात हैं, वहीं काफी संख्या में भाजयुमों के कार्यकर्ता मौजूद हैं और वे आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे हैं। कार्यकर्ता राज्य सरकार के खिलाफ तथा भारत माता और जय श्री राम के नारे लगा रहे हैं। इसके पहले डा. पूनियां और सूर्या ने जयपुर में सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती करौली हिंसा के घायलों से मुलाकात कर न्याय रैली के रूप में करौली के लिए प्रस्थान किया था।

हंसखाली दुष्कर्म व हत्या मामले की जांच के लिए नदिया का दौरा करेगी एनसीपीसीआर टीम

नई दिल्ली । राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) की दो सदस्यीय टीम हंसखाली में एक नाबालिग लड़की से कथित दुष्कर्म और हत्या के मामले की जांच की स्थिति को समझने के लिए पश्चिम बंगाल के नदिया जिले का दौरा करेगी। एनसीपीसीआर के सदस्य सचिव की अध्यक्षता में दो सदस्यीय टीम 13-15 अप्रैल तक राज्य का दौरा करेगी। अधिकारियों ने कहा वे परिवार के सदस्यों के साथ-साथ संबंधित हितधारकों के साथ भी बातचीत करेंगे। घटना चार अप्रैल की है, जब आरोपी ने पीड़िता को अपना जन्मदिन मनाने के लिए अपने आवास पर आमंत्रित किया था। वहां आरोप के मुताबिक, लड़की को बहला-फुसलाकर शराब पिलाई गई और फिर उसके साथ दुष्कर्म किया गया। बाद में एक महिला ने पीड़िता को उसके आवास पर छोड़ दिया, जो कथित तौर पर आरोपी की करीबी सहयोगी थी। 4 अप्रैल की रात को लड़की को पेट के निचले हिस्से में तेज दर्द होने लगा और आखिरकार उसकी मौत हो गई।

मलिक की याचिका को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर विचार करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मलिक की उस याचिका को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर विचार करेगा जिसमें धन शोधन मामले में उन्हें जेल से तत्काल रिहा करने का अनुरोध किया है। प्रधान न्यायाधीश एन वी रमण, न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी और न्यायमूर्ति हिमा कोहली की पीठ ने बुधवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के जेल में बंद नेता मलिक की ओर से पेश वकील कपिल सिब्बल से दस्तावेज उपलब्ध कराने को कहा। कराने को कहा। कराने को कहा। मलिक ने अपनी याचिका पर तत्काल सुनवाई का अनुरोध किया है। पीठ ने कहा कृपया कागजात दीजिए। सिब्बल ने कहा कि धन शोधन रोकथाम कानून 2005 में लागू हुआ था और मंत्री पर 2000 से पहले किए गए कथित अपराधों के लिए आरोप लगाया गया है। प्रवर्तन निदेशालय ने गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम के सहायकों से कथित तौर पर जुड़े संपत्ति सौदे के सिलसिले में मलिक को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के तुरंत बाद मलिक ने उच्च न्यायालय में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर कर अपनी गिरफ्तारी और हिरासत के आदेशों को चुनौती दी थी।

प्रधानमंत्री बनने के बाद पहले दौरे पर सऊदी अरब और चीन जा सकते हैं शहबाज शरीफ

इस्लामाबाद ।

पाकिस्तान के नए प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के अपनी पहली विदेश यात्रा पर सऊदी अरब और चीन का दौरा करने की उम्मीद है। परंपरागत रूप से, दोनों देशों के साथ इस्लामाबाद के सामरिक संबंधों के कारण, पाकिस्तानी प्रधानमंत्री की पहली विदेश यात्रा अक्सर रियाद और बीजिंग की होती रही है। इमरान को सत्ता से हटाने के बाद शरीफ (70) ने पाकिस्तान के 23वें प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ ली थी। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के प्रमुख खान पाकिस्तान के पहले प्रधानमंत्री हैं, जिन्हें नेशनल असेंबली में अविश्वास प्रस्ताव में हार का सामना करना पड़ा। ' सत्तारूढ़ पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज (पीएमएल-एन) के एक नेता के हवाले से कहा कि शरीफ अपनी सऊदी अरब यात्रा के दौरान उमराह करने और सऊदी नेतृत्व से मुलाकात करने वाले हैं। शरीफ परिवार के सऊदी शाही परिवार के साथ घनिष्ठ व्यक्तिगत संबंध हैं, क्योंकि अक्टूबर 1999 के तख्तापलट के बाद नवाज शरीफ की सुरक्षित निकासी सुनिश्चित करने में उसने केंद्रीय भूमिका निभाई थी सऊदी अरब ने अतीत में लगातार पाकिस्तानी सरकारों को वित्तीय राहत पैकेज दिए हैं। खबर में कहा गया है कि रियाद ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की सरकार को छह अरब अमरीकी डॉलर का राहत पैकेज दिया। इसमें कहा गया कि यह स्पष्ट नहीं हैं, कि क्या शरीफ भी वित्तीय सहायता मांगने वाले हैं, यह देखते हुए कि सऊदी अरब ने कुछ समय पहले ही पाकिस्तान को तीन अरब अमेरिकी डॉलर प्रदान किए थे। सऊदी दौरे के बाद शरीफ के चीन जाने की भी उम्मीद है। खबर में कहा गया कि शरीफ को उनके प्रशासनिक गुणों के कारण चीनी नेतृत्व के बीच अच्छी प्रतिष्ठा के लिए जाना जाता है। खबर के मुताबिक पिछले पीएमएल-एन कार्यकाल के दौरान, शहबाज ने चीन-पाकिस्तान परियोजनाओं को गति देने में केंद्रीय भूमिका निभाई थी।

इमरान की पार्टी और बिलावल की पार्टी के समर्थकों के बीच हुई हाथापाई

इस्लामाबाद ।

सोशल मीडिया पर पाकिस्तान का वीडियो वायरल हो रहा हैं, जिसमें इमरान की पार्टी और बिलावल भुट्टो की पार्टी के समर्थक लड़ते दिख रहे हैं। वीडियो में दिख रहा है, कि बुजुर्ग व्यक्ति ने पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के असंतुष्ट नेता नूर आलम खान को पक्ष बदलने वाला बता दिया। इसके बाद बुजुर्ग और पीटीआई के असंतुष्ट नेता के बीच हाथापाई होती है। पूरे मामले का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। वीडियो मंगलवार का बताया जा रहा है।खबरों के मुताबिक, पीटीआई के असंतुष्ट नेता नूर आलम खान, पीपीपी (बिलावल की पार्टी) नेता मुस्तफा नवाज खोखर, नदीम अफजल चान और फैसल करीम कुंडी के साथ निजी होटल में इफ्तार डिनर कर रहे थे, जहां पीटीआई कार्यकर्ता बताए जा रहे बुजुर्ग नागरिक पहुंचा। इसके बाद बुजुर्ग नूर आलम खान और खोखर को बोतल फेंककर मारता है। इसके बाद दोनों नेता मिलकर बुजुर्ग को धक्का देते हैं। ट्विटर यूजर ने पीटीआई कार्यकर्ताओं पर पीपीपी कार्यकर्ताओं पर हमला करने का आरोप लगाया। उन्होंने ट्वीट किया कि वीडियो में साफ तौर पर दिखाया गया है, कि पीपीपी नेता मुस्तफा और अन्य पर मैरियट होटल में हमला किया था। यह नफरत का चौंकाने वाला स्तर है, जो भ्रष्टाचार के फतवे और मीडिया की मदद से चलाए जा रहे देशद्रोह से प्रेरित है। साथ ही 2014 के बाद से अरबों के निवेश के साथ प्रायोजित है। एक अन्य ट्विटर यूजर ने पीटीआई का बचाव किया।एक अलग एंगल से फुटेज शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, कृपया तहरीक ए इंसाफ के प्रचार का शिकार न हों। भूरे बालों वाला पीटीआई कार्यकर्ता पीपीपी नेता मुस्तफा नवाज नूर आलम खान पर वस्तुएं फेंककर गालियां दे रहा था।

अमेरिकी विदेशमंत्री का कबुलनामा, भारत के रूस के साथ संबंध दशकों पुराने

वाशिंगटन ।

अमेरिकी विदेश मंत्री टोनी ब्लिंकन ने कहा कि भारत के रूस के साथ संबंध दशकों पुराने हैं, ये उस वक्त में विकसित हुए जब अमेरिका, भारत का साझेदार बनने में सक्षम नहीं था। ब्लिंकन ने यह बात राष्ट्रपति जो बाइडन प्रशासन के शीर्ष अधिकारियों के, यूक्रेन पर रूस के हमले की घटना पर भारत के रुख को समझने के संकेतों के बीच कही। दरअसल यूक्रेन संकट को लेकर भारत के रुख पर और रूस से रियायती दरों पर तेल खरीदने को लेकर अमेरिका में असंतोष है। अमेरिकी विदेश मंत्री ने बयान रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन तथा भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर तथा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ टू प्लस टू मंत्रिस्तरीय वार्ता के बाद संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में दिया। उन्होंने कहा, भारत के रूस के साथ संबंध दशकों पुराने हैं और उस वक्त से हैं जब अमेरिका, भारत का साझेदार बनने की स्थिति में नहीं था। वक्त बदल चुका है।'' उन्होंने कहा,''आज हम भारत के साथ वाणिज्य, प्रौद्योगिकी, शिक्षा और सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में साझेदारी के लिए सक्षम और इच्छुक हैं। आज हमारे बीच इस लेकर बातचीत हुई है। जब बात तेल खरीद, प्रतिबंध आदि की आती है,तब मैं बस यही कहूंगा कि तेल खरीद के लिए यह जटिल प्रक्रिया है।

शीर्ष अमेरिकी राजनयिक ने हालांकि सहयोगियों और साझेदारों को रूस से तेल आदि की खरीद को बढ़ाने के प्रति आगाह किया। उन्होंने कहा, यकीनन हम देशों को इस बात के लिए प्रेरित कर रहे हैं कि वे रूस से अतिरिक्त ईंधन नहीं खरीदें। प्रत्येक देश की स्थिति अलग है, उनकी जरूरतें अलग हैं, लेकिन हम सहयोगियों और साझेदारों से उम्मीद करते हैं कि वे रूस से ईंधन खरीद को न बढ़ाएं।''

पार्टीगेट मामल में पीएम जानसन ने मांगी माफी, जुर्माने का भुगतान किया

लंदन ।

ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने कोरोना लाकडाउन के उल्लंघन के लिए स्कॉटलैंड यार्ड द्वारा लगाए गए जुर्माने का भुगतान कर मामले में पूर्ण रूप से माफी मांगी। यह मामला कोविड-19 पाबंदियों का उल्लंघन कर 'डाउनिंग स्ट्रीट' में पार्टियां आयोजित किए जाने से जुड़ा है। जॉनसन ने कहा, ''मैंने जुर्माने का भुगतान कर दिया है और मैं एक बार फिर पूर्ण रूप से माफी मांगता हूं। इससे पहले, ब्रिटिश प्रधानमंत्री के कार्यालय 'डाउनिंग स्ट्रीट' ने इसकी पुष्टि की थी कि जॉनसन और वित्त मंत्री ऋषि सुनक को मेट्रोपॉलिटन पुलिस से सूचना मिली है कि उन्हें ''फिक्स्ड पेनल्टी नोटिस'' (एफपीएन) जारी किया जाएगा। 'डाउनिंग स्ट्रीट के प्रवक्ता ने कहा था, प्रधानमंत्री और चांसलर (सुनक) को आज सूचना मिली है,कि मेट्रोपॉलिटन पुलिस उन्हें जुर्माना नोटिस जारी करेगी।'' बोरिस जॉनसन की पत्नी कैरी जॉनसन भी इस तरह के नोटिस की सूचना पाने वालों में शामिल हैं। उनकी प्रवक्ता ने कहा, पारदर्शी व्यवस्था के हित में, श्रीमती जॉनसन पुष्टि करती हैं कि उन्हें सूचित किया गया है, कि उन्हें एफपीएन प्राप्त होगा। उन्हें अभी तक एफपीएन की प्रकृति के बारे में कोई और विवरण नहीं मिला है। कोरोना के प्रसार की रोकथाम के लिए लागू लॉकडाउन का उल्लंघन करके ब्रिटिश प्रधानमंत्री के कार्यालय 'डाउनिंग स्ट्रीट और सरकार के कार्यालयों के भीतर आयोजित की गई पार्टियों के मामले को पार्टीगेट के तौर पर जाना जाता है। इस मामले में व्यापक आलोचना के कारण प्रधानमंत्री जॉनसन को संसद में माफी मांगनी पड़ी थी। विपक्षी दल लेबर पार्टी ने महामारी के दौरान सरकार द्वारा लगे कानूनी नियमों के उल्लंघन पर जॉनसन और सुनक दोनों के इस्तीफे की मांग की।

संक्षिप्त समाचार

डरबन क्षेत्र में बारिश और बाढ़ से 45 लोगों की मौत

जोहानिसबर्ग । दक्षिण अफ्रीका के डरबन क्षेत्र में बारिश और बाढ़ से 45 लोगों की मौत हो गई है और क्वाजुलु-नताल प्रांत में बंदरगाह, प्रमुख राजमार्गों तथा आसपास के इलाकों को नुकसान पहुंचा है। सेना को डरबन और आसपास के इंथेक्विनी महानगरीय क्षेत्र में बचाव कार्यों में सहायता के लिए तैनात किया गया। अधिकारियों का कहना है कि कुछ लोग पानी में बह गए हैं। डरबन बंदरगाह उप-सहारा अफ्रीका में सबसे बड़ा और सबसे व्यस्त पत्तन टर्मिनल है, जो बाढ़ के पानी से भर गया है, जिससे कंटेनर बह गए। अधिकारी बेघर हुए लोगों को आश्रय केंद्रों में ठहरा रहे हैं और चरमराई विद्युत प्रणाली को दुरुस्त करने में कर्मचारी लगे हैं। आपातकालीन सेवाओं के प्रवक्ता रॉबर्ट मैकेंजी ने बताया कि आपातकालीन सेवाएं कई दिन से अपने घरों में फंसे लोगों की मदद में लगी हैं, हालांकि अब मदद मांगने के लिए आने वाली कॉल की संख्या कम हो गई है। उन्होंने कहा कि राहत और बचाव कार्य लगातार जारी है।

ब्रुकलिन में हुई गोलीबारी से जुड़ी वैन मिली : सूत्र

न्यूयॉर्क । न्यूयॉर्क पुलिस को ब्रुकलिन में खाली यू-हॉल वैन मिली है, जिसका विवरण और लाइसेंस प्लेट नंबर उस वाहन से मेल खाता है, जिसकी मंगलवार को एक सबवे स्टेशन पर हुई गोलीबारी के संबंध में तलाश हो रही है। एक कानून प्रवर्तन अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। इस बीच, पुलिस ने गोलीबारी स्थल से करीब चार मील की दूरी पर स्थित एक सड़क को बंद कर बम निरोधक दस्ते व उच्च दक्षता वाली आपात सेवा ईकाई के आने तक आसपास के प्रतिष्ठानों को खाली कराया है। शहर भर के अधिकारियों से कहा गया था कि अगर उन्हें कोई यू-हॉल वैन दिखे, तब उसे रोककर उसमें सवार सभी लोगों को फौरन हिरासत में ले लें। गौरतलब है कि गैस मास्क पहने एक बंदूकधारी ने ब्रुकलिन में एक सबवे ट्रेन में धुआं छोड़ने के बाद कम से कम 10 लोगों को गोली मार दी थी। पुलिस हमलावर और किराए की एक वैन की तलाश में शहर का चप्पा-चप्पा छान रही है। गोलीबारी होने पर यात्री इधर-उधर भागने लगे थे। एक यात्री प्लेटफॉर्म पर गिर गया था। प्रत्यक्षदर्शी ने बताया, ''आपात स्थिति होने पर सबवे का दरवाजा खुल गया। ट्रेन में धुआं भरा हुआ था। हर तरफ खून फैला हुआ था और लोगों की चीख-पुकार सुनाई दे रही थी। गोलीबारी के बाद कम से कम 29 लोगों को गोली लगने, फेफड़ों में धुआं भरने और अन्य दिक्कतों के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इसमें पांच की हालत गंभीर है। पुलिस आयुक्त कीचेंट सीवेल ने बताया कि हमले की जांच आतंकवादी वारदात के तौर पर नहीं की जा रही है, लेकिन उन्होंने किसी भी आशंका को खारिज नहीं किया। हमले के पीछे के मकसद का अभी पता नहीं चल पाया है।

पाक पीएम शहबाज अंतरराष्ट्रीय भिखारी, संसद में सांसद ने चल्लि-चिल्लाकर उड़ाया मजाक

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के राजनीतिक उथल पुथल के बीच नए प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ सत्ता में आ गए हैं। शहबाज शरीफ पाकिस्तानी संसद में विश्वास मत हासिल कर रहे थे, उस समय इमरान खान की पार्टी के एक सांसद ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय भिखारी बताकर वीडियो पोस्ट कर दिया। पीटीआई के सांसद फहीम खान का संसद के नेशनल असेंबली में बनाया गया यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर जमकर शेयर किया जा रहा है। वीडियो में खुद शहबाज शरीफ दिख रहे हैं। फहीम खान पाकिस्तान के कराची से सांसद हैं और उन्होंने खुद ही शहबाज शरीफ के सामने ही यह वीडियो शूट किया है। उन्होंने यह वीडियो जब बनाया उस समय पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के सांसद अपना इस्तीफा दे रहे थे। इस वीडियो में मात्र कुछ देर के लिए फहीम दिखाई देते हैं और इसके बाद वह कैमरा शहबाज शरीफ की ओर मोड़ देते हैं। फहीम कहते हैं कि शहबाज शरीफ अंतरराष्ट्रीय भिखारी हैं। फहीम ने कहा कि पीटीआई एक ईमानदार पार्टी है, जबकि शहबाज शरीफ असली भिखारी हैं। उनके इस वीडियो को शेयर करने के कुछ घंटे बाद ही शहबाज शरीफ ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री की कुर्सी संभाल ली। बता दें कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ देश की राजनीतिक व्यवस्था में हुई उथल-पुथल और बार-बार हुए आंदोलनों के बाद सत्ता में आए हैं। शरीफ के देश के प्रधानमंत्री बनने का जश्न राजनीतिक और आर्थिक रूप से संकट में घिरे देश में कम होता देखा जा रहा है। हालांकि उनका जगह-जगह स्वागत भी हो रहा है। पाकिस्तान में तनाव पहले से ही कम होता दिख रहा है, क्योंकि नए प्रधानमंत्री सिस्टम में को दुरुस्त करने में लग गए हैं। लेकिन देश के चेहरे पर दिख रहे राजनीतिक संकट को लेकर मौजूदा अनिश्चितता खत्म होती नहीं दिख रही है। पीएम शरीफ के सामने दो मुख्य चुनौतियां हैं, प्रधानमंत्री की सीट पर उनका और राजनीतिक और लोकतांत्रिक संकट पर इसका सीधा प्रभाव।

मानवीय तत्व भारत-अमेरिका संबंधों का अहम कारक : जयशंकर

वाशिंगटन । विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत-अमेरिका संबंध बीते दो दशकों में 'असल बदलाव' के दौर से गुजरे हैं और इस साझेदारी का एक अहम कारक इसका मानवीय तत्व रहा है। जयशंकर ने यहां हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के छात्रों के साथ बातचीत में कहा भारत-अमेरिका संबंध पिछले दो दशकों में असल बदलाव के दौरे से गुजरे हैं। चाहे हमारा कूटनीतिक और सुरक्षा सहयोग हो या हमारी आर्थिक व प्रौद्योगिकी साझेदारी, वैश्विक मामलों में यह अपनी अहमियत महसूस कराने में सफल रही है। उन्होंने भारत-अमेरिका 2 प्लस 2 वार्ता के बाद अमेरिका के विदेश मंत्री एंटोनी ब्लिंकन के साथ छात्रों से हुई संयुक्त बातचीत में कहा इस बदलाव का अहम कारक इसका मानवीय तत्व रहा है। 44 लाख की आबादी वाला भारतीय समुदाय असल में इस समाज में हमारी छवि को परिभाषित करता है और रिश्ते मजबूत बनाने में मदद करता है, जो हमारे काम के लिए ऊर्जा का बड़ा स्रोत हैं। जयशंकर ने कहा इसके केंद्र में हमारे छात्र, विद्वान, अनुसंधानकर्ता और पेशेवर हैं, जिन्होंने अमेरिका की प्रगति में योगदान दिया है हमारे संबंधों के आगे बढ़ने के लिए यह भी उतना ही जरूरी है कि युवा अमेरिकियों के मन में भारत और दुनिया के बारे में बेहतर समझ विकसित हो।

कोविड ने 7.7 करोड़ लोगों को गरीबी के गर्त में धकेला

जेनेवा ।

संयुक्त राष्ट्र संघ की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि कोरोना की वजह से पिछले साल 7.7 करोड़ लोग गरीबी के गर्त में चले गए। कई विकासशील देश कर्ज पर दिए जाने वाले भारी ब्याज के कारण महामारी के दुष्प्रभावों से उबर नहीं पा रहे हैं। यह संख्या यूक्रेन में जारी युद्ध से पड़ने वाले प्रभाव से पहले की है। रिपोर्ट के अनुसार धनी देश महामारी के कारण आई गिरावट से काफी कम ब्याज पर कर्ज लेकर उबर सकते हैं, लेकिन गरीब देशों ने अपना कर्ज चुकाने में अरबों डॉलर खर्च किए और चूंकि उन्हें उच्च ब्याज दर पर ऋण मिला था, इसलिए वे शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुधार, पर्यावरण और असमानता घटाने की दिशा में ज्यादा खर्च नहीं कर सके। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, 2019 में 81.2 करोड़ लोग अत्यधिक गरीबी में रह रहे थे और रोजाना 1.90 डॉलर या उससे भी कम राशि कमा रहे थे। वहीं, 2021 तक ऐसे लोगों की संख्या बढ़कर 88.9 करोड़ हो गई। यह रिपोर्ट 2030 में संयुक्त राष्ट्र के विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए जरूरी वित्तपोषण पर आधारित है, जिसमें गरीबी खत्म करना, सभी युवाओं के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करना एवं लैंगिक समानता हासिल करना शामिल है। यूएन की उप महासचिव अमीना मोहम्मद ने एक प्रेस वार्ता में कहा, जलवायु परिवर्तन और कोविड-19 महामारी स्थिति को और बदतर बना रही है। इसके अलावा यूक्रेन के युद्ध का वैश्विक प्रभाव भी है।

मोहम्मद के मुताबिक, एक विश्लेषण से संकेत मिलता है कि यूक्रेन युद्ध की वजह से 1.7 अरब लोगों को खाने, ईंधन और उर्वरकों की उच्च कीमतों का सामना करना पड़ रहा है। रिपोर्ट में अनुमान जताया गया है कि इसके चलते 2023 के अंत तक 20 प्रतिशत विकासशील देशों में प्रति व्यक्ति जीडीपी 2019 से पहले के स्तर पर नहीं लौटेगी। रिपोर्ट कहती है कि विकासशील देश अपने राजस्व का 14 फीसदी हिस्सा ऋण पर लगने वाला ब्याज चुकाने में खर्च करते हैं, जबकि अमीर मुल्कों के मामले में यह आंकड़ा महज 3.5 फीसदी है।

श्रीलंका में आर्थिक संकट और गहराया, भारत ने भेजी 11 हजार मीट्रिक टन चावल की खेप

कोलंबो ।

श्रीलंका में आर्थिक संकट गहरा गया है। यहां तक कि श्रीलंका ने दूसरे देशों से लिए हुए कर्ज को चुकाने से भी हाथ खड़े कर दिए हैं। श्रीलंका ने कहा है कि वह कुछ समय के लिए दूसरे देशों से लिया हुआ कर्ज नहीं चुका पाएगा। इन सबके बीच भारत ने श्रीलंका की मदद जारी रखने का फैसला किया है। इसी क्रम में भारत ने श्रीलंका को 11,000 टन चावल की खेप भेजी है। श्रीलंका के पारंपरिक नए साल से पहले भारत ने ये मदद की। मंगलवार को भारत से 11,000 टन चावल की एक खेप कोलंबो पहुंची। आर्थिक संकट का सामना कर रहे श्रीलंका के लिए भारत की ओर से ये मदद काफी अहम मानी जा रही है। आर्थिक संकट का सामना कर रहे श्रीलंका के लिए नए साल के जश्न से पहले यह एक बड़ी राहत है। श्रीलंका में 13 और 14 अप्रैल को लोग सिंहल और तमिल नव वर्ष मनाएंगे। यह श्रीलंका के सबसे बड़े त्योहारों में से एक है। भारतीय उच्चायोग की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि श्रीलंका के लोगों द्वारा नए साल के जश्न से पहले भारत से चावल की खेप कोलंबो पहुंच गई। भारतीय उच्चायोग ने कहा, पिछले एक हफ्ते में श्रीलंका को भारत की मदद के तहत 16,000 टन चावल की आपूर्ति की गई है। यह आपूर्ति आगे भी जारी रहेगी, जो भारत और श्रीलंका के बीच विशेष संबंधों को दर्शाता है। भारत सरकार ने अपने पड़ोसी देश के लिए मदद के हाथ आगे बढ़ाए हैं। भारत ने श्रीलंका को एक बिलियन डॉलर की क्रेडिट लाइन की सहायता जारी की है। इतना ही नहीं भारत से खाद्यान्न, पेट्रोल, डीजल और दवाइयां भी श्रीलंका भेजी जा रही हैं। इसके साथ ही अब भारतीय कंपनियां भी मुश्किल की घड़ी में मदद के लिए आगे आई हैं। श्रीलंका में मौजूद भारतीय कंपनी न सिर्फ कर्मचारियों की मदद के लिए आगे आ रही हैं, बल्कि आसपास के लोगों की भी मदद कर रही हैं। कोलंबो से दक्षिण श्रीलंका की तरफ शहर से 30 किलोमीटर की दूरी पर स्थित डायमंड हार्बर कंपनी के एमडी संजय बेद अपने कर्मचारियों को फंड से लेकर खाद्यान्न तक की मदद दे रहे हैं। दूसरी कंपनियां भी मदद के लिए आगे आई हैं।

कनाडा में भारतीय छात्र की हत्या का संदिग्ध गिरफ्तार: पुलिस

टोरंटो । टोरंटो पुलिस ने कहा कि कनाडा में 21 वर्षीय छात्र कार्तिक वासुदेव की गोली मारकर हत्या करने के मामले में संदिग्ध को गिरफ्तार किया है। कार्तिक के परिजनों ने बताया कि वह गाजियाबाद का निवासी था और जनवरी में पढ़ाई के लिए कनाडा गया था। सेंट जेम्स टाउन के शेरबोर्न टीटीसी स्टेशन के ग्लेन रोड प्रवेश द्वार पर बृहस्पतिवार शाम को कार्तिक की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। कर्तिक को अस्पताल ले जाया गया था जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई थी। कार्तिक के पिता ने उसकी हत्या के पीछे की मंशा को लेकर चिंता जताकर कहा कि कार्तिक के मामले की कानूनी प्रक्रिया की निगरानी के लिए कनाडा की यात्रा करूंगा। टोरंटो पुलिस के प्रमुख जेम्स रेमर ने कहा, कार्तिक शेरबोर्न सबवे स्टेशन के बाहर ही था, जब एक अज्ञात व्यक्ति उसके पास आया और कई गोली चलाई जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने संदिग्ध की पहचान 39 वर्षीय रिचर्ड जोनाथन एडविन के रूप में की है, जिस पर पिछले शनिवार को एक अन्य व्यक्ति की हत्या करने का आरोप है। हत्या की मंशा से जुड़े सवाल पर टोरंटो पुलिस के सार्जेंट टेरी ब्राउन ने कहा, दोनों हत्या के मामलों के संदिग्ध का कोई पुराना आपराधिक इतिहास नहीं है। हम उसकी आपराधिक पृष्ठभूमि के बारे में जानकारी एकत्र करने के लिए गहनता से जांच कर रहे हैं। हम यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि यह व्यक्ति कौन है और उसके साथी कौन हैं। वहीं, गाजियाबाद में कार्तिक के पिता जितेश वासुदेव ने कहा कि कनाडा पुलिस ने उन्हें मामले में एक व्यक्ति की गिरफ्तारी के बारे में सूचित किया है। उन्होंने कहा, कनाडा के अधिकारियों ने हमे सूचित किया है कि शव शनिवार को गाजियाबाद लाया जाएगा।

बाजवा के खिलाफ दुष्प्रचार अभियान चलाने के आरोप में इमरान की पार्टी के आठ लोग गिरफ्तार

लाहौर ।

पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा के खिलाफ कथित दुष्प्रचार अभियान चलाने के आरोप में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी (पीटीआई) के आठ सोशल मीडिया कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया है। पाकिस्तान की संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) ने सोशल मीडिया पर बाजवा और सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों को कथित तौर पर निशाना बनाने के लिए पंजाब प्रांत के अलग-अलग हिस्सों से ये गिरफ्तारियां कीं। इमरान को एकजुट विपक्ष द्वारा आठ मार्च को उनके खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव के बीते रविवार कामयाब होने के बाद प्रधानमंत्री पद गंवाना पड़ा था। अविश्वास प्रस्ताव के बाद के दिनों में बाजवा के खिलाफ चलाया गया एक अभियान ट्विटर पर ट्रेंड करने लगा था। एफआईए के मुताबिक, खुफिया एजेंसियों से बाजवा और शीर्ष अदालत के न्यायाधीशों के खिलाफ सोशल मीडिया अभियान में शामिल 50 संदिग्धों की सूची मिली है और इनमें से आठ लोगों को हिरासत में ले लिया गया है।

ट्विटर पर जारी हजारों ट्वीट में पाक सेना प्रमुख और उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों पर इमरान को अमेरिका के इशारे पर प्रधानमंत्री पद से हटाने का आरोप लगाया गया था। इमरान के करीबी सहयोगी असद उमर ने ट्वीट में कहा, पीटीआई के सोशल मीडिया कार्यकर्ताओं के उत्पीड़न को चुनौती देने वाली याचिका को अंतिम रूप दे दिया गया है। इस बुधवार को उच्च न्यायालयों में दायर किया जाएगा। इस बीच, मंगलवार को हुई पाकिस्तान के सैन्य अधिकारियों की एक बैठक में सोशल मीडिया पर सेना के खिलाफ चलाए गए अभियान पर चर्चा की गई। इस दौरान 'मुल्क में संविधान और कानून के शासन को बनाए रखने के लिए सैन्य नेतृत्व के सुविचारित रुख' पर पूर्ण विश्वास जताया गया। इंटर सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) की ओर से जारी बयान के अनुसार, फॉर्मेशन कमांडर्स की 79वीं बैठक सैन्य मुख्यालय में आयोजित की गई थी और इसमें सेना के कोर कमांडरों, प्रमुख स्टाफ अधिकारियों व सभी फॉर्मेशन कमांडरों ने हिस्सा लिया था। प्रमुख स्टाफ अधिकारियों व सभी फॉर्मेशन कमांडरों ने हिस्सा लिया था। बयान के अनुसार, बैठक की अध्यक्षता सेना प्रमुख जनरल बाजवा ने की थी। इसमें कहा गया है,बैठक में कुछ तत्वों द्वारा पाक सेना को बदनाम करने और संस्था व समाज के बीच दूरी पैदा करने के लिए हाल ही में चलाए गए दुष्प्रचार अभियान पर चर्चा की गई।

सुविचार — जिस प्रकार बिना जल के धान नहीं उगता उसी प्रकार बिना विनय के प्राप्त की गयी विधा फलदायी नहीं होती। - भगवान महावीर

संपादकीय

मोदी-बाइडन वार्ता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के बीच हुई आभासी शिखर-वार्ता के गहरे निहितार्थ हैं। रियायती दर पर भारत को तेल बेचने के रूसी प्रस्ताव को लेकर एकाधिक अमेरिकी बयानों से भ्रम की स्थिति बन गई थी। पश्चिमी मीडिया का एक हिस्सा इन बयानों को अमेरिकी नाखुशी के रूप में पेश करने में जुटा था, लेकिन विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारत-अमेरिकी 2+2 वार्ता के बाद आयोजित संवाददाता सम्मेलन में स्पष्ट कर दिया कि रूस से पेट्रो उत्पादों की खरीद के संदर्भ में भारत को लेकर अमेरिका को चिंतित होने की जरूरत नहीं है, क्योंकि यूरोप जितना एक दोपहर में उससे तेल खरीदता है, भारत उतना महीने भर में भी आयात नहीं करता। वाशिंगटन को यह मानना पड़ा है कि भारत का तेल आयात मॉस्को पर आयद प्रतिबंधों का उल्लंघन नहीं है और यूक्रेन युद्ध के मामले में भारत अपनी भूमिका लेने के लिए आजाद है। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद दुनिया की बड़ी शक्तियां अब खुलकर आमने-सामने आ चुकी हैं और अमेरिका चाहता है कि रूस पर आर्थिक दबाव बनाए रखा जाए। इसलिए मॉस्को से पेट्रो उत्पादों के अलावा हथियार खरीद के नए समझौतों को लेकर भी उसने अपने तेवर कड़े कर लिए हैं। लेकिन वाशिंगटन को यह समझने की जरूरत है कि रूस के साथ भारत के दशकों पुराने सामरिक संबंध हैं और वह अपने हितों की अनदेखी नहीं कर सकता। यूक्रेन मामले पर संयुक्त राष्ट्र की तमाम वोटिंग के दौरान अनुपस्थित रहकर भी भारत ने यह साफ कर दिया है कि वह अपने कंधे का इस्तेमाल करने की इजाजत किसी को नहीं देगा। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रुख से भी वाशिंगटन को स्पष्ट हो जाना चाहिए कि भारत वैश्विक शांति और अपने हितों के बीच संतुलन साधना जानता है। प्रधानमंत्री ने बातचीत के दौरान एक बार भी रूस का नाम नहीं लिया। भारत को अपने पक्ष में करने की अमेरिकी रणनीति समझी जा सकती है। ये दोनों देश दुनिया के दो सबसे बड़े लोकतंत्र हैं। फिर वाशिंगटन जानता है कि चीन पहले से मॉस्को के साथ है। उसके पास मजबूत आर्थिक व सैन्य ताकत के अलावा एक विशाल बाजार भी है, जिसका जवाब सिर्फ भारत हो सकता है। भारत और चीन के तनावपूर्ण संबंधों में भी वह अपने लिए संभावनाएं देख रहा है। चंद रोज पहले उसके उप-राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार दलीप सिंह की अराजनयिक टिप्पणी इसी बात की तस्दीक करती है। अब वह भारत की ऊर्जा व सैन्य जरूरतों में अपनी दिलचस्पी दिखा रहा है। यह सही है कि अंतरराष्ट्रीय कूटनीति परिस्थितियों से संचालित होती है, लेकिन नाजुक मौकों पर रूस के सहयोग को भारत कैसे भूल सकता है? वह भी उस अमेरिका के मुकाबले, जिसने तमाम सुबूतों के बावजूद पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के मामले में भारतीय हितों की हमेशा अनेदखी की? इन सबके बावजूद प्रधानमंत्री ने यूक्रेन के मासूम नागरिकों की हत्या की तीखी निंदा की है। और यह भारत का पुराना रुख है, वह किसी अमानवीय कृत्य की हिमायत नहीं कर सकता। निस्संदेह, भारत को भी अमेरिका के साथ और सहयोग की आवश्यकता है, पर वाशिंगटन को समझना होगा कि इकतरफा दबाव का दौर अब खत्म हो चुका है। यूरोप का रूस से जारी कारोबार इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। इसलिए परस्पर सम्मान और समझदारी से ही भारत-अमेरिकी संबंध भी एक नई ऊंचाई को छू सकेंगे।

आज के कार्टुन

ब्रह्मचर्य

आचार्य रजनीश ओशो/ जब दो शरीर के बीच आकर्षण होता है तो काम; जब दो मनों के बीच आकर्षण होता है तो प्रेम--जिसे हम प्रेम कहते हैं; जब दो आत्माओं के बीच आकर्षण होता है तब प्रार्थना; और जब दो बिल्कुल खो जाते हैं, दो ही नहीं रह जाते, तब इश्क, जिसको दादू प्रेम कहते हैं; जिसको जीसस ने प्रेम कहा है। वह आखिरी ऊंचाई है। वे सीढ़ियां तुम्हारे भीतर हैं। तुम पहली ही सीढ़ी पर खड़े रह जाओ तो कोई और जिम्मेवार नहीं है। दूसरी सीढ़ी पास ही थी, लेकिन कोई अड़चन होनी चाहिए। कोई गहरी बाधा होनी चाहिए। इतने लोग चूक जाते हैं कि करीब-करीब ऐसा लगता है, चूकना स्वाभाविक है। और इतने कम लोग उपलब्ध हो पाते हैं कि ऐसा लगता है, पाना अपवाद है, नियम नहीं। कोई बुद्ध, कोई चैतन्य, कोई दादू, कोई नानक--कभी करोड़ों लोगों में एक। बाधा है ़ मरने का डर। क्योंकि जितनी ऊंचाई पर तुम जाते हो, उतना ही तुम्हारा अहंकार क्षीण होने लगता है, गलने लगता है। जितनी ऊंचाई होगी, उतने ही तुम कम हो जाओगे। यह डर है। जितनी निचाई होगी, उतने ही तुम रहोगे। ठीक जमीन पर पड़े रहो तो पत्थर की चट्टान की तरह तुम होओगे। स्वभावत ़ ऊपर उठना हो तो पत्थर की चट्टानें ऊपर नहीं उठतीं; सुगंध उठती है, अग्नि की शिखा उठती है, भाप उठती है। विरल हो जाना पड़ता है। स्वयं को खोना पड़ता है। कामवासना में कोई खोता नहीं अपने को। कामवासना में तुम-तुम रहते हो। तुम दूसरे का उपयोग कर लेते हो। तुम मिटते नहीं, वस्तुत ़ तुम दूसरे को मिटाने की चेष्टा करते हो। इसीलिए तो पति-पत्नियों में इतनी कलह है सारे संसार में पूरे मनुष्य-जाति के इतिहास में। हजार तरह से सोचा गया है कि पति-पत्नी की कलह कैसे मिटे। कोई उपाय नहीं दिखता। कलह मिट नहीं सकती, ऐसा लगता है। जब तक मनुष्य ऊपर न उठना सीखे, कलह नहीं मिट सकती। कलह यही है कि पत्नी पति को मिटाने की चेष्टा कर रही है, पति पत्नी को मिटाने की चेष्टा कर रहा है। एक गहन संघर्ष है, जो चाहे उन्हें ज्ञात भी न हो। पति कोशिश कर रहा है कि मैं सब कुछ हूं, तू मेरी परिधि है। पत्नी भी यही कोशिश कर रही है कि मैं केंद्र हूं, तुम परिधि हो। दोनों के अहंकार अपने को बचाने की चेष्टा में संलग्न हैं। कहीं दूसरा मिटा न दे। इसके पहले कि दूसरा मिटाए, मैं उसे मिटा दूं; यही सुरक्षा का उपाय मालूम पड़ता है। इसलिए कामवासना प्रेम की तो बड़ी दूर की खबर है, हिंसा की ज्यादा।

जाति प्रथा के विरोधी थे डा.आम्बेडकर

(14 अप्रैल जयन्ती पर विशेष)

(लेखक- रमेश सर्राफ धमोरा)

भारतीय संविधान के रचयिता डॉ. भीमराव आम्बेडकर का सपना था कि भारत जाति-मुक्त हो, औद्योगिक राष्ट्र बने, सदैव लोकतांत्रिक बना रहे। लोग आम्बेडकर को एक दलित नेता के रूप में जानते है। जबकि उन्होने बचपन से ही जाति प्रथा का खुलकर विरोध किया था। उन्होने जातिवाद से मुक्त आर्थिक दृष्टि से सुदृढ़ भारत का सपना देखा था। मगर देश की गन्दी राजनीति ने उन्हे सर्वसमाज के नेता के बजाय दलित समाज का नेता के रूप में स्थापित कर दिया। डा.आम्बेडकर का एक और सपना भी था कि दलित धनवान बनें। वे हमेशा नौकरी मांगने वाले ही न बने रहें अपितु नौकरी देने वाले भी बनें। बाबा साहब का मानना था कि वर्गहीन समाज गढने से पहले समाज को जाति विहीन करना होगा। आज महिलाओं को अधिकार दिलाने के लिए हमारे पास जो भी संवैधानिक सुरक्षाकवच, कानूनी प्रावधान और संस्थागत उपाय मौजूद हैं। इसका श्रेय किसी एक मनुष्य को जाता है वे हैं डॉ. भीमराव आम्बेडकर। भारतीय संदर्भ में जब भी समाज में व्याप्त जाति, वर्ग और लिंग के स्तर पर व्याप्त असमानताओं और उनमें सुधार के मुद्दों पर चिंतन हो तो डॉ. आंबेडकर के विचारों और दृष्टिकोण को शामिल किए बिना बात पूरी नहीं हो सकती। हर वर्ष 14 अप्रैल को बाबासाहेब डा.भीमराव आम्बेडकर की जयन्ती मनायी जाती है। बाबासाहेब की जयन्ती पर लोगों को संकल्प लेना चाहिये कि हम सब सच्चे मन से उनके बताये मार्ग का अनुशरण करेगें। उनके बनाये संविधान का पालन करेगें। ऐसा कोई काम नहीं करेगें जिससे देश के किसी कानून का उल्लधंन होता हो। चूंकि बाबासाहेब हमेशा जाति प्रथा, ऊंच नीच की बातों के विरोधी थे। इसलिये उनकी जयन्ती पर उनको श्रधांजली देने का सबसे अच्छा तरीका है उनके सिद्धांतो को अपने जीवन में अपनाये। बाबासाहेब भीमराव आम्बेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को मध्यप्रदेश के मऊ में एक गरीब परिवार मे हुआ था। वो भीमराव रामजी मालोजी सकपाल और भीमाबाई की 14 वीं सन्तान थे। उनका परिवार मराठी था जो महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले मे स्थित अम्बावडे नगर से सम्बंधित था। उनके बचपन का नाम रामजी सकपाल था। वे हिंदू महार जाति के थे जो अछूत कहे जाते थे। उनकी जाति के साथ सामाजिक और आर्थिक रूप से गहरा भेदभाव किया जाता था। एक अस्पृश्य परिवार में जन्म लेने के कारण उनको बचपन कष्टों में बिताना पड़ा था। भारतीय संदर्भ में देखा जाए तो आम्बेडकर संभवतः पहले अध्येता रहे हैं। जिन्होंने जातीय संरचना में महिलाओं की स्थिति को समझने की कोशिश की थी। उनके संपूर्ण विचार मंथन के दृष्टिकोण में सबसे महत्वपूर्ण मंथन का हिस्सा महिला सशक्तिकरण था। आम्बेडकर यह बात समझते थे कि स्त्रियों की स्थिति सिर्फ ऊपर से उपदेश देकर नहीं सुधरने वाली, उसके लिए कानूनी व्यवस्था करनी होगी। हिंदू कोड बिल महिला सशक्तिकरण का असली आविष्कार है। इसी कारण आंबेडकर हिंदू कोड बिल लेकर आये थे। हिंदू कोड बिल भारतीय महिलाओं के लिए सभी मर्ज की दवा थी। पर अफसोस यह बिल संसद में पारित नहीं हो पाया और इसी कारण आम्बेडकर ने कानून मंत्री पद का इस्तीफा दे दिया था। स्त्री सरोकारों के प्रति डॉ भीमराव आम्बेडकर का समर्पण किसी जुनून से कम नहीं था। डा.भीमराव आम्बेडकर का मानना था कि भारतीय महिलाओ के पिछड़ेपन की मूल वजह भेदभावपूर्ण समाज व्यवस्था और शिक्षा का अभाव है। शिक्षा में समानता के संदर्भ में आंबेडकर के विचार स्पष्ट थे। उनका मानना था कि यदि हम लडकों के साथ-साथ लड़कियों की शिक्षा पर ध्यान देने लग जाए तो प्रगति कर सकते है। शिक्षा पर किसी एक ही वर्ग का अधिकार नहीं है। समाज के प्रत्येक वर्ग को शिक्षा का समान अधिकार है। नारी शिक्षा पुरुष शिक्षा से भी अधिक महत्वपूर्ण है। चूंकि पूरी पारिवारिक व्यवस्था की धुरी नारी है उसे नकारा नहीं जा सकता है। आम्बेडकर के प्रसिद्ध मूलमंत्र की शुरुआत ही 'शिक्षित करो' से होती है। इस मूलमंत्र की पालना से आज कितनी ही महिलाएं शिक्षित होकर आत्मनिर्भर बन रही है। बाबा साहेब आम्बेडकर कुल 64 विषयों में मास्टर थे। वे हिन्दी, पाली, संस्कृत, अंग्रेजी, फ्रेंच, जर्मन, मराठी, पर्शियन और गुजराती जैसे 9 भाषाओं के जानकार थे। इसके अलावा उन्होंने लगभग 21 साल तक विश्व के सभी धर्मों की तुलनात्मक रूप से पढाई की थी। डॉक्टर आम्बेडकर अकेले ऐसे भारतीय है जिनकी प्रतिमा लंदन संग्राहलय में कार्ल मार्क्स के साथ लगाई गई है। इतना ही नहीं उन्हें देश विदेश में कई प्रतिष्ठित सम्मान भी मिले है। भीमराव आंबेडकर के पास कुल 32 डिग्री थी। डॉक्टर भीमराव आम्बेडकर के निजी पुस्तकालय राजगृह में 50 हजार से भी अधिक किताबें थी। यह विश्व का सबसे बडा निजी पुस्तकालय था। जब 15 अगस्त 1947 में भारत की स्वतंत्रता के बाद कांग्रेस के नेतृत्व वाली नई सरकार बनी तो उसमें डा.आम्बेडकर को देश का पहले कानून मंत्री नियुक्त किया गया। 29 अगस्त 1947 को डा.आम्बेडकर को स्वतंत्र भारत के नए संविधान की रचना कि लिए बनी संविधान मसौदा समिति के अध्यक्ष नियुक्त किया गया। 26 नवम्बर 1949 को संविधान सभा ने उनके नेतृत्व में बने संविधान को अपना लिया। अपने काम को पूरा करने के बाद बोलते हुए डा.आम्बेडकर ने कहा मैं महसूस करता हूं कि भारत का संविधान साध्य है, लचीला है पर साथ ही यह इतना मजबूत भी है कि देश को शांति और युद्ध दोनों समय जोड़ कर रखने में सक्षम होगा। मैं कह सकता हूं कि अगर कभी कुछ गलत हुआ तो इसका कारण यह नही होगा कि हमारा संविधान खराब था बल्कि इसका उपयोग करने वाला मनुष्य ही गलत था। आम्बेडकर ने 1952 में निर्दलीय उम्मीदवार के रूप मे लोक सभा का चुनाव लड़ा पर हार गये। मार्च 1952 मे उन्हें राज्य सभा के लिए मनोनित किया गया। अपनी मृत्यु तक वो उच्च सदन के सदस्य रहे। डा.आम्बेडकर ने 14 अक्टूबर 1956 को नागपुर में अपने लाखों समर्थकों के साथ एक सार्वजनिक समारोह में एक बौद्ध भिक्षु से बौद्ध धर्म ग्रहण कर लिया। राजनीतिक मुद्दों से परेशान आम्बेडकर का स्वास्थ्य बिगड़ता चला गया। 6 दिसम्बर 1956 को आम्बेडकर की नींद में ही दिल्ली स्थित उनके घर मे मृत्यु हो गई। 7 दिसम्बर को बम्बई में चैपाटी समुद्र तट पर बौद्ध शैली मे उनका अंतिम संस्कार किया गया जिसमें उनके हजारों समर्थकों, कार्यकर्ताओं और प्रशंसकों ने भाग लिया। 1990 में बाबासाहेब डा.आम्बेडकर को भारत रत्न से सम्मानित किया गया। सरकारों की उपेक्षा के चलते बाबा साहेब को भारत रत्न सम्मान बहुत देर से प्रदान किया गया। जिसके वे सबसें पहले हकदार थे। आम्बेडकर के दिल्ली स्थित 26 अलीपुर रोड के उस घर में एक स्मारक स्थापित किया गया है जहां वो सांसद के रूप में रहते थे। देश भर में आम्बेडकर जयन्ती पर सार्वजनिक अवकाश रखा जाता है। अनेको सार्वजनिक संस्थानो का नाम उनके सम्मान में उनके नाम पर रखा गया है। आम्बेडकर का एक बड़ा चित्र भारतीय संसद भवन में लगाया गया है। हर वर्ष 14 अप्रैल व 6 दिसम्बर को मुम्बई स्थित उनके स्मारक पर हर साल काफी लोग उन्हे अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए आते हैं।

लेखक –चंद्रकांत सी पूजारी, गुजरात

क्रांति के युगांतकारी चिंतक डॉ. अंबेडकर

(लेखक – डॉ. अशोक कुमार भार्गव/ 14 अप्रैल 2022 डॉ. अंबेडकर जयंती पर विशेष)

सामाजिक क्रान्ति के महानायक डॉ. अम्बेडकर का जीवन संघर्षों का महाकाव्य है जिसने इन्सानियत को सही अर्थों में समझा और मानवीय गरिमा के इतिहास को गौरान्वित किया। मध्य भारत महू में 14 अप्रेल, 1891 को अछूत महार जाति में जन्में डॉ. भीमराव अम्बेडकर भारतीय समाज के तलस्पर्शी अध्येता थे जिन्होंने गैर बराबरी, जातीय भेदभाव, छुआछूत, अन्याय, शोषण, दमन, घृणा, तिरस्कार, घोर अभावों और वेदना की पराकाष्ठा की भट्टी में तपकर सतह से शिखर की ऊंचाई को स्पर्श किया। उनका नाम प्रत्येक वंचित के मन में स्पन्दन पैदा करता है। महाचेता डॉ. अम्बेडकर ने निष्प्राण सामाजिक जीवन को जड़मूल से उखाड़कर लोकतांत्रिक आधार पर पुर्नगठित करने का संकल्प लेते हुए कहा कि ‍卐मैं अछूत हूँ, यह पाप है। लोग अछूतों को पशुओं से भी गया बीता समझते हैं। वे कुत्ते बिल्ली तो छू सकते हैं परंतु अछूत को नहीं। किसने बनाई है छुआछूत की व्यवस्था? किसने बनाया है किसी को नीच, किसी को ऊंच? भगवान ने? हरगिज़ नहीं! वह ऐसा नहीं करेगा, वह सब को समान रूप से जन्म देता है। यह बुराई तो मनुष्य ने पैदा की है। मैं इसे समाप्त करके ही रहूंगा। डॉ. अम्बेडकर ने बचपन से ही मर्मांतक पीड़ा को अनुभूत किया। एक दलित बालक जिसे बचपन में गाड़ियों से बाहर फेंका गया, विद्यालयों में बहिष्कृत किया गया, अछूत होने के कारण संस्कृत के अध्ययन से वंचित रखा गया, जिसे मटके से लेकर पानी पीने की मनाही हो, नाई जिसके बाल नहीं काटता हो, जिसे एक प्रोफेसर के रूप में सरेआम बेइज्जत किया, सार्वजनिक जलाशयों, होटलों, सेलूनों, मंदिरों से दुत्कारा गया हो, बम्बई जैसे महानगर में कोई रहने के लिए किराए से मकान देने को तैयार न हो, जो वकालत आरम्भ करे तो अछूत वकील को कोई केस देने को तैयार न हो। चपरासी तक दूर से ही उनकी मेज पर फाईलें फेंका करते हों , जिसे ब्रिटिश कठपुतली ओर दैत्य की संज्ञा दी गई वही अछूत बालक भीम संस्कृत के मूल वेदों और शास्त्रों का अध्ययन कर, पश्चिम में ज्ञान के विविध क्षेत्रों में अपनी विद्वता का लोहा मनवाकर भारतीय संविधान का मुख्य निर्माता बना। दरअसल सुविधाओं का रोना उन्होंने कभी नहीं रोया वरन् अर्थाभाव की अत्यन्त विषम स्थिति में भी अपने

इरादों की दृढता ओर संकल्पों को जीतने की भीष्म तूलिका से समाज में व्याप्त अनावश्यक ऊंचाईयों को उन्मूलित कर स्वतंत्रता, समानता और बन्धुता की बुनियाद पर नए मानवीय समाज की रचना की। बड़ौदा महाराज की सहायता से डॉ. अम्बेडकर ने कोलम्बिया विश्वविद्यालय, बॉन विश्वविद्यालय, जर्मनी ग्रेज-इन तथा लन्दन स्कूल ऑफ इकनॉमिक्स से उच्च अध्ययन किया। एमए, पीएचडी, डीएससी, एमएससी, बार एट लॉ तथा डी.लिट् की उपाधियॉ प्राप्त की। वे संभवत ़ अपने समय के सबसे ज्यादा पढे लिखे व्यक्ति थे फिर भी उनकी सामाजिक स्थिति में कोई बदलाव नहीं हुआ। इस दौरान उन्होंने पश्चिम के श्रेष्ठतम शैक्षिक मूल्यों को आत्मसात कर यह निश्चय किया कि वे भारत लौटने पर सोये हुये दलित समाज में मानवाधिकारों के प्रति व्यापक चेतना जागृत करेंगे। इस हेतु मूक नायक, बहिष्कृत भारत, प्रबुद्ध भारत तथा जनता समाचार पत्रों का संपादन किया। वे चाहते थे कि स्वाधीनता की रोशनी में दलितों के लिए अवसरों के द्वार समान रूप से खुले रहें। उन्होंने अपनी शक्ति को राजनीतिक आजादी के बजाय सामाजिक आजादी पर केन्द्रित किया। उनके मन में ज्ञान की तीव्र लालसा और अन्याय के प्रतिकार की प्रबल आंधी थी। हिन्दू समाज से निरन्तर उपेक्षा और अपमान की सौगातें मिलने पर भी उनका देशप्रेम किसी भी बड़े देशभक्त नेता से कम नहीं था। प्रथम गोलमेज सम्मेलन में डॉ. अम्बेडकर ने दृढ़ता के साथ दलितोत्थान के प्रति अंग्रेज राज की उदासीनता को रेखांकित करते हुए दलितों के आत्मसम्मान ओर उनके मानवाधिकारों का पक्ष समर्थन किया।तब गॉधी ने उन्हें उत्कृष्ट देशभक्त कहा।डॉ. अम्बेडकर ने पलटकर गॉधीजी से कहा ''आप कहते हैं कि मेरा स्वदेश है किन्तु मैं फिर भी दोहराता हूं कि मैं स्वदेश से वंचित हूं । मैं इस देश को कैसे अपना देश और इस धर्म को कैसे अपना धर्म कह सकता हूं जिसमें हमारे साथ कुत्तें, बिल्लियों से भी बदतर बर्ताव किया जाता है। जहॉ हमें पीने का पानी तक नहीं मिल पाता। कोई भी स्वाभिमानी अछूत इस देश पर गर्व नहीं कर सकता।'' वे नहीं चाहते थे कि नेतृत्व आवाम को पशुओं की तरह हांके। डॉ. अम्बेडकर ने शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो का अदभुत मंत्र दिया। उन्होंने दलितों में हीन ग्रंथि दूर करने का एहसास जगाया कि वे किसी से भी कमतर नहीं है। पीपुल्स एजूकेशन सोसायटी, मिलिन्द कॉलेज और सिद्धार्थ कॉलेज की स्थापना कर दलित समाज में शिक्षा के प्रति चेतना जागृति की क्योंकि आत्मसम्मान मानवाधिकार तथा सामाजिक न्याय केवल मांगने से नहीं मिलते। इन्हेंक प्राप्त करने के लिए स्वयं को काबिल बनाना पड़ता है। जिसकी बुद्धि गुलाम है वह कभी आजाद नहीं हो सकता। शिक्षा आदमी को इन्सान बनाती है। अपने आप पर भरोसा करना सिखाती है न कि देवी-देवताओं पर। किन्तु दुर्भाग्य से उनके प्रेरक संदेश को विस्मृत कर उन्हें विलक्षण प्रतिभा से पत्थर की प्रतिमा में तब्दील किया जा रहा है। बीसवीं सदी के मानवाधिकारों के श्रेष्ठतम प्रवक्ता डॉ. अम्बेडकर सदैव सवर्णों और निम्न जातियों के मध्य समानता समरसता लाने के लिए आंदोलित रहे। अछूतोद्धार के लिए महाद चवदार तालाब, मनुस्मृति दहन तथा कालाराम मंदिर प्रवेश सत्याग्रह प्रारंभ किए थे, किन्तु सवर्णों के चवदार तालाब को शुद्ध करने के कर्मकाण्ड से वे अत्यन्त उद्विग्न हुए। अतः मंदिर प्रवेश की लड़ाई के प्रति अनास्था व्यक्त करते हुए कहा कि अस्पृश्यता हिन्दू धर्म पर नहीं हम पर कलंक है। उसे धोने का पवित्र कार्य हम करेंगे। डॉ. अम्बेडकर मूलत ़ महान अर्थशास्त्री थे और सामाजिक अनर्थ को मानवीय अर्थ देने की उनमें अद्भूत क्षमता थी।

सू-दोकू नवताल -2091

4			9		6	1		8
6	8							
	1	7	3	8		4		
3	4		6		7			9
5		1	8			2		7
2			5		1		8	4
		3		7	5	8	6	
							9	5
7		6	2		8			1

सू-दोकू - 2090 का हल

2	9	8	3	5	6	1	7	4
4	5	3	2	1	7	9	8	6
7	1	6	4	8	9	2	5	3
8	2	5	6	9	1	3	4	7
3	6	4	7	2	5	8	1	9
1	7	9	8	3	4	5	6	2
5	4	1	9	7	2	6	3	8
6	3	2	1	4	8	7	9	5
9	8	7	5	6	3	4	2	1

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2091

बायें से दायें:-

1. फिल्म 'लगे रहो मुन्ना भाई' में संजय दत्त के साथ नायिका कौन थी-2,3
4. बॉबी देओल, करिश्मा कपूर की 'तुम क्या जानो दिल करता' गीत वाली फिल्म-3
6. अजय देवगन, अभिषेक, बिपाशा बसु की फिल्म-3
8. मोहित अहलावत, निशा कोठारी की 'कैसे कहें तम्हें कैसे कहें' गीत वाली फिल्म-2
9. सैफअली खान,काजोल की फिल्म-3
10. फिल्म 'विक्टोरिया नं.203' में ओम पुरी के किरदार का नाम-2
11. शाहरुख, चंद्रचूड़ सिंह, ऐश्वर्या राय, प्रिया गिल की फिल्म-2
12. किरण झंजानी, गणेश यादव, प्रीति झंगियानी, ईशा कोप्पिकर, तारा शर्मा की 'मेहंदी लाया साजन मेरा' गीत वाली फिल्म-3
14. फिल्म 'घातक' में सनी देओल के किरदार का नाम-2
16. 'देखो देखो जानम हम' गीत वाली फिल्म-2
18. विनोद खन्ना, डिम्पल की फिल्म-3
21. देव आनंद, मधुबाला की फिल्म-3
22. 'सात सहेलियां खड़ी खड़ी' गीत वाली फिल्म-3
23. गोविंदा, सोनम की 'रेशम जैसा रंग देखो' गीत वाली फिल्म-2
26. बॉबी देओल, अक्षय खन्ना, उर्वशी शर्मा की फिल्म-3
28. अजय देवगन, जूही चावला की 'लाल लाल होंठों पे' गीतवाली फिल्म-4
31. मिथुन, स्वाति, मानवी गोस्वामी की फिल्म-2
32. अजय देवगन, आयशा टाकिया की फिल्म-3
33. राजेंद्र कुमार, कामिनी कदम की 'हाथों में किताब है' गीत वाली फिल्म-3
34. फिल्म 'ओ डार्लिंग ये है इंडिया' में 'मिस इंडिया' कौन बनी-2

ऊपर से नीचे:-

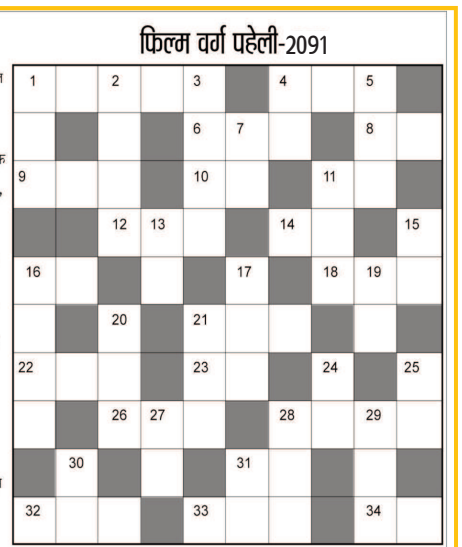

1. शाहिद कपूर, अमृता राव की 'मिलन अभी अधूरा है' गीत वाली फिल्म-3
2. 'कहना है जो दिल से कहो' गीत वाली शाहरुख खान, ट्विंकल खन्ना की फिल्म-4
3. राजेश खन्ना, श्रीदेवी, स्मिता पाटिल की 'इससे पहले कि याद तू आए' गीत वाली फिल्म-4
4. 'खेलो रंग हमारे संग' गीत वाली दिलीप कुमार, निम्मी की फिल्म-2
5. परदेसी अनजाने से लगते हैं' गीत वाली फिल्म-3
7. फिल्म 'ईना मीना डीका' में जूही के किरदार का नाम-2
11. सनी, अनिल कपूर, श्रीदेवी,मीनाक्षी की फिल्म-3
13. बलराज साहनी, नूतन की फिल्म-2
15. शाहरुख, प्रियंका चोपड़ा की 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीत वाली फिल्म-2
16. 'धीरे धीरे इस दिल का' गीत वाली शाहिद कपूर और अमृता राव की फिल्म-2,2
17. 'तेरे बिन मैं कुछ नहीं' गीत वाली फिल्म-3
19. दिलीपकुमार, रेखा,ममता कुलकर्णी की फिल्म-2
20. शत्रुघ्न सिन्हा, शर्मिला टैगोर की फिल्म-3
21. 'मरना तेरी गली में जीना तेरी गली में' गीत वाली भारतभूषण, नूतन की फिल्म-3
24. ऋतिक रोशन, करिश्मा कपूर, नेहा की 'मैं नाचूं बिन पायल' गीत वाली फिल्म-2
25. 'ये दौलत भी ले लो ये शोहरत भी ले लो' गीत वाली कुमार गौरव, अनामिका पाल की फिल्म-2
27. अजय, जॉन, विवेक, लारा, एशा देओल की 'तौबा तौबा इश्क' गीत वाली फिल्म-2
28. 'जीवन भर ढूंढ़ा जिस को' गीत वाली नवीन निश्चल, आशा पारेख की फिल्म-3
29. 'दिल से तुझ को बेदिली है' गीतवाली फिल्म-3
30. सनी देओल, प्रीति जिंटा की फिल्म-2
31. 'बाबुल का ये घर बहना' गीत वाली मिथुन चक्रवर्ती, पद्मिनी कोल्हापुरी की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-2090

भारत रत्न बाबासाहेब

भारत के संविधान निर्माता.... दलितों व पिछड़ो के मसीहा... समाज सुधार के प्रेरक...

डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर (14 अप्रैल , 1891 – 6 दिसंबर, 1956) एक भारतीय विधिवेत्ता थे। वे एक बहुजन राजनीतिक नेता, और एक बौद्ध पुनरुत्थानवादी होने के साथ साथ, भारतीय संविधान के मुख्य वास्तुकार भी थे। उन्हें बाबासाहेब के नाम से भी जाना जाता है। इनका जन्म एक गरीब अस्पृश्य परिवार मे हुआ था। बाबासाहेब आंबेडकर ने अपना सारा जीवन हिंदू धर्म की चतुवर्ण प्रणाली, और भारतीय समाज में सर्वव्यापित जाति व्यवस्था के विरुद्ध संघर्ष में बिता दिया। हिंदू धर्म में मानव समाज को चार वर्णों में वर्गीकृत किया है। उन्हें बौद्ध महाशक्तियों के दलित आंदोलन को प्रारंभ करने का श्रेय भी जाता है। बाबासाहेब अम्बेडकर को भारत रत्न से भी सम्मानित किया गया है, जो भारत का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार है।

कई सामाजिक और वित्तीय बाधाएं पार कर, आंबेडकर उन कुछ पहले अछूतों मे से एक बन गये जिन्होने भारत में कॉलेज की शिक्षा प्राप्त की। आंबेडकर ने कानून की उपाधि प्राप्त करने के साथ ही विधि, अर्थशास्त्र व राजनीतिक विज्ञान में अपने अध्ययन और अनुसंधान के कारण कोलंबिया विश्वविद्यालय और लंदन स्कूल ऑफ इकॉनॉमिक्स से कई डॉक्टरेट डिग्रियां भी अर्जित कीं। आंबेडकर वापस अपने देश एक प्रसिद्ध विद्वान के रूप में लौट आए और इसके बाद कुछ साल तक उन्होंने वकालत का अभ्यास किया। इसके बाद उन्होंने कुछ पत्रिकाओं का प्रकाशन किया, जिनके द्वारा उन्होंने भारतीय अस्पृश्यों के राजनैतिक अधिकारों और सामाजिक स्वतंत्रता की वकालत की। डॉ. आंबेडकर को भारतीय बौद्ध भिक्कू ने बोधिसत्व की उपाधि प्रदान की है।

प्रारंभिक जीवन

भीमराव रामजी आंबेडकर का जन्म ब्रिटिशों द्वारा केन्द्रीय प्रांत (अब मध्य प्रदेश में) में स्थापित नगर व सैन्य छावनी मऊ में हुआ था।[1] वे रामजी मालोजी सकपाल और भीमाबाई मुरबादकर की 14 वीं व अंतिम संतान थे।[2] उनका परिवार मराठी था और वो अंबावडे नगर जो आधुनिक महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले मे है, से संबंधित था। वे हिंदू महार जाति से संबंध रखते थे, जो अछूत कहे जाते थे और उनके साथ सामाजिक और आर्थिक रूप से गहरा भेदभाव किया जाता था। अम्बेडकर के पूर्वज लंबे समय तक ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी की सेना में कार्यरत थे, और उनके पिता,भारतीय सेना की मऊ छावनी में सेवा में थे और यहां काम करते हुये वो सूबेदार के पद तक पहुँचे थे। उन्होंने मराठी और अंग्रेजी में औपचारिक शिक्षा की डिग्री प्राप्त की थी। उन्होने अपने बच्चों को स्कूल में पढने और कड़ी मेहनत करने के लिये हमेशा प्रोत्साहित किया।

कबीर पंथ से संबंधित इस परिवार में, रामजी सकपाल, अपने बच्चों को हिंदू ग्रंथों को पढ़ने के लिए, विशेष रूप से महाभारत और रामायण प्रोत्साहित किया करते थे। उन्होने सेना मे अपनी हैसियत का उपयोग अपने बच्चों को सरकारी स्कूल से शिक्षा दिलाने मे किया, क्योंकि अपनी जाति के कारण उन्हें इसके लिये सामाजिक प्रतिरोध का सामना करना पड़ रहा था। स्कूली पढ़ाई में सक्षम होने के बावजूद आंबेडकर और अन्य अस्पृश्य बच्चों को विद्यालय मे अलग बिठाया जाता था और अध्यापकों द्वारा न तो ध्यान ही दिया जाता था, न ही कोई सहायता दी जाती थी। उनको कक्षा के अन्दर बैठने की अनुमति नहीं थी, साथ ही प्यास लगने प ?र कोई ऊँची जाति का व्यक्ति ऊँचाई से पानी उनके हाथों पर पानी डालता था, क्योंकि उनको न तो पानी, न ही पानी के पात्र को स्पर्श करने की अनुमति थी। लोगों के मुताबिक ऐसा करने से पात्र और पानी दोनों अपवित्र हो जाते थे। आमतौर पर यह काम स्कूल के चपरासी द्वारा किया जाता था जिसकी अनुपस्थिति में बालक आंबेडकर को बिना पानी के ही रहना पड़ता था। 1894 मे रामजी सकपाल सेवानिवृत्त हो जाने के बाद सपरिवार सतारा चले गए और इसके दो साल बाद, अम्बेडकर की मां की मृत्यु हो गई। बच्चों की देखभाल उनकी चाची ने कठिन परिस्थितियों में रहते हुये की। रामजी सकपाल के केवल तीन बेटे, बलराम, आनंदराव और भीमराव और दो बेटियाँ मंजुला और तुलासा ही इन कठिन हालातों मे जीवित बच पाये। अपने भाइयों और बहनों मे केवल अम्बेडकर ही स्कूल की परीक्षा में सफल हुए और इसके बाद बड़े स्कूल मे जाने में सफल हुये। अपने एक देशस्त ब्राह्मण शिक्षक महादेव अम्बेडकर जो उनसे विशेष स्नेह रखते थे के कहने पर अम्बेडकर ने अपने नाम से सकपाल हटाकर अम्बेडकर जोड़ लिया जो उनके गांव के नाम 卐अंबावडे卐 पर आधारित था।

रामजी सकपाल ने 1898 मे पुनर्विवाह कर लिया और परिवार के साथ मुंबई (तब बंबई)चले आये। यहाँ अम्बेडकर एल्फिंस्टोन रोड पर स्थित गवर्न्मेंट हाई स्कूल के पहले अछूत छात्र बने।[3] पढ़ाई में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के बावजूद, अम्बेडकर लगातार अपने विरुद्ध हो रहे इस अलगाव और, भेदभाव से व्यथित रहे। 1907 में मैट्रिक परीक्षा पास करने के बाद अम्बेडकर ने बंबई विश्वविद्यालय में प्रवेश लिया और इस तरह वो भारत में कॉलेज में प्रवेश लेने वाले पहले अस्पृश्य बन गये। उनकी इस सफलता से उनके पूरे समाज मे एक खुशी की लहर दौड़ गयी , और बाद में एक सार्वजनिक समारोह उनका सम्मान किया गया इसी समारोह में उनके एक शिक्षक कृष्णजी अर्जुन केलूसकर ने उन्हें महात्मा बुद्ध की जीवनी भेंट की, श्री केलूसकर, एक मराठा जाति के विद्वान थे। अम्बेडकर की सगाई एक साल पहले हिंदू रीति के अनुसार दापोली की, एक नौ वर्षीय लड़की, रमाबाई से तय की गयी थी।[3] 1908 में, उन्होंने एलिफिंस्टोन कॉलेज में प्रवेश लिया और बड़ौदा के गायकवाड़ शासक सहयाजी राव तृतीय से संयुक्त राज्य अमेरिका मे उच्च अध्धयन के लिये एक पच्चीस रुपये प्रति माह का वजीफा प्राप्त किया। 1912 में उन्होंने राजनीतिक विज्ञान और अर्थशास्त्र में अपनी डिग्री प्राप्त की, और बड़ौदा राज्य सरकार की नौकरी को तैयार हो गये। उनकी पत्नी ने अपने पहले बेटे यशवंत को इसी वर्ष जन्म दिया। अम्बेडकर अपने परिवार के साथ बड़ौदा चले आये पर जल्द ही उन्हें अपने पिता की बीमारी के चलते बंबई वापस लौटना पडा, जिनकी मृत्यु 2 फरवरी 1913 को हो गयी।

छुआछूत के विरुद्ध संघर्ष

भारत सरकार अधिनियम 1919, तैयार कर रही साउथबोरोह समिति के समक्ष, भारत के एक प्रमुख विद्वान के तौर पर अम्बेडकर को गवाही देने के लिये आमंत्रित किया गया। इस सुनवाई के दौरान, अम्बेडकर ने दलितों और अन्य धार्मिक समुदायों के लिये पृथक निर्वाचिका और आरक्षण देने की वकालत की। 1920 में, बंबई में, उन्होंने साप्ताहिक मूकनायक के प्रकाशन की शुरूआत की। यह प्रकाशन जल्द ही पाठकों मे लोकप्रिय हो गया, तब्, अम्बेडकर ने इसका इस्तेमाल रूढ़िवादी हिंदू राजनेताओं व जातीय भेदभाव से लड़ने के प्रति भारतीय राजनैतिक समुदाय की अनिच्छा की आलोचना करने के लिये किया। उनके दलित वर्ग के एक सम्मेलन के दौरान दिये गये भाषण ने कोल्हापुर राज्य के स्थानीय शासक शाहू चतुर्थ को बहुत प्रभावित किया, जिनका अम्बेडकर के साथ भोजन करना रूढ़िवादी समाज मे हलचल मचा गया। अम्बेडकर ने अपनी वकालत अच्छी तरह जमा ली, और बहिष्कृत हितकारिणी सभा की स्थापना भी की जिसका उद्देश्य दलित वर्गों में शिक्षा का प्रसार और उनके सामाजिक आर्थिक उत्थान के लिये काम करना था। सन् 1926 में, वो बंबई विधान परिषद के एक मनोनीत सदस्य बन गये। सन 1927 में डॉ. अम्बेडकर ने छुआछूत के खिलाफ एक व्यापक आंदोलन शुरू करने का फैसला किया। उन्होंने सार्वजनिक आंदोलनों और जुलूसों के द्वारा, पेयजल के सार्वजनिक संसाधन समाज के सभी लोगों के लिये खुलवाने के साथ ही उन्होनें अछूतों को भी हिंदू मंदिरों में प्रवेश करने का अधिकार दिलाने के लिये भी संघर्ष किया। उन्होंने महड में अस्पृश्य समुदाय को भी शहर की पानी की मुख्य टंकी से पानी लेने का अधिकार दिलाने कि लिये सत्याग्रह चलाया।

1 जनवरी 1927 को डॉ अम्बेडकर ने द्वितीय आंग्ल – मराठा युद्ध, की कोरेगाँव की लड़ाई के दौरान मारे गये भारतीय सैनिकों के सम्मान में कोरेगाँव विजय स्मारक मे एक समारोह आयोजित किया। यहाँ महार समुदाय से संबंधित सैनिकों के नाम संगमरमर के एक शिलालेख पर खुदवाये। 1927 में, उन्होंने अपना दूसरी पत्रिका बहिष्कृत भारत शुरू की, और उसके बाद रीक्रिश्टेन्ड जनता की। उन्हें बॉंबे प्रेसीडेंसी समिति मे सभी यूरोपीय सदस्यों वाले साइमन आयोग 1928 में काम करने के लिए नियुक्त किया गया। इस आयोग के विरोध मे भारत भर में विरोध प्रदर्शन हुये, और जबकि इसकी रिपोर्ट को ज्यादातर भारतीयों द्वारा नजरअंदाज कर दिया गया, डॉ अम्बेडकर ने अलग से भविष्य के संवैधानिक सुधारों के लिये सिफारिशों लिखीं।

संविधान निर्माण

अपने विवादास्पद विचारों, और गांधी और कांग्रेस की कटु आलोचना के बावजूद अम्बेडकर की प्रतिष्ठा एक अद्वितीय विद्वान और विधिवेत्ता की थी जिसके कारण जब, 15 अगस्त, 1947 में भारत की स्वतंत्रता के बाद, कांग्रेस के नेतृत्व वाली नई सरकार अस्तित्व मे आई तो उसने अम्बेडकर को देश का पहले कानून मंत्री के रूप में सेवा करने के लिए आमंत्रित किया, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया। 29 अगस्त 1947 को, अम्बेडकर को स्वतंत्र भारत के नए संविधान की रचना कि लिए बनी के संविधान मसौदा समिति के अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया। अम्बेडकर ने मसौदा तैयार करने के इस काम मे अपने सहयोगियों और समकालीन प्रेक्षकों की प्रशंसा अर्जित की। इस कार्य में अम्बेडकर का शुरुआती बौद्ध संघ रीतियों और अन्य बौद्ध ग्रंथों का अध्ययन बहुत काम आया।

संघ रीति मे मतपत्र द्वारा मतदान, बहस के नियम, पूर्ववर्तिता और कार्यसूची के प्रयोग, समितियाँ और काम करने के लिए प्रस्ताव लाना शामिल है। संघ रीतियाँ स्वयं प्राचीन गणराज्यों जैसे शाक्य और लिच्छवि की शासन प्रणाली के निदर्श (मॉडल) पर आधारित थीं। अम्बेडकर ने हालांकि उनके संविधान को आकार देने के लिए पश्चिमी मॉडल इस्तेमाल किया है पर उसकी भावना भारतीय है।

अम्बेडकर द्वारा तैयार किया गया संविधान पाठ मे संवैधानिक गारंटी के साथ व्यक्तिगत नागरिकों को एक व्यापक श्रेणी की नागरिक स्वतंत्रताओं की सुरक्षा प्रदान की जिनमें, धार्मिक स्वतंत्रता, अस्पृश्यता का अंत और सभी प्रकार के भेदभावों को गैर कानूनी करार दिया गया। अम्बेडकर ने महिलाओं के लिए व्यापक आर्थिक और सामाजिक अधिकारों की वकालत की, और अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लोगों के लिए सिविल सेवाओं, स्कूलों और कॉलेजों की नौकरियों मे आरक्षण प्रणाली शुरू के लिए सभा का समर्थन भी हासिल किया, भारत के विधि निर्माताओं ने इस सकारात्मक कार्यवाही के द्वारा दलित वर्गों के लिए सामाजिक और आर्थिक असमानताओं के उन्मूलन और उन्हे हर क्षेत्र मे अवसर प्रदान कराने की चेष्टा की जबकि मूल कल्पना मे पहले इस कदम को अस्थायी रूप से और आवश्यकता के आधार पर शामिल करने की बात कही गयी थी. 26 नवंबर, 1949 को संविधान सभा ने संविधान को अपना लिया। अपने काम को पूरा करने के बाद, बोलते हुए, अम्बेडकर ने कहा =

मैं महसूस करता हूं कि संविधान, साध्य (काम करने लायक) है, यह लचीला है पर साथ ही यह इतना मज़बूत भी है कि देश को शांति और युद्ध दोनों के समय जोड़ कर रख सके। वास्तव में, मैं कह सकता हूँ कि अगर कभी कुछ गलत हुआ तो इसका कारण यह नही होगा कि हमारा संविधान खराब था बल्कि इसका उपयोग करने वाला मनुष्य अधम था।

1951 मे संसद में अपने हिन्दू कोड बिल के मसौदे को रोके जाने के बाद अम्बेडकर ने मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया इस मसौदे मे उत्तराधिकार, विवाह और अर्थव्यवस्था के कानूनों में लैंगिक समानता की मांग की गयी थी। हालांकि प्रधानमंत्री नेहरू, कैबिनेट और कई अन्य कांग्रेसी नेताओं ने इसका समर्थन किया पर संसद सदस्यों की एक बड़ी संख्या इसके खिलाफ़ थी। अम्बेडकर ने 1952 में लोक सभा का चुनाव एक निर्दलीय उम्मीदवार के रूप मे लड़ा पर हार गये। मार्च 1952 मे उन्हें संसद के ऊपरी सदन यानि राज्य सभा के लिए नियुक्त किया गया और इसके बाद उनकी मृत्यु तक वो इस सदन के सदस्य रहे।

देश में अलग-अलग जाति नहीं सिर्फ इंसान रहें

भारतीय संस्कृति को अक्षुण्ण रखते हुए देश और समाज में दलितों का सम्मान बढ़े और उन्हें वांछित अधिकार मिल सकें- यही चाहते थे डा. अंबेदकर।

स्वतंत्रता प्राप्ति में बड़े-बड़े नेताओं की अपनी भूमिका रही है, लेकिन सामाजिक न्याय के संदर्भ में डा. भीमराव अंबेदकर का योगदान भुलाया नहीं जा सकता। डा. अंबेदकर का जीवन संघर्षों का एक सफरनामा है। इतने पढ़े-लिखे होने के बावजूद एक गरीब परिवार में जन्म लेने के कारण उन्हें अनेक मुश्किलों का सामना करना पड़ा। कांशीराम और मायावती जैसे राजनेताओं ने दलितों के आंदोलन को नई दिशा देने का हश्वयास किया। काफी हद तक वे कामयाब भी रहे, लेकिन अंबेदकर का दृष्टिकोण इनसे पृथक था। उन्होंने अपने विचार और कार्यशैली से किसी भी स्तर पर दलित समाज को जो दिया, वैसा योगदान राष्ट्रहित को दृष्टिगत रखते हुए कोई नहीं दे सकता। वे चाहते थे कि भारतीय संस्कृति को अक्षुण्ण रखते हुए देश और समाज में दलितों का सम्मान बढ़े और उन्हें वांछित अधिकार मिल सकें।

अंततः डा. अंबेदकर का संघर्ष रंग लाया। दलित कामयाबी की राह पर अग्रसर हुआ। शिखर पर पहुंचा, लेकिन धीरे-धीरे दलित आंदोलन में भटकाव आया। वह सामाजिक परिवर्तन को ताक पर रखकर समानता, भाईचारा और दलित आंदोलन को भूल बैठा और अवसरवादी समझौते करते हुए टुकड़ों में बंटता गया। इसके बावजूद दलित स्वर मुखर एवं देश की भागीदारी में शिखर स्वर है। अभी भी दलितों में राजनीतिक इच्छाशा त का अभाव है। अन्य वर्गों की दलितों के प्रति सहानुभूति कभी परिलक्षित नहीं हुई। आज का दलित नेतृत्व भी मनोवैज्ञानिक पीड़ा, सामाजिक शोषण, आर्थिक दुर्दशा और मानसिक उत्पीड़न का शिकार है। ऐसे में कैसे अपेक्षा करें कि दलित अपनी अस्मिता को बचाकर रख सकता है? दलित अलग-अलग प्रतिध्रुव बना रहे हैं। दलित ही आपस में कई फाकों में विभ त हैं, योंकि आज की विषम परिस्थितियों में दलित नेतृत्व के पास न तो वैचारिक सोच है, न ही सामाजिक ढांचे को मापदंड में लाने का पैमाना जो डा. अंबेदकर की सोच को अंजाम दे सके। अंग्रेजों के शासनकाल में देश में 2000 जातियां थीं। इस कारण नेतृत्व में डा. अंबेदकर सबल थे। आज जातियां बंटकर 4000 हो गई हैं। कहने का भाव यह है कि उतने ही संवेग में दलितों को संघर्ष करना होगा, तभी इसका लाभ मिल सकेगा। इसीलिए अंबेदकर चाहते थे कि देश में जाति न रहे, ईसान रहे। फरवरी 1933 में इंग्लैंड के गार्जियन समाचार पत्र और अमरीका के न्यूयार्क टाइ स के प्रतिनिधि भारतीय नेताओं का इंटरव्यू लेने आए। गांधी, जिन्ना और डा. अंबेदकर ने उन्हें मिलने का अलग-अलग समय दिया। रात्रि नौ बजे से 11 बजे के बीच समय दिए जाने के बावजूद गांधी और जिन्ना सोए हुए मिले। दो बजे दोनों संवाददाता डा. अंबेदकर के पास पहुंचे। उन्होंने प्रश्न किया कि आप इतनी रात तक जाग रहे हैं, जबकि गांधी और जिन्ना तो हमें सोए हुए मिले। डा. अंबेदकर ने बड़े ही सहज भाव सें उत्तर दिया कि वे सोए हुए हैं, क्योंकि उनका समाज जाग रहा है और मैं इसलिए जाग रहा हूं क्योंकि मेरा समाज सोया हुआ है। वे अनभिज्ञ हैं, वे उनकी तरह जागरूक नहीं हैं। कहने का आशय है कि डा. अंबेदकर के विचारों के अनुकूल दलित नेतृत्व को नई दिशा देने वाला सही कर्णधार अभी दलितों में नहीं आ सका है। डा. अंबेदकर ने अपनी भोगी हुई पीड़ा से दलितों को दूर रखा। वे स्कूल में पढ़ नहीं सके, लेकिन दलितों को शिक्षा के अधिकार दिलाए। जो उन्होंने महसूस किया, उससे दलितों को दो-चार नहीं होने दिया लेकिन अंबेदकर को मानने वालों से कैसा व्यवहार किया जाता है, यह सर्वविदित है। डा. अंबेदकर का कहना था कि हमारा राष्ट्र हजारों जातियों में बंटा हुआ है, इसलिए हम एक राष्ट्र नहीं हो सकते। जब तक वर्णवादी व्यवस्था, जातिवाद कायम है, दलितों का उत्पीड़न एवं अत्याचार कम नहीं हो सकते। इसी मुद्दे पर उन्होंने गांधी से बड़ी मुश्किल से समझौता किया।

अंबेदकर की सोच थी कि संगठित होकर ही दलित सरकार बना सकते हैं, क्योंकि सुखभोगी सभी वर्ग अलग-अलग धर्मों में विभ त हैं। आज भी अनुसूचित वर्ग संगठित नहीं है, इसलिए तीसरी ताकत का गठन नहीं हो पा रहा है। कांशीराम के प्रयासों से दलित न केवल सत्ता में आए, बल्कि राष्ट्र की मुज्यधारा में भी शामिल हो गए, लेकिन उनके मु ति के द्वार नहीं खुले। यही कारण है कि दलित वर्ग सामाजिक एवं आर्थिक क्षेत्र में व्याप्त अंतर्विरोधों को कम नहीं कर सका और कष्ट भोगने को मजबूर है। बाबासाहब अंबेदकर ने दलितों को शिक्षा, संगठन और संघर्ष का नारा दिया। डा. अंबेदकर को कानूनमंत्री से नवाजे जाने का श्रेय केवल उनकी काबिलियत को जाता है। उन्हें जहां भी अवसर मिला वह दलित विकास की संरचना लागू करते गए। चाहे वह समय गोलमेज परिषद का हो, संविधान निर्माण की बात हो या गांधी से टकराव हो। वे जानते थे कि किसी भी पार्टी के साथ गठबंधन कर वे दलितों का विकास नहीं कर सकते। आज भी दलित निष्ठावश डा. अंबेदकर का दिली स मान करते हैं किंतु वोट दूसरी पार्टी को देते हैं। दलित इस बात को अच्छी तरह जानते हैं कि आज नहीं तो कल यह ब्राह्मणवादी और दलित गठबंधन सभी को दिखाई देगा। इसलिए वे न तो बसपा को वोट देते हैं, न मायावती को, वे तो बाबा साहब के अहसानों को चुकाने के लिए विवश हैं। डा. अंबेदकर द्वारा निर्मित प्रावधानिक संविधान के उपभोग करने के बाद दलितों ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा कि उनका समाज कहां है, इसलिए दलित राजनीति दिशाहीन हो गई है।

बौद्ध धर्म मे परिवर्तन

सन् 1950 के दशक में अम्बेडकर बौद्ध धर्म के प्रति आकर्षित हुए और बौद्ध भिक्षुओं व विद्वानों के एक सम्मेलन में भाग लेने के लिए श्रीलंका(तब सीलोन) गये। पुणे के पास एक नया बौद्ध विहार को समर्पित करते हुए, अम्बेडकर ने घोषणा की कि वे बौद्ध धर्म पर एक पुस्तक लिख रहे हैं, और जैसे ही यह समाप्त होगी वो औपचारिक रूप से बौद्ध धर्म अपना लेंगे।[9] 1954 में अम्बेडकर ने बर्मा का दो बार दौरा किया; दूसरी बार वो रंगून मे तीसरे विश्व बौद्ध फैलोशिप के सम्मेलन में भाग लेने के लिए गये। 1955 में उन्होने भारतीय बुद्ध महासभा या बौद्ध सोसाइटी ऑफ इंडिया की स्थापना की। उन्होंने अपने अंतिम लेख, द बुद्ध एंड हिज् धम्म को 1956 में पूरा किया। यह उनकी मृत्यु के पश्चात प्रकाशित हुआ। 14 अक्टूबर 1956 को नागपुर में अम्बेडकर ने खुद और उनके समर्थकों के लिए एक औपचारिक सार्वजनिक समारोह का आयोजन किया. अम्बेडकर ने एक बौद्ध भिक्षु से पारंपरिक तरीके से तीन रत्न ग्रहण और पंचशील को अपनाते हुये बौद्ध धर्म ग्रहण किया। इसके बाद उन्होने एक अनुमान के अनुसार लगभग 500000 समर्थको को बौद्ध धर्म मे परिवर्तित किया।[9] नवयान लेकर अम्बेडकर और उनके समर्थकों ने हिंदू धर्म और हिंदू दर्शन की स्पष्ट निंदा की और उसे त्याग दिया। इसके बाद वे नेपाल में चौथे विश्व बौद्ध सम्मेलन मे भाग लेने के लिए काठमांडू गये। उन्होंने अपनी अंतिम पांडुलिपि बुद्ध या कार्ल मार्क्स को 2 दिसंबर 1956 को पूरा किया।

डा बी.आर. अम्बेडकर ने दीक्षा भूमि, नागपुर, भारत में ऐतिहासिक बौद्ध धर्म में परिवर्तन के अवसर पर,15 अक्टूबर 1956 को अपने अनुयायियों के लिए 22 प्रतिज्ञाएँ निर्धारित कीं.800000 लोगों का बौद्ध धर्म में रूपांतरण ऐतिहासिक था क्योंकि यह विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक रूपांतरण था.उन्होंने इन शपथों को निर्धारित किया ताकि हिंदू धर्म के बंधनों को पूरी तरह पृथक किया जा सके.ये 22 प्रतिज्ञाएँ हिंदू मान्यताओं और पद्धतियों की जड़ों पर गहरा आघात करती हैं. ये एक सेतु के रूप में बौद्ध धर्म की हिन्दू धर्म में व्याप्त भ्रम और विरोधाभासों से रक्षा करने में सहायक हो सकती हैं.इन प्रतिज्ञाओं से हिन्दू धर्म,जिसमें केवल हिंदुओं की ऊंची जातियों के संवर्धन के लिए मार्ग प्रशस्त किया गया, में व्याप्त अंधविश्वासों, व्यर्थ और अर्थहीन रस्मों, से धर्मान्तरित होते समय स्वतंत्र रहा जा सकता है.

सरसों के रेकॉर्ड पैदावार से कीमत में आई नरमी

नई दिल्ली ।

देसी बाजारों में सरसों तेल की कीमत घट रही है। वहीं घरेलू खाद्य तेलों ने अंतरराष्ट्रीय खाद्य तेलों की आवक पर दबाव बना दिया है। ऐसा सरसों की रेकॉर्ड पैदावार होने से हुआ है। मार्च में 16 लाख टन सरसों की पेराई हुई है। दिल्ली वेजिटेबल ऑयल ट्रेडर्स एसोसिएशन के मुताबिक इस साल देश में करीब 110 लाख टन सरसों की फसल हुई है। वहीं 16 लाख टन सरसों की पेराई पिछले महीने हुई, जिसमें करीब साढ़े 5 लाख टन तेल निकला। इस महीने 11 लाख टन सरसों की आवक हुई है। हालांकि, अभी मंडियों में उम्मीद के मुताबिक सरसों नहीं आ रही है। इसके पीछे बड़ी वजह यह है कि किसान अभी जरूरत के मुताबिक ही सरसों बेच रहे हैं। उन्हें लगता है कि अभी सरसों का दाम बढ़ेगा, तब ऊंचे रेट में फसल बेचेंगे। बताया जा रहा है कि देश में सरसों, सोयाबीन, पामोलीन की पर्याप्त उपलब्धता है। क्रूड पाम ऑयल इंडोनेशनिया और मलेशिया से आ रहा है। ब्राजील और अर्जेंटीना से सोयाबीन का तेल आ रहा है। अगले दो-तीन महीने बाजार में सरसों का दबाव रहेगा। हर साल आम लोगों से लेकर ट्रेडर्स भी इन दिनों में सरसों के तेल का स्टॉक करते हैं, क्योंकि तेल लंबे समय तक सही रहता है।

सीजन में किफायती दामों में तेल मिल जाता है। मलेशिया और शिकागो एक्सचेंज में तेजी के कारण सोयाबीन तेल और सीपीओ एवं पामोलीन तेल कीमतों में सुधार आया। सूत्रों ने कहा कि आयातित तेलों के मुकाबले देसी तेल कहीं सस्ते हैं। सरसों तेल, थोक भाव से 148 रुपए किलो में बैठता है। इसका खुदरा भाव अधिकतम 155-160 रुपए लीटर (एक लीटर में 912 ग्राम तेल) से अधिक नहीं बैठना चाहिए। आयातित तेलों के मुकाबले देसी तेल 12-13 रुपए किलो सस्ते हैं। ऐसे में सरकार को अधिकतम खुदरा मूल्य पर अधिक ध्यान और निगरानी रखनी चाहिए, जिससे उपभोक्ताओं को खाद्य तेल वाजिब दाम पर मिले।

टाटा रियल्टी की दो परियोजनाओं में 2,600 करोड़ निवेश करेगा सीपीपीआईबी

नई दिल्ली ।

कनाडा पेंशन योजना निवेश बोर्ड (सीपीपीआईबी) टाटा रियल्टी एंड इंफ्रास्ट्रक्चर की चेन्नई और गुरुग्राम स्थित दो वाणिज्यिक कार्यालय परियोजनाओं में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने के लिए 2,600 करोड़ रुपए निवेश करने की योजना बना रहा है। संयुक्त उद्यम भविष्य में भूमि और तैयार संपत्ति खरीदने के लिए 2,000 करोड़ रुपए और निवेश करेगा। टाटा रियल्टी एंड इंफ्रास्ट्रक्चर के एमडी और सीईओ संजय दत्त ने कहा कि कंपनी ने वाणिज्यिक अचल संपत्ति विकसित करने के लिए सीपीपीआईबी के साथ साझेदारी की है। हम अपने वाणिज्यिक रियल एस्टेट कारोबार को बढ़ाना चाहते हैं। हमने अगले 5-7 वर्षों में 4.5 करोड़ वर्ग फुट क्षेत्र के विकास का लक्ष्य तय किया है। कंपनी ने पहले ही 75 लाख वर्ग फुट का वाणिज्यिक पोर्टफोलियो पूरा कर लिया है, जबकि 1.4 करोड़ वर्ग फुट क्षेत्र डिजाइन और विकास के विभिन्न चरणों में है। उन्होंने कहा कि हम नई जमीन खरीदने के लिए कम से कम 2,000 करोड़ रुपए का निवेश करना चाहते हैं। इसके लिए हमने कनाडा पेंशन योजना निवेश बोर्ड के साथ साझेदारी की है। संपत्ति सलाहकार एनरॉक ने सौदे में मदद की। साझेदारी के तहत सीपीपीआईबी दो परियोजनाओं में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करेगा।

सेबी ने बीएसई और एनएसई पर लगाया 5 करोड़ का जुर्माना

नई दिल्ली ।

कार्वी स्टॉक ब्रोकिंग लिमिटेड घोटाले में लापरवाही बरतने के आरोप में अबाजार नियामक सेबी ने देश के दो प्रमुख स्टॉक एक्सचेंज बीएसई और एनएसई पर जुर्माना लगाया है। सेबी ने मंगलवार देर रात इस संबंध में ऑर्डर जारी किया है। अपने आदेश में सेबी ने कहा है कि बीएसई और एनएसई ने कार्वी स्टॉक ब्रोकिंग द्वारा ग्राहकों की सिक्योरिटीज के दुरुपयोग को रोकने के लिए सही समय पर कदम नहीं उठाया। साथ ही मामले की जांच में सुस्ती बरती। सेबी ने इसी वजह से जुर्माना लगाया है। सेबी ने आदेश में बीएसई पर 3 करोड़ रुपए और एनएसई पर 2 करोड़ रुपए जुर्माना लगाने की जानकारी दी है। ब्रोकरेज कंपनी कार्वी स्टॉक ब्रोकिंग पर 2,000 करोड़ रुपए के घोटाले का आरोप है। यह देश का अब तक का सबसे बड़ा इक्विटी ब्रोकर घोटाला है। सेबी के मुताबिक कार्वी स्टॉक ब्रोकिंग ने अपने ग्राहकों के खातों में रखे शेयर बेचकर 1,096 करोड़ रुपए समूह की अपनी दूसरी कंपनी कार्वी रियल्टी में ट्रांसफर कर दिए। शेयरों की यह बिक्री अप्रैल 2016 से दिसंबर 2019 के बीच की गई। यह घोटाला जब सामने आया तो सेबी ने इसकी जांच की। सेबी ने अपनी जांच की शुरुआत में कहा था कि ब्रोकरेज कंपनी ने ग्राहकों की सिक्योरिटीज का दुरुपयोग किया। ग्राहकों की जानकारी के बिना उनकी सिक्योरिटीज का दूसरे कामों में इस्तेमाल किया और ऐसे ट्रेड में शामिल हुआ, जिसकी अनुमति उसे नहीं दी गई थी। यह घोटाला सामने आने के बाद सेबी ने तत्काल प्रभाव से नए ग्राहकों को जोड़ने से कार्वी स्टॉक ब्रोकिंग को रोक दिया था।

क्रूड 110 डॉलर हुआ तो इसका बोझ आम लोगों को भी सहना होगाः सीईए

नई दिल्ली ।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 10 रुपए से ज्यादा की बढ़ोतरी के बाद कंपनियों ने अपने फिलहाल रोक लिए हैं। उपभोक्ताओं को मिली इस राहत के बीच मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) के बयान ने चिंताएं फिर बढ़ा दी हैं। सीईए वी अनंत नागेश्वरन ने कहा कि अगर वैश्विक बाजार में क्रूड ऑयल के दाम 110 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर जाते हैं तो इसका बोझ सरकार, तेल विपणन कंपनियों और उपभोक्ताओं को मिलकर उठाना होगा। अभी घरेलू बाजार में तेल की कीमतें इसलिए ज्यादा हैं क्योंकि विभिन्न कारणों से वैश्विक बाजार में सप्लाई पर असर पड़ा है और कंपनियां भी बाहर से महंगा तेल मंगा रही हैं। वैश्विक सप्लाई पर संकट की वजह से ये स्थितियां पैदा हुई हैं और इस महंगाई को झेलना किसी एक के बस की बात नहीं है। इसीलिए मैं कह रहा हूं कि अगर क्रूड के दाम 110 डॉलर के ऊपर बने रहे तो इसका बोझ सरकार के साथ तेल कंपनियों और आम लोगों को भी सहना होगा। सरकार भी अपनी तरफ से राहत देने की पूरी कोशिश करेगी और जिसमें टैक्स कटौती जैसे कदम भी शामिल हैं। मुख्य आर्थिक सलाहकार ने कहा कि पेट्रोल-डीजल पर सरकार की ओर से लिया जाने वाला टैक्स ज्यादा दूसरी राहत योजनाओं में इस्तेमाल हो रहा है। सरकार ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना का दायरा बढ़ाया है, ताकि देश के गरीबों-मजदूरों को मुफ्त राशन की सुविधा कुछ और समय तक दी जा सके।

एयरटेल मुश्किल जंग से लड़कर मजबूत होकर उभरीः मित्तल

नई दिल्ली । भारती एयरटेल के चेयरमैन सुनील मित्तल ने कहा कि उनकी कंपनी ने मुश्किल जंग लड़ी और इससे मजबूत होकर उभरी है। मित्तल ने हाल ही में ऑल इंडिया मैनेजमेंट एसोसिएशन (एआईएमए) के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि दूरसंचार उद्योग में पांच साल तक तूफान का दौर था। इस दौरान उद्योग की आमदनी घटी और कर्ज बढ़ा। ऐसे दौर में एयरटेल कठिन समय का मुकाबला करने के बाद एक मजबूत स्थिर संगठन के रूप में उभरी है। उन्होंने कहा कि पिछले चार-पांच साल में उद्योग का राजस्व नीचे आया और खर्च ऊंचा था। उन्होंने कहा कि एक भी साल ऐसा नहीं रहा है जब हमने तीन-चार अरब डॉलर खर्च नहीं किए हों। इस उद्योग ने हर साल 20,000 करोड़ रुपए से अधिक खर्च किए।

डीजीसीए ने स्पाइसजेट के 90 पायलटों के बोइंग 737 विमान उड़ाने पर लगाई रोक

नई दिल्ली ।

नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने स्पाइसजेट के 90 पायलटों के बोइंग 737 मैक्स विमान उड़ाने पर रोक लगा दी है। डीजीसीए ने इन पायलटों को ठीक से प्रशिक्षित न पाए जाने के बाद यह फैसला लिया है। डीजीसीए के प्रमुख अरुण कुमार ने कहा कि अभी के लिए हमने इन पायटलों के मैक्स विमान उड़ाने पर रोक लगा दी है। विमान उड़ाने के लिए इन्हें दोबारा सफलतापूर्वक प्रशिक्षण हासिल करना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि नियामक प्रशिक्षण में चूक के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगा। गौरतलब है कि डीजीसीए ने अदीस अबाबा के पास इथियोपियन एयरलाइंस के एक 737 मैक्स विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के तीन दिन बाद 13 मार्च 2019 को बोइंग 737 मैक्स विमानों के परिचालन पर रोक लगा दी थी। इस हादसे में चार भारतीयों सहित कुल 157 लोग मारे गए थे। हालांकि, डीजीसीए के अमेरिका की विमान निर्माता कंपनी बोइंग द्वारा विमान में सॉफ्टवेयर संबंधी जरूरी सुधार किए जाने से संतुष्ट होने के बाद पिछले वर्ष अगस्त में विमानों पर लगाई गई रोक हटा दी गई थी। स्पाइसजेट के प्रवक्ता ने इस बात की पुष्टि की कि डीजीसीए ने स्पाइसजेट के 90 पायलटों को मैक्स विमान उड़ाने से प्रतिबंधित कर दिया है। उन्होंने कहा कि स्पाइसजेट के 650 पायलट बोइंग 737 मैक्स उड़ाने के लिए प्रशिक्षित हैं। हालांकि डीजीसीए को 90 चालकों के प्रशिक्षण विवरण पर आपत्ति है। इसके बाद डीजीसीए की सलाह के अनुरूप स्पाइसजेट ने 90 पायलटों के बोइंग 737 मैक्स विमान उड़ाने पर रोक लगा दी है। प्रवक्ता के मुताबिक यह रोक तब तक प्रभावी रहेगी, जब तक ये पायलट डीजीसीए की संतुष्टि के स्तर का प्रशिक्षण नहीं प्राप्त कर लेते। हालांकि वे बोइंग 373 के अन्य विमान उड़ाने के लिए उपलब्ध रहेंगे। उन्होंने कहा कि इस प्रतिबंध से मैक्स विमान का संचालन प्रभावित नहीं होगा। स्पाइसजेट मौजूदा समय में 11 मैक्स विमानों का संचालन करती है। इन विमानों के संचालन के लिए कंपनी को करीब 144 पायलटों की जरूरत है। मैक्स विमान उड़ाने के लिए प्रशिक्षित 650 पायलट अभी भी उपलब्ध हैं। यह संख्या मौजूदा आवश्यकता से कहीं ज्यादा है।

भारत के विदेश मंत्री और अमेरिकी व्यापारिक प्रतिनिधि ने द्विपक्षीय व्यापार पर चर्चा की

यूक्रेन पर रूस के हमले के वैश्विक व्यापार तथा आर्थिक मामलों पर असर के बारे में चर्चा की गई

वाशिंगटन ।

अमेरिका की व्यापारिक प्रतिनिधि (यूएसटीआर) राजदूत कैथरीन ताई ने अमेरिका दौरे पर आए भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात की। उन्होंने भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार संबंधों और वर्तमान हालात के बारे में चर्चा की। जानकारी के मुताबिक इस बैठक में अमेरिका की उप व्यापारिक प्रतिनिधि सारा बिआंची भी शामिल हुईं। इस दौरान अमेरिका और भारत के बीच व्यापारिक संबंधों में आए हालिया परिवर्तनों के बारे में बात की गई और यूक्रेन पर रूस के हमले के वैश्विक व्यापार तथा आर्थिक मामलों पर असर के बारे में चर्चा की गई। जयशंकर और ताई ने राष्ट्रपति जो बाइडन की हिंद-प्रशांत आर्थिक रूपरेखा शुरू करने संबंधी पहल के बारे में भी विचारों का आदान-प्रदान किया। इस पहल का उद्देश्य आपूर्ति श्रृंखला जैसे अहम मुद्दों पर क्षेत्रीय आर्थिक सहयोग को मजबूत करना है। यूएसटीआर की ओर से कहा गया कि दोनों नेताओं का यह मानना था कि नवंबर 2021 में फिर से शुरू किया गया अमेरिका-भारत व्यापार नीति मंच (टीपीएफ) कृषि क्षेत्र समेत अन्य क्षेत्रों में द्विपक्षीय व्यापार का विस्तार करने और अवरोधकों को कम करने के लिहाज से लाभदायक है। अमेरिका की वाणिज्य मंत्री जीना रेईमोंडो ने भी विदेश मंत्री जयशंकर से मुलाकात की और द्विपक्षीय वाणिज्यिक संबंधों के बारे में बात की। रेईमोंडो ने भारत के साथ सरोकार निरंतर बनाए रखने में रूचि दिखाई। अमेरिका के वाणिज्य मंत्रालय की ओर से जारी विज्ञप्ति के मुताबिक वाणिज्य मंत्री ने अमेरिका-भारत सीईओ फोरम के बारे में जानकारी साझा की। यह भारत और अमेरिका के लिए वाणिज्यिक संबंधों को प्रगाढ़ करने और व्यापार में अवरोधकों को दूर करने के लिए एक अहम मंच है। अमेरिका के लिए वाणिज्यिक संबंधों को प्रगाढ़ करने और व्यापार में अवरोधकों को दूर करने के लिए एक अहम मंच है। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक वित्त वर्ष 2021-22 में अमेरिका ने भारत को 1.6 अरब डॉलर से अधिक के कृषि उत्पादों का निर्यात किया। 2020-21 में दोनों देशों के बीच कुल 80.5 अरब डॉलर का द्विपक्षीय कारोबार हुआ जबकि 2019-20 में 88.9 अरब डॉलर का द्विपक्षीय कारोबार हुआ था। भारत द्वारा 2020-21 में अमेरिका को 51.62 अरब डॉलर का निर्यात किया गया, 2019-20 में यह आंकड़ा 53 अरब डॉलर था। 2020-21 में भारत ने अमेरिका से 28.9 अरब डॉलर का आयात किया। 2020-21 में भारत ने अमेरिका से 28.9 अरब डॉलर का आयात किया। 2019-20 में यह आंकड़ा 35.9 अरब डॉलर था।

होंडा ने मार्च में बेचे 3,09,549 टू-व्हीलर्स

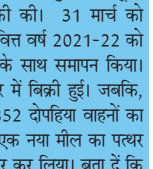

नई दिल्ली । मार्च 2022 की होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने सेल्स रिपोर्ट जारी कर दी है। मार्च महीने में कंपनी ने 3,09,549 टू-व्हीलर्स की भारतीय बाजार में बिक्री की। वहीं, इस दौरान कंपनी ने कुल 11,794 दोपहिया वाहनों का निर्यात किया। कुल बिक्री की बात करें तो होंडा ने पिछले महीने कुल (घरेलू + निर्यात) 3,21,343 दोपहिया वाहनों की बिक्री की। 31 मार्च को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष के लिए, कंपनी ने वित्त वर्ष 2021-22 को 37,99,680 दोपहिया वाहनों की कुल बिक्री के साथ समापन किया। इसमें 34,68,828 इकाइयों की भारतीय बाजार में बिक्री हुई। जबकि, 12 महीने की इस अवधि में कंपनी ने 3,30,852 दोपहिया वाहनों का निर्यात किया। होंडा शाइन ने भारतीय बाजार में एक नया मील का पत्थर हासिल करते हुए 1 करोड़ बिक्री का आंकड़ा पार कर लिया। बता दें कि होंडा टू-व्हीलर ने अपनी होंडा शाइन को साल 2006 में भारत में लॉन्च किया था। तब से अब तक में होंडा शाइन को 1 करोड़ भारतीय ग्राहकों ने खरीदा है। कंपनी के मुताबिक 125 सीसी सेगमेंट में यह पहली ऐसी बाइक है, जिसे 1 करोड़ ग्राहकों ने खरीदा है। यह होंडा की 125 सीसी सेगमेंट में बेस्ट सेलिंग बाइक है।बता दें कि पिछले वर्ष (एफवाय 20-21) में कंपनी 2,09,789 दोपहिया वाहनों का निर्यात किया था। ऐसे में पिछले वित्तीय वर्ष के निर्यात के मुकाबले इस वित्त वर्ष कंपनी के निर्यात में 58 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई।बता दें कि होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने भारतीय बाजार में पिछले 20 सालों में 5 करोड़ से अधिक दोपहिया वाहनों की बिक्री की है।

संक्षिप्त समाचार

नुबिया रेड मैजिक 7 प्रो को ग्लोबली लांच, हैंडसेंट को कूल रखने दिया गया फैन

मुंबई । नुबिया रेड मैजिक 7 प्रो को ग्लोबली लांच कर दिया गया है। गेमिंग स्मार्टफोन के तौर पर लांच किया गया है।हैंडसेट में स्पैनड्रैगन 8 जनरेशन 1 प्रोसेसर 16जीबी एलपीडीडीआर 5 रैम के साथ आता है। इसका प्राइमरी कैमरा 64-मेगापिक्सल का है। डुअल नैनो सिम पर चलने वाले नुबिया रेड मैजिक 7 प्रो में एड्रायड 12-बेस्ड बेस्ड रेड मैजिक ओएस 5.0 दिया गया है। इसमें 6.8-इंच की एमलोयड फुलएचडी प्लस स्क्रीन दी गई है। इसका रिफ्रेश रेट 120 एचजेड का है। इसमें डेडिकेटेड रेड कोर 1 गेमिंग चिप दिया गया है। इससे गेमिंग से जुड़े टास्ट जैसे ट्रिगल, साउंड, हैप्टिक फीडबैक और लाइटिंग इफैक्ट्स को हैंडल किया जाता है। हैंडसेंट को कूल रखने के लिए कंपनी ने आईसीई 9.0 कूलिंग सिस्टम टर्बो आरजीबी फैन 20,000 आरपीएम के साथ दिया गया है। इसके अलावा इसमें वेपर चैम्बर, कॉपर फॉइल और एक ग्रेफाइट थर्मल पैड दिया गया है। फोन में 64-मेगापिक्सल का प्राइमरी कैमरा दिया गया है। इसके अलावा इसमें 8-मेगापिक्सल का अल्ट्रावाइड कैमरा और एक 2-मेगापिक्सल का मैक्रो कैमरा दिया गया है।फ्रंट में सेल्फी और वीडियो कॉल के लिए 16-मेगापिक्सल का कैमरा दिया गया है। फोन में 512जीबी इनबिल्ट मेमोरी दी गई है।इसमें 5,0000 एमएएच की बैटरी 65 वॉट फास्ट चार्जिंग के साथ दी गई है।

ईडी ने शियोमी के वैश्विक उपाध्यक्ष को फेमा जांच के लिए तलब किया

नई दिल्ली । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने चीन की मोबाइल विनिर्माता कंपनी शियोमी के वैश्विक उपाध्यक्ष मनु कुमार जैन को विदेशी मुद्रा कानून के कथित उल्लंघन से जुड़ी जांच के सिलसिले में पूछताछ के लिए तलब किया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि जांच एजेंसी फेमा (विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम) के प्रावधानों के तहत कंपनी और उसके अधिकारियों की जांच कर रही है। उन्होंने बताया कि चीन की इस कंपनी की भारतीय इकाई में विदेशी मुद्रा कानून के उल्लंघन का आरोप है, यह जांच इसी सिलसिले में की जा रही है। जैन भारत में शियोमी के पूर्व प्रमुख रह चुके हैं। उनसे कहा गया है कि कंपनी से जुड़े कुछ वित्तीय दस्तावेज लेकर वह बुधवार को पेश हों या फिर ये दस्तावेज किसी आधिकारिक प्रतिनिधि के जरिए पहुंचाए जाएं। शियोमी के प्रवक्ता ने कहा कि हम कानून का पालन करते हैं। जांच में अधिकारियों के साथ पूरा सहयोग किया जा रहा है। शियोमी समेत चीन की कुछ अन्य मोबाइल विनिर्माता कंपनियों पर कर चोरी के आरोप के बाद आयकर विभाग ने पिछले वर्ष दिसंबर में उन पर छापे मारे थे।

ट्रेन टिकट बुक करने रेडरेल ऐप हुआ लांच

नई दिल्ली । ट्रेन टिकट बुक करने के लिए मेक माय ट्रिप ग्रुप की कंपनी रेडबस रेडरेल ऐप लॉन्च किया है। इस ऐप की मदद से आप ट्रेन टिकट बुक कर सकते हैं। कंपनी को उम्मीद है कि अगले 3 से 4 साल में उनकी ग्रॉस टिकट बुकिंग वैल्यू में इस नए ऐप की 10 से 15 फीसदी की हिस्सेदारी होगी। फिलहाल ऑनलाइनट ट्रेन टिकट बुकिंग के लिए लोग डायरेकट आईआरसीटीसी की वेबसाइट उपयोग करते हैं। रेडबस के सीईओ प्रकाश संगम ने कहा कि स्टैंड अलोन रेउरेल ऐप ऐसे वक्त पर लॉन्च हुआ है, जब बहुत संभावनाएं हैं। इस वक्त बस और ट्रेन दोनों ही सेगमेंट में पिछले दो साल से टिकट बुकिंग के लिए डिजिटल एडॉप्शन लगातार बढ़ रहा है। ऑनलाइन ट्रेन टिकट बुकिंग मार्केट में हर दिन पूरे देश में लगभग 10 लाख ट्रांजेक्शन होते हैं, जो एक बड़ी अपॉर्चुनिटी है। यानी कोरोना काल में टिकट बुकिंग के लिए लोगों ने डिजिटल प्लेटफॉर्म्स की ओर रुख किया है। कंपनी को बस और ट्रेन यात्री के ओवरलैप का भी फायदा मिलेगा। लगभग 65 परसेंट बस से यात्रा करने वाला लोग ट्रेन और ट्रेन यात्री बस का भी इस्तेमाल करते हैं और कंपनी इस यूजर बेस का यूज रडरेल को आगे बढ़ाने में कर सकती है। चूंकि कंपनी लंबे समय से बस टिकट बुकिंग सेगमेंट में मौजूद है, इसलिए उनके पास बस यात्रियों की एक बडी संख्या है। जिसे ट्रेन टिकट बुक करने के लिए रेडरेल पर आकर्षित किया जा सकता है। उनका मानना है कि इस सेगमेंट की कंपनी की कुल टिकट बुकिंग वैल्यू में 10 से 15 प्रे तिशत की हिस्सेदारी हो। लॉन्च करने की योजना बना रहा है।

स्कूटर बाउंस इनफिनिटी ई1 की शुरु होगी डिलेवरी

नई दिल्ली ।

बीते दिनों बाउंस कंपनी ने अपने पहले इलेक्ट्रिक स्कूटर बाउंस इनफिनिटी ई1 को लॉन्च किया। अब इस महीने इस इलेक्ट्रिक स्कूटर की डिलीवरी शुरू होने वाली है। बाउंस इनफिनिटी ई1 का भारत में प्रोडक्शन शुरू हो गया है और आने वाले समय में जो लोग इस इलेक्ट्रिक स्कूटर का इंतजार कर रहे हैं, उन्हें पैसे बचाने का यह कारगर वाहन मिलने वाला है। चलिए, अब डिटेल में इस इलेक्ट्रिक स्कूटर के बारे में जानते हैं। बाउंस इनफिनिटी ई1 को पिछले साल दिसंबर में लॉन्च किया गया था। यह इलेक्ट्रिक स्कूटर शानदार लुक, लेटेस्ट फीचर्स और अच्छी बैटरी रेंज के साथ ही स्वैपेबल बैटरी ऑप्शन के साथ लॉन्च किया गया था। बाउंस इनफिनिटी को ई1 की कीमत 68,999 रुपये (एक्स शोरूम, दिल्ली) है। इनफिनिटी ई1 में बैटरी को एक सर्विस ऑप्शन के रूप में रखा गया है। बाउंस इनफिनिटी ई1 को महज 499 रुपये टोकन अमाउंट में लोगों ने बुक कराया था। बाउंस के पहले इलेक्ट्रिक स्कूटर को भारत में टीवीएस, ओला इलेक्ट्रिक, सिंपल एनर्जी के साथ ही हीरो इलेक्ट्रिक और ओकिनावा समेत अन्य पॉपुलर कंपनियों के इलेक्ट्रिक स्कूटर से मुकाबले को पेश किया गया है। बाउंस इनफिनिटी ई1 इलेक्ट्रिक स्कूटर को 5 आकर्षक कलर ऑप्शन के साथ पेश किया है। देखने में यह इलेक्ट्रिक स्कूटर काफी अच्छा है और इसकी बैटरी रेंज भी अच्छी है। बाउंस के इस इलेक्ट्रिक स्कूटर में 2 केडब्ल्यूएच का लिथियम आयन बैटरी पैक दिया गया है, जिसे फुल चार्ज करने पर 85 किलोमीटर तक की रेंज का दावा किया जा रहा है। बाउंस इनफिनिटी ई1 इलेक्ट्रिक स्कूटर की टॉप स्पीड 65 किलोमीटर प्रति घंटे की है। वहीं, फीचर्स की बात करें तो बाउंस इनफिनिटी ई1 में 12 इंच की फ्रंट और रियर व्हील्ज, डिस्क ब्रेक, कनेक्टेड टेक्नॉलजी, स्मार्टफोन कनेक्टिविटी के साथ ही रिवर्स मोड, क्रूज कंट्रोल और ड्रैग मोड जैसे स्डैंडर्ड और सेफ्टी फीचर्स हैं। ड्रैग मोड जैसे स्डैंडर्ड और सेफ्टी फीचर्स हैं।

बता दें कि भारत में आए दिन नई इलेक्ट्रिक वीइकल्स स्टार्टअप कंपनियां अपने प्रोडक्ट पेश कर रही है, जो अच्छे लुक और फीचर्स के साथ ही रेंज के मामले में भी ठीक होती है।

मदर डेयरी पश्चिम बंगाल में मूल्यवर्धित डेयरी उत्पादों की विनिर्माण क्षमता बढ़ाएगी

कोलकाता । राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी मदर डेयरी फूट एंड वेजिटेबल प्राइवेट लिमिटेड ने कहा कि वह अगले पांच वर्षों में पश्चिम बंगाल में मूल्यवर्धित डेयरी उत्पादों की विनिर्माण क्षमता को बढ़ाकर और अधिक जिलों तक अपनी पहुंच का विस्तार करने को तैयार है। आइसक्रीम, दही और मक्खन सहित कंपनी के मूल्यवर्धित डेयरी उत्पाद वर्तमान में राज्य के 10 जिलों में उपलब्ध हैं और इसका लक्ष्य पांच साल के भीतर 20 जिलों तक पहुंचना है। मदर डेयरी फूट एंड वेजिटेबल के डेयरी उत्पादों के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि पूर्वी क्षेत्र हमारे मूल्यवर्धित डेयरी उत्पादों के पोर्टफोलियो के लिए सबसे तेजी से बढ़ते बाजारों में से एक है, जिसने पिछले पांच वर्षों में लगभग 35 प्रतिशत की सालाना वार्षिक वृद्धि (सीएजीआर) हासिल की है। आगे चलकर हम पूरे क्षेत्र में पोर्टफोलियो और विनिर्माण क्षमताओं के साथ-साथ अपनी ब्रांड उपस्थिति और पहुंच बढ़ाने की योजना बना रहे हैं, पोर्टफोलियो और विनिर्माण क्षमताओं के साथ-साथ अपनी ब्रांड उपस्थिति और पहुंच बढ़ाने की योजना बना रहे हैं, जो हमेशा हमारी विस्तार रणनीतियों के केन्द्र में रहेगा। वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि कंपनी वर्ष 2022-23 में पूर्वी बाजार से मूल्यवर्धित डेयरी उत्पाद खंड में 170-175 करोड़ रुपए का कारोबार हासिल करने और मजबूत मांग के कारण वर्ष 2026-27 तक 500 करोड़ रुपए का कारोबार हासिल करने पर नजर है।

एकदिवसीय विश्व कप की जीत में था पूरी टीम का योगदान - हरभजन

नई दिल्ली । दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा है कि 2011 एकदिवसीय विश्व कप में भारतीय टीम की जीत का पूरा श्रेय तब कप्तान रहे महेन्द्र सिंह धोनी को ही नहीं दिया जा सकता। इसमें टीम के सभी सदस्यों का योगदान था। हरभजन ने कहा, अगर ऑस्ट्रेलियाई टीम विश्व कप कप जीतती है, तो सभी कहते हैं कि ऑस्ट्रेलिया ने जीता पर जब भारतीय टीम विश्व कप में जीत हासिल करती है तो सभी कहते हैं कि धोनी ने जीता। इससे क्या मतलब निकालें कि अन्य खिलाड़ी वहां लस्सी पीने गए थे। उन्होंने कहा कि तब अन्य 10 खिलाड़ी क्या करने गए थे। साथ ही कहा कि क्रिकेट एक टीम गेम और जब 7-8 खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तभी कोई टीम जीत सकती है। गौरतलब है कि धोनी की कप्तानी में टीम इंडिया ने पहली बार 2007 में टी20 विश्व कप जीता था। फिर 2011 में उन्होंने 28 साल बाद भारत को एकदिवसीय विश्वकप का खिताब दिलाया था। गौरतलब है कि धोनी की कप्तानी में टीम इंडिया ने पहली बार 2007 में टी20 विश्व कप जीता था। फिर 2011 में उन्होंने 28 साल बाद भारत को एकदिवसीय विश्वकप का खिताब दिलाया था। भज्जी से पहले पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने भी कहा था कि 2011 का विश्व कप पूरी टीम ने जीता था। 2011 एकदिवसीय विश्व कप के फाइनल में धोनी ने 79 गेंद पर नाबाद 91 रन बनाए थे और वह प्लेयर ऑफ द मैच रहे थे।

बोल्ट और सोफी को दिया जाएगा न्यूजीलैंड के सर्वश्रेष्ठ टी20 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी का पुरस्कार

वेलिंगटन ।

न्यूजीलैंड की पुरुष क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट और महिला टीम की कप्तान सोफी डिवाइन को शानदार प्रदर्शन के लिए न्यूजीलैंड के साल के सर्वश्रेष्ठ टी20 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों का पुरस्कार मिला है। ये पुरस्कार तीन दिनों तक जारी एक ऑनलाइन समारोह में दिए जाएंगे। टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन के लिए बोल्ट को यह पुरस्कार मिला है । न्यूजीलैंड की टीम टी20 विश्व कप के फाइनल में पहुंची थी और बोल्ट ने अपनी टीम के फाइनल तक के सफर में अहम भूमिका निभाते हुए टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा 13 विकेट लिए थे। बोल्ट के अलावा इन पुरस्कारों की दौड़ में तेज गेंदबाज टिम साउथी, डेवोन कॉनवे और स्पिनर ईश सोढ़ी भी शामिल थे। बोल्ट ने कहा कि टी20 एक ऐसा प्रारूप है जिसका मैं काफी आनंद उठाता हूं और बेहतर गेंदबाज बनने के लिए लगातार अपने खेल से तालमेल बैठाने का प्रयास करता हूं। यह पुरस्कार जीतना विशेष है। वहीं दूसरी ओर सोफी ने लगातार दूसरे साल सर्वश्रेष्ठ महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी का पुरस्कार जीता। उन्होंने चार मैच में 29.50 की औसत से 118 रन बनाए और इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 113.46 रहा। उनका शीर्ष स्कोर होव में इंग्लैंड के खिलाफ 50 रन रहा। उन्होंने चार मैच में 29.50 की औसत से 118 रन बनाए और इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 113.46 रहा। उनका शीर्ष स्कोर होव में इंग्लैंड के खिलाफ 50 रन रहा।

सर्वश्रेष्ठ प्रशंसक क्षण क्राइस्टचर्च टेस्ट में बांग्लादेश के खिलाफ अंतिम टेस्ट के साथ संन्यास ले रहे रोस टेलर के अंतिम विकेट को चुना गया। इसके अलावा मेली केर और माइकल ब्रेसवेल को वेलिंगटन की ओर से शानदार प्रदर्शन के लिए अपने अपने वर्ग में 'सुपर स्मैश प्लेयर आफ द ईयर' चुना गया। पुरस्कारों के दूसरे दिन प्रथम श्रेणी और घरेलू बल्लेबाजी और गेंदबाजी कप के अलावा साल के सर्वश्रेष्ठ पुरुष और महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी चुने जाएंगे।

म्यूनिख को हराकर चैम्पियंस लीग फुटबॉल के सेमीफाइनल में पहुंची विलारियाल

म्यूनिख ।

विलारियाल टीम चैम्पियंस लीग फुटबॉल के सेमीफाइनल में पहुंच गयी है। विलारियाल ने क्वार्टर फाइनल में बायर्न म्यूनिख को हराकर अंतिम चार में जगह बनायी। विलारियाल टीम साल 2006 के बाद पहली बार चैम्पियंस लीग के सेमीफाइनल में पहुंची है। विलारियाल ने क्वार्टरफाइनल के दूसरे मैच में मंगलवार को 1-1 से ड्रा की सहायता से कुल 2-1 के स्कोर के साथ ही अंतिम चार में जगह बनायी है। क्वार्टरफाइनल के पहले मैच में उसे म्यूनिख को अपने घरेलू मैदान पर 1-0 से हराया था। इस मैच में विलारियाल की ओर से मैच समाप्त होने के दो मिनट पहले 88वें मिनट में सैमुअल चुकवुएजे ने एक गोल दागकर अपनी टीम को 1-1 की बराबरी पर ला दिया था। वहीं इससे पहले म्यूनिख ने 52वें मिनट में रोबर्ट लेवांडोवस्की के गोल से बढ़त बनायी थी पर इसके बाद उसके खिलाड़ी अवसरों का लाभ नहीं उठा पाये। विलारियाल के स्ट्राइकर गेरार्ड मोरेनो ने कहा, ''आज बायर्न ने गलती की जिसका हमने पूरा लाभ उठाया है।

इस टीम ने शानदार प्रदर्शन किया है।'' विलारियाल ने यूरोपा लीग में जीत से चैम्पियंस लीग के लिये क्वालीफाई किया था जबकि स्पेनिश लीग में वह सातवें स्थान पर रही है। वहीं बायर्न म्यूनिख ने 2020 में यूरोपीय कप जीता था जबकि बुंदेसलीगा में वह शीर्ष पर रही है।

आईपीएल छोड़कर अपने देश का समर्थन करें श्रीलंकाई क्रिकेटर : रणतुंगा

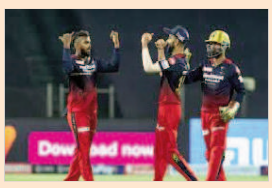

कोलंबो । भयंकर आर्थिक संकट के कारण दिवालिया हुए देश श्रीलंका के क्रिकेटर अभी भारत में आईपीएल में व्यस्त हैं। वहीं पूर्व श्रीलंकाई क्रिकेटर और केन्द्रीय मंत्री रहे अर्जुन रणतुंगा ने आईपीएल खेल रहे सभी श्रीलंकाई खिलाड़ियों से कहा कि वे आगे आएं और उन्हें इस कठिन समय में अपने देश के समर्थन में उतरें। उन्होंने कहा कि कुछ क्रिकेटर ऐसे हैं जो आईपीएल में शानदार खेल रहे हैं और अपने देश में बारे में बात नहीं करते। इसके साथ ही कहा कि ये क्रिकेटर किसी भी मामले पर बोलने से डरते हैं। ये क्रिकेटर मंत्रालय के तहत आने वाले क्रिकेट बोर्ड के लिए भी काम कर रहे हैं और ऐसे में अपनी नौकरी बचाने का प्रयास कर रहे हैं पर अब उन्हे देश हित में आगे आना होगा के योंकि कुछ युवा क्रिकेटर आए हैं और विरोध के समर्थन में बयान भी दिया। उन्होंने साथ ही कहा कि जब कुछ गलत हो रहा है तो आपमें अपने कारोबार के बारे में सोचे बिना उसके खिलाफ बोलने के लिए आगे आने की हिम्मत होनी चाहिए। रणतुंगा ने कहा कि लोग उनसे पूछते हैं कि मैं विरोध प्रदर्शन में के यों नहीं हूं। बात सिर्फ यही है कि मैं पिछले 19 साल से राजनीति में हूं और यह कोई राजनीतिक मुद्दा नहीं है। अभी तक किसी भी राजनीतिक दल या राजनेता ने विरोध प्रदर्शन में हिस्से सा नहीं लिया है और यही इस देश के लोगों की सबसे बड़ी ताकत है।

दिल्ली कैपिटल्स से जुड़ते ही बदली कुलदीप की तकदीर , पर्पल कैप की दौड़ में सबसे आगे

पोंटिंग ने नीलामी में खरीदने का कारण बताया

मुम्बई ।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 15 वें सत्र में दिल्ली कैपिटल्स की ओर से खेलते हुए चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव ने शानदार प्रदर्शन किया है। कुलदीप अब तक खेले गये 4 मैचों में कुल 10 विकेट लेकर पर्पल कैप की दौड़ में सबसे आगे हैं। इस प्रदर्शन से कुलदीप के करियर को नई उर्जा मिली है क्योंकि पिछले कुछ समय में उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। इसी कारण कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की ओर से उन्हें खेलने के काफी कम अवसर मिले थे। यहां तक कि केकेआर ने उन्हें आईपीएल 2022 की मेगा नीलामी से पहले ही रिलीज कर दिया था। इस बार मेगा नीलामी में कुलदीप को कैपिटल्स ने खरीदा और इस टीम के साथ जुड़ते ही कुलदीप की गेंदबाजी बेहतर हो गयी। टीम के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने नीलामी में कुलदीप को खरीदने का कारण भी बताया है।

पोंटिंग ने कहा, कुलदीप यादव को केकेआर के साथ दो साल तक बहुत कम अवसर मिले। वहीं हमें पता था कि अगर इस गेंदबाज में भरोसा रखा जाये तो वह वह बेहतर हो सकता है। इसी कारण हम छोटे-छोटे हैंडब्रेक अनलॉक कर रहे, जो खिलाड़ियों को खुलकर खेलने से रोक रहे हैं। कुलदीप के मामले में भी ऐसा ही है। उनके जैसे स्तर के गेंदबाज के लिए केकेआर में रहना और नहीं खेलना समझ से परे है। नीलामी में उन्हें जोड़ने का एक कारण यह भी था कि हम उनमें आत्मविश्वास जगा कर एक बेहतर गेंदबाज बनाना चाहते थे।

पोंटिंग के अनुसार कुलदीप जैसे गेंदबाजों के साथ आपको धैर्य रखना होता है क्योंकि टी20 क्रिकेट में स्पिन गेंदबाजों के लिए हर समय एक समान नहीं रहता है। कुलदीप जैसा भी प्रदर्शन करें हमारा व्यवहार उनके प्रति बदलेगा नहीं। कुलदीप ने अब तक खेले 4 मैच में 15.4 ओवर गेंदबाजी करते हुए 10 विकेट लिए हैं। उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ पिछले मैच में 35 रन देकर 4 विकेट लिए। यह आईपीए में उनका साल 2022 में उनका अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है.

संक्षिप्त समाचार

युवराज से तुलना होना सम्मान की बात : शिवम

मुंबई । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ 95 रनों की पारी खेलकर अपनी टीम को जीत दिलाने वाले चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के बल्लेबाज शिवम दुबे छाये हुए हैं। इसका कारण शिवम का पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह की तरह बल्लेबाजी करना माना जा रहा है। शिवम भी इससे उत्साहित हैं। इस क्रिकेटर ने कहा कि युवराज सिंह से तुलना होना सम्मान की बात है। इससे वह गर्व का अनुभव कर रहे हैं। शिवम ने उनके बल्लेबाजी स्टाइल की तुलना युवराज से किए जाने पर कहा, निश्चित रूप से, युवराज जैसे व्यक्ति हमेशा बाएं हाथ के बल्लेबाज के लिए एक आदर्श होते हैं। कई लोगों ने मुझसे कहा है कि मैं उनकी तरह खेलता हूं। यह मेरे लिए बेहद सम्मान की बात है। शिवम ने बेंगलुरु के खिलाफ 46 गेंदों में 5 चौके और 8 छक्के की बदौलत 95 रन बनाए थे। उन्होंने रॉबिन उथप्पा के साथ मिलकर 165 रनों की साझेदारी की थी। शिवम ने कहा, हम पहली जीत की तलाश में थे और मैं वास्तव में खुश हूं कि मैंने अपनी टीम के लिए योगदान दिया।

महिला पेशेवर गोल्फ की संस्थापक रहीं शर्ली का निधन

डेटोना बीच । महिला पेशेवर गोल्फ टूर (एलपीजीए) के संस्थापक सदस्यों में से एक शर्ली स्पोर्क का निधन हो गया है। शर्ली 94 वर्ष की थी। एलपीजीए ने कहा कि उनका कैलिफोर्निया के पाम स्प्रिंग्स में निधन हुआ जहां वह रहा करती थीं। वह अपने पेशवर करियर में कभी एलपीजीए टूर पर खिताब नहीं जीत सकी थीं हालांकि उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 1962 एलपीजीए चैम्पियनशिप में रहा था। एलपीजी के अनुसार दो सप्ताह पहले ही शर्ली को पता चला था कि उन्हें 'एलपीजीए हॉल ऑफ फेम' में शामिल किया जायेगा।

दीपक चाहर की पीठ में भी लगी चोट , आईपीएल से बाहर हुए

मुंबई । चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के ऑलराउंडर दीपक चाहर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से बाहर हो गये हैं। चाहर को बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में रिहैबिलिटेशन के दौरान दोबारा चोट लग गयी। चाहर फरवरी में पैर में लगी चोट से उबरने के लिए एनसीए गए थे, मगर वहां उनकी पीठ में भी चोट लग गई। आईपीएल 2022 की मेगा नीलामी में सीएसके ने चाहर को 14 करोड़ रुपये में खरीदा था। सीएसके को उम्मीद है कि वह अप्रैल के दूसरे सप्ताह से पहले फिट हो जाएंगे पर उनकी चोट की गंभीरता को देखते हुए इसकी संभावना नहीं है। चाहर को एनसीए में रिहैबिलिटेशन के दौरान चोट लगी। वो एक महीने से अधिक समय से एनसीए में हैं, जहां वह फरवरी में वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज के दौरान पैर में लगी चोट से उबरने के लिए गए थे। चाहर को फरवरी में वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे टी20 के दौरान पैर में चोट लगी थी और इस कारण वह अपना स्पैल पूरा किए बगैर मैदान से बाहर हो गये थे।

आजम आईसीसी टी-20 बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर कायम

दुबई ।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की टी-20 बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर बने हुए हैं। वहीं पिछले साल के आईसीसी 'पुरुष टी-20 प्लेयर ऑफ द ईयर रहे पाक विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान एक पायदान नीचे आकर तीसरे नंबर पर फिसल गये हैं। वहीं पाक के ही तेज गेंदबाज शाहीन आफरीदी टी-20 गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष 10 में पहुंच गये हैं। शाहीन 634 रेटिंग अंकों के साथ 10वें स्थान पर पहुंच गए हैं। शाहीन ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकमात्र टी-20 मैच में 21 रन देकर दो विकेट लिए थे। वहीं इसी बीच ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड एक स्थान नीचे खिसक कर तीसरें नंबर पर आ गए हैं। हेजलवुड पाक के खिलाफ हुए एकमात्र टी20 मैच से बाहर थे। इंग्लैंड के ही लेग स्पिनर आदिल राशिद लाभ के साथ ही दूसरे नंबर पर आ गए हैं। वहीं नेपाल के दीपेंद्र सिंह ऐरी पीएनजी और मलेशिया के खिलाफ त्रिकोणीय श्रृंखला में शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन के बाद बल्लेबाजी, गेंदबाजी और ऑलराउंडर रैंकिंग में ऊपर आये हैं। सीरीज के फाइनल में नाबाद 54 रन और 18 रन पर चार विकेट लेने वाले दीपेंद्र ने बल्लेबाजी रैंकिंग में 13 स्थानों की छलांग लगायी है। इसी के साथ ही वह 38वें, गेंदबाजी रैंकिंग में 47 स्थानों के लाभ से 135वें और ऑलराउंडर रैंकिंग में 10 स्थानों की छलांग से 10वें नंबर पर पहुंच गए हैं। ऑलराउंडर रैंकिंग में ही नामीबिया के जेजे स्मिट को छह स्थानों का फायदा हुआ है और वह नंबर चार पर पहुंच गए हैं। उन्होंने युगांडा के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई सीरीज में 35 गेंदों पर 71 रन की आक्रामक पारी खेलने के अलावा हैट्रिक समेत 10 रन पर छह विकेट लिए थे। दूसरी ओर टेस्ट रैंकिंग में दक्षिण अफ्रीकी स्पिनर केशव महाराज को लाभ हुआ है। बंगलादेश के खिलाफ हाल ही में संपन्न दो मैचों की टेस्ट सीरीज में बल्ले और गेंद के साथ महत्वपूर्ण योगदान देने के कारण केशव गेंदबाजी रैंकिंग में सात स्थानों की छलांग लगाकर 21वें और ऑलराउंडर रैंकिंग में 13वें स्थान पर आ गए हैं। वहीं दक्षिण अफ्रीका के ही साइमन हार्मर भी 13 विकेट लेकर गेंदबाजी रैंकिंग में 26 नंबर पर पहुंच गए हैं।

जिन पुराने खिलाड़ियों को टीम ने नहीं किया रीटने, नई टीम में जाकर ढ़ह रहे कहर

मुंबई । आईपीएल 2022 में जहां कुछ अनकैप्ड खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन के दम पर फैंस और दिग्गजों का दिल जीता है। वहीं, कई अनुभवी खिलाड़ी भी अपनी चमक बिखेरने में सफल रहे, जिन्हें इस साल मेगा ऑक्शन से पहले फ्रेंचाइजी ने रीटेन नहीं किया। या यूं कहें कि इतने सालों का पुराना नाता तोड़ लिया। इसके बाद इन्हें नीलामी में उतरना पड़ा और इस बार नई टीमों की तरफ से खेलते हुए धमाल मचा रहे। लिस्ट में युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव, राहुल चाहर और उमेश यादव जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। युजवेंद्र चहल को आईपीएल 2022 के मेगा ऑक्शन से पहले रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने रीटेन नहीं किया था।ऐसी खबरें भी आई कि सैलरी को लेकर उनकी टीम से अनबन हुई थी। हालांकि, चहल ने इस बारे में कहा कि उनसे टीम ने रीटेन के बारे में पूछा तक नहीं था। जबकि वहां 2014 से 2021 तक यानी पूरे 8 साल इस टीम के साथ रहे और इन सालों में टीम के लिए सबसे अधिक 139 विकेट हासिल किए। इतने चमकदार प्रदर्शन के बावजूद एक झटके में आरसीबी का उनके साथ 8 साल पुराना रिश्ता टूट गया। इसके बाद इस लेग स्पिनर को राजस्थान रॉयल्स ने मेगा ऑक्शन में 6.5 करोड़ रुपये में खरीदा और इस सीजन में चहल ने अब तक राजस्थान के लिए सबसे अधिक विकेट झटके हैं। उन्होंने 4 मैच में 7 विकेट हासिल किए हैं, और सबसे अधिक विकेट लेने वाले टॉप-5 गेंदबाजों में शामिल हैं। कुलदीप यादव चाइनामैन गेंदबाज का आईपीएल 2022 में अब तक प्रदर्शन शानदार रहा है और वहां पर्पल कैप के मजबूत दावेदार बनकर उभरे हैं। कुलदीप पिछले 4 साल से कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ थे। लेकिन इस टीम के साथ पिछले कुछ सीजन उनके अच्छे नहीं बीते। वहां टीम का हिस्सा रहे, लेकिन मैच खेलने के मौके कम ही मिले। आईपीएल 2021 में तब कुलदीप एक भी मैच में प्लेइंग-इलेवन का हिस्सा नहीं बने। इस बार मेगा ऑक्शन से पहले कुलदीप को केकेआर ने रीटेन नहीं किया। फरवरी में हुई नीलामी में उन्हें नई फ्रेंचाइजी ने खरीदा। वह दिल्ली कैपिटल्स का हिस्सा बने और नई टीम से जुड़ते ही उनका खेल बदल गया। इसका सबूत है आईपीएल 2022 में उनके गेंदबाजी आंकड़े। कुलदीप अब तक 4 मैच में 10 विकेट ले चुके हैं। कुलदीप न कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 4 विकेट झटककर टीम से बाहर करने का हिसाब चुकता कर लिया।

नये गेंदबाज मुकेश का हौंसला बढ़ाते नजर आये धोनी

मुंबई । चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का आंखिरकार इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 15 वें सत्र में खाता खुल गया है। सीएसके ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को 23 रनों से हराकर इस टूर्नामेंट में पहली जीत दर्ज की। इस मैच में सीएसके ने पहले बल्लेबाजी करते हुए आरसीबी को जीत के लिए 217 रनों का लक्ष्य दिया था पर आरसीबी ने नौ विकेट पर 193 रन ही बनाये। सीएसके की ओर से इसी सत्र में आईपीएल पदार्पण करने वाले नये बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मुकेश चौधरी का प्रदर्शन इस मैच में अच्छा नहीं रहा। मुकेश ने गेंदबाजी में काफी रन दिये और को कैच भी छोड़ दिये। इससे वह बेहद निराश नजर आये। ऐसी हालत में अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज महेन्द्र सिंह धोनी ने मुकेश का हौंसला बढ़ाया। सोशल मीडिया पर इसकी तस्वीरों के साथ ही एक वीडियो भी वायरल हुआ है। गेंदबाजी की बात करें तो मुकेश चौधरी ने तीन ओवर में 40 रन दिए हैं। इस गेंदबाज के एक ही ओवर में 23 रन गये। राहत की बात केवल इतनी रही कि मुकेश को एक विकेट मिल गया। मुकेश ने पूर्व कप्तान विराट कोहली का सबसे अहम विकेट लिया, जो उनके लिए विशेष क्षण था।

मप्र राज्य रैंकिंग टेनिस टूर्नामेंट मनवर्धन, माधव, कुश, राघव क्वार्टर फायनल में

इन्दौर ।

म.प्र. टेनिस संघ के तत्वावधान में इन्दौर टेनिस क्लब में आयोजित आई.पी.एस. प्रथम मध्य प्रदेश राज्य स्तरीय रैंकिंग टेनिस टूर्नामेन्ट में इन्दौर के खिलाड़ी मनवर्धन राखेचा, माधव पाटीदार, रेहान मलिक, राघव जयसिंघानी, कुश भसीन ने अपने-अपने वर्गों के मुकाबले जीतकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। मंगलवार को खेले गए पुरूष एकल प्री-क्वार्टरफाइनल में माधव पाटीदार (इन्दौर) ने विराट चौधरी (इन्दौर) को 6-0, 6-2 से, प्रत्यक्ष सोनी (खण्डवा) ने रेहान मलिक (इन्दौर) को 6-0, 7-5 से, राघव जयसिंघानी (इन्दौर) ने जयेश करणावत (इन्दौर) को 6-1, 6-1 से शिकस्त दी। वहीं अंडर-18 बालक एकल प्री-क्वार्टरफाइनल में मनवर्धन राखेचा (इन्दौर) ने शिखर सिंह (इन्दौर) को 6-3, 6-0 से, कुश भसीन (इन्दौर) ने कनिष्क खथुरिया (इन्दौर) को 6-3, 5-7, 10-6 से तथा अर्भाअंश परवाल (इन्दौर) ने आदित्य वर्मा (भोपाल) को 6-1, 6-3 से हराया। अंडर-14 बालक एकल प्री-क्वार्टरफाइनल में खुशर्वान जेफरी (भोपाल) ने जयदेव शर्मा (ग्वालियर) को 9-1 से, पुष्पेन्द्र जाट (विर्दे शा) ने आदित्य वर्मा (भोपाल) को 9-7 से, मोहम्मद आसिम (भोपाल) ने गणेश स्वामी (महु) को 9-3 से शिकस्त दी।

अलिफीया दूसरे दौर में

अंडर-14 बालिका एकल के प्रथम दौर के मुकाबलों में अलिफीया रूबी (इन्दौर) ने अनवी पालोद (इन्दौर) को 8-0 से शिकस्त दी।

वहीं काशवी ठुकराल (विदिशा) ने गीतिका वोहरा (इन्दौर) को 8-2 से, संस्कृति स्वामी (रतलाम) ने सामिया वाधवानी (इन्दौर) को 8-0 से, अविशी शर्मा (भोपाल) ने अवनि जाट (इन्दौर) को 8-0 से हराया।।

दक्षिण कोरिया में योनेक्स कोरिया मास्टर्स में खेलते हुए वांग यिलयू और हुआंग डोनपिंग।

गुजरात विधानसभा चुनाव में 182 सीटों पर चुनाव लड़ सकती है हिंदू महासभा

गुजरात विधानसभा चुनाव

सूरत भूमि,सूरत।

इस समय गुजरात में हर जगहों पर जोर शोर में 2022 में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव के बारे में चर्चा चल रही है क्योंकि हर हिंदू सेवी संस्थाएं इस बात पर विचार कर रही हैं कि इस कार्य हेतु भारतीय जनता पार्टी को संपूर्ण हिंदुत्व का वोट समर्पित कर पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनवाया गया। उन सभी बातों की अनदेखी कर रही है सरकार जिसके लिए इस सरकार को चुना गया था । यह सरकार योग्य व्यक्तियों को घर बैठा कर अयोग्य लोगों को टिकट देकर अपनी हिटलर शाही का पूर्ण परिचय दे रही है, यह तो कालिदास की कहानी बन गई कि जिसने यह सरकार बनाया सरकार उसी का शोषण कर रही है किसी की सुनना नहीं एक व्यक्ति कहे उसे पूरे देश को मानना पड़ रहा है जबकि पहले इनका नारा था कि जो हिंदुत्व पर काम करेगा। वह हिंदुस्तान पर राज करेगा इसकी जगह आज का नारा है सबका साथ सबका विकास । सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार इस बार गुजरात विधानसभा चुनाव में हिंदू महासभा पूरे 182 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी में है फिर चाहे वह भारतीय जनता पार्टी हो या कांग्रेस एवं अन्य दल सबको कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है क्योंकि हिंदू महासभा अपने हिंदुत्व के मुद्दे को लेकर जनता के बीच आ सकती हो।

नरेश पटेल पर कांग्रेस को जल्द फैसला करना चाहिए : हार्दिक पटेल

अहमदाबाद।

गुजरात प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी प्रमुख हार्दिक पटेल ने पाटीदार नेता और खोडलधाम ट्रस्ट के प्रमुख नरेश पटेल के कांग्रेस में शामिल होने के बारे में कोई फैसला नहीं लिए जाने पर सवाल उठाए हैं। हार्दिक पटेल ने कहा कि पार्टी हाईकमांड और गुजरात कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं को जल्द से जल्द फैसला करना चाहिए। ढाई महीने बीत जाने के बावजूद कांग्रेस नरेश पटेल पर कोई फैसला नहीं कर पाई है। कांग्रेस को स्पष्ट करना चाहिए कि वह नरेश पटेल को लेना चाहती है या नहीं। हार्दिक पटेल ने कहा कि नरेश पटेल को लेकर मीडिया में जब गलत खबरें आती हैं, उन्हें दुख होता है। पिछले दो महीने से भी ज्यादा समय से नरेश पटेल को पार्टी से जोड़ने की प्रक्रिया चल रही है और उसमें कोई फैसला नहीं होने से पार्टी का ही अपमान हो रहा है। नरेश पटेल ने जब कह दिया है कि वह समाज की सेवा करना चाहते हैं, इसका मतलब साफ है वह राजनीति से जुड़ना चाहते हैं। नरेश पटेल वरिष्ठ नेताओं के साथ भी मुलाकात कर चुके हैं। आखिर क्या कारण है जो नरेश पटेल को कांग्रेस में शामिल करने पर पार्टी हाईकमांड कोई फैसला नहीं कर पा रही। हार्दिक पटेल ने दिल्ली और गुजरात के नेताओं से अनुरोध किया है कि जितना जल्द हो सके नरेश पटेल के बारे में फैसला कर लें। आए दिन मीडिया में खबरे हैं आती है कि नरेश पटेल ने यह मांग की या वो मांग की है। जबकि नरेश पटेल ने एक भी मांग नहीं की, ऐसे में उन्हें कांग्रेस में शामिल करने के फैसला करने विलंब क्यों हो रहा है? सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर हार्दिक पटेल ने कहा कि इसे चुनाव से जोड़कर नहीं देखना चाहिए। इससे पहले समाज और लोगों के हित में जो काम हम सड़कों पर जाकर करते थे, वह काम लोकसभा या विधानसभा में जाकर करने का कोर्ट ने अवसर दिया है। एक सवाल के जवाब में हार्दिक ने कहा कि चुनाव लड़ने की बात आती है तो स्वाभाविक है कि कोई भी उम्मीदवार अपना क्षेत्र या फिर जहां उसके समर्थक अधिक हैं उस इलाके को पसंद करता है। मेरा क्षेत्र विरमगाम है और अगर वहां मुझे मौका मिला तो उसके विकास का काम करूंगा। परंतु इसका फैसला पार्टी को करना है कि वह मुझे कहां से उम्मीदवार बनाती है।

गर्मी के दौरान राज्य में पर्याप्त पेयजल आपूर्ति उपलब्ध कराने सरकोर कटिबद्ध : जीतु वाघाणी

अहमदाबाद। राज्य के शिक्षा मंत्री और राज्य सरकार के प्रवक्ता जीतु वाघाणी ने आज कहा कि गर्मी के दौरान नागरिकों को पेयजल की कोई कमी नहीं होगी। राज्य सरकार ने राज्य के सभी नागरिकों को पर्याप्त पेजयल उपलब्ध कराने को कटिबद्ध है और इसके लिए खास आयोजन भी किया है। ग्रामीण स्तर पर समूह जलापूर्ति योजना के जरिए दिए जाते पानी और हेन्डपंप रिपेरिंग इत्यादि की शिकायत के लिए टोल फ्री नंबर 1916 कार्यरत किया गया है, जिसके जरिए नागरिक अपनी शिकायतें कर सकेंगे। शिकायत मिलने के तुरंत बाद उसका निपटारा भी किया जाएगा। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल की अध्यक्षता में आज हुई कैबिनेट की बैठक में किए गए फैसलों की जानकारी देते हुए जीतु वाघाणी ने बताया कि गर्मियों में राज्य के नागरिकों को पेयजल की कोई किल्लत नहीं हो, इसके लिए मुख्यमंत्री ने सुचारु आयोजन करने का संबंधित विभाग को आदेश दिया है। साथ ही पानी का दुरुपयोग न हो इसकी भी नागरिकों से अपील की है। टैंकरों के जरिए पानी सप्लाई करने के सवाल पर प्रवक्ता मंत्री ने कहा कि फिलहाल कच्छ जिले में 36 टैंकरों के जरिए 114 फेरों के मार्फत करीब 21 गांवों में पशुओं के लिए पीने की पानी की व्यवस्था की गई है। वाघाणी ने बताया कि भुज-भचाऊ हाईवे पर 108 करोड़ रुपए की लागत से ऑवरब्रिज बनाया जाएगा। जीतु वाघाणी ने बताया कि गुजरात स्थित प्रथम ज्योतिर्लिंग सोमनाथ महादेव के देशभर के श्रद्धालु सरलता से दर्शन कर सकें, इसके लिए केन्द्रीय उड्डयन मंत्रालय द्वारा आगामी 16 अप्रैल से मुंबई-केशोद के बीच हवाई सेवा शुरू की जाएगी। सप्ताह में तीन दिन मंगलवार, गुरुवार और शनिवार समेत तीन दिन की इस हवाई सेवा का केन्द्रीय उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया समेत गुजरात के नागरिक उड्डयन मंत्री पूर्णेश मोदी की उपस्थिति में शुभारंभ किया जाएगा। सरकार के प्रवक्ता मंत्री ने कहा कि गुजरात के किसानों से रिकार्ड खरीदी और वह भी रिकार्ड कीमत में की जा रही है। राज्य सरकार ने किसानों से प्रति क्विंटल रु. 5230 यानी प्रति मन रु. 1046 के समर्थन मूल्य से चने की खरीद कर रही है। शुरुआत में 18। केन्द्रों पर और वर्तमान में जरूरत के मुताबिक 117 केन्द्रों पर चने की खरीदी जा रही है। केन्द्र सरकार द्वारा इस साल 6.65 लाख मेट्रिक टन से अधिक चने की समर्थन मूल्य पर खरीद को मंजूरी दी है। इस वर्ष गुजरात में 5.50 से 6 लाख टन चना उत्पादन का अनुमान है। जरूरत पड़ेगी तो गुजकोमासोल को अतिरिक्त चने की खरीदी का आदेश दिया जाएगा।

भाजपा से सस्पैंड पूर्व विधायक कमा राठौड की घर वापसी

अहमदाबाद।

2017 में भाजपा से सस्पैंड किए गए पूर्व विधायक कमा राठौड़ ने आज अपने समर्थकों के साथ घर वापसी कर ली। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल और गुजरात प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील की उपस्थिति में कमा राठौड़ ने फिर एक बार भगवा धारण कर लिया। बता दें कि गुजरात विधानसभा चुनावों के चलते विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता और कार्यकर्ताओं का पाला बदलने का खेल शुरू हो गया। ऐसे में भाजपा से सस्पैंड किए गए कई नेता आज फिर एक बार भाजपा जॉइन कर ली। कमा राठौड के अलावा भीखाभाई समेत कई नेता आज भाजपा शामिल हो गए। भाजपा में शामिल होने से पहले कमा राठौड़ ने रोड शो शक्ति प्रदर्शन किया। 2017 में कनु पटेल को साणंद से टिकट दिए जाने से कमा राठौड़ नाराज हो गए थे और निर्दलीय चुनाव लड़ा था। इस कारण से भाजपा ने कमा राठौड़ को पार्टी से 6 साल के निष्कासित कर दिया था। दरअसल 2017 में हुए राज्यसभा के चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार अहमद पटेल के खिलाफ करमसिंह पटेल ने क्रोस वोटिंग किया था और उसके बाद कांग्रेस से इस्तीफा देकर वह भाजपा में शामिल हो गए थे। करमसिंह पटेल के साथ ही उनके पुत्र कनु पटेल भी भाजपा में शामिल हुए थे। भाजपा ने करमसिंह पटेल के पुत्र कनु पटेल को साणंद से अपना उम्मीदवार बनाया था। जिससे कमा राठौड़ नाराज हो गए और उन्होंने निर्दलीय चुनाव लड़ा था। निर्दलीय चुनाव लड़ने के बावजूद कमा राठौड़ को 49 हजार से अधिक वोट मिले थे। निर्दलीय उम्मीदवारी करने की वजह से भाजपा ने कमा राठौड़ को पार्टी से सस्पैंड कर दिया था।

18 को तीन दिवसीय गुजरात दौरे पर आएंगे पीएम मोदी, कई कार्यक्रमों में उपस्थित रहेंगे

अहमदाबाद।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आगामी 18 से 20 के दौरान गुजरात दौरे पर आ रहे हैं। तीन दिवसीय गुजरात के दौरे के दौरान पीएम मोदी दाहोद, बनासकांठा और जामनगर के कई कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे। पीएम मोदी के निर्धारित कार्यक्रम के मुताबिक 18 अप्रैल की शाम अहमदाबाद आएंगे और उसी दिन राज्य सरकार के शिक्षा विभाग के महत्वपूर्ण कमांड का दौरा करेंगे। 18 अप्रैल की रात पीएम मोदी राजभवन में विश्राम करेंगे। 19 अप्रैल की सुबह पीएम मोदी उत्तरी गुजरात के बनासकांठा जाएंगे, जहां बनास डेयरी के प्लांट का लोकार्पण करेंगे और उसके पश्चात महिला पशुपालकों के सम्मेलन को संबोधित करेंगे। बनासकांठा के बाद पीएम मोदी जामनगर जाएंगे, जहां विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोग से बनने वाले आयुर्वेदिक केन्द्र का भूमिपूजन करेंगे। इस कार्यक्रम में केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री, आयुष मंत्री भी उपस्थित रहेंगे। गुजरात दौरे के तीसरे दिन यानी 20 अप्रैल को पीएम मोदी गांधीनगर के महात्मा मंदिर के कार्यक्रम में शामिल होंगे। इस कार्यक्रम के बाद पीएम मोदी दाहोद जाएंगे और वहां आदिवासी सम्मेलन को संबोधित करेंगे। दाहोद से पीएम मोदी अहमदाबाद आएंगे और यहां से दिल्ली के रवाना हो जाएंगे।

बच्चों एवं शिक्षकों को भोजन किट एवं मोमेंटो देकर सेंट मार्क स्कूल का 26वां स्थापना दिवस मनाया गया

सूरत। अडाजन में सेंट मार्क हायर सेकेंडरी स्कूल का 26 वां स्थापना दिवस 13 अप्रैल को मनाया गया। स्कूल के मैनेजर और प्रिंसिपल पीवीएस राव ने कहा, "13 अप्रैल, 1996 को हमने अडाजन इलाके में सेंट मार्क इंग्लिश मीडियम स्कूल की स्थापना की।" उस समय क्षेत्र में बहुत कम अंग्रेजी माध्यम के स्कूल थे। इसलिए हमने बच्चों को उचित शुल्क पर सर्वोत्तम शिक्षा प्रदान करने के लिए इंग्लिश मीडियम स्कूल शुरू किया। हमारे स्कूल में पढ़ने वाले छात्रों ने जीवन में बहुत प्रगति की है। कुछ छात्र डॉक्टर, इंजीनियर, वकील, प्रोफेसर, बैंकर बन गए हैं। कई छात्र अपने परिवार के साथ विदेश में बस गए हैं। सेंट मार्क स्कूल में पढ़ने वाले 400 छात्र हर साल उच्च करियर क्षेत्रों में जाते हैं। ये बच्चे नियमित रूप से स्कूल के प्रिंसिपल पीवीपीएस राव का आशीर्वाद लेने स्कूल आते हैं। हाल ही में इस स्कूल का एक छात्र ज्वाइंट कलेक्टर बना है। प्रबंधकों का भविष्य का लक्ष्य सेंट मार्क ग्रुप कॉलेज और विश्वविद्यालय स्तर पर भविष्य की शिक्षा प्रदान करना है। विद्यालय के 26वें स्थापना दिवस के अवसर पर विद्यालय द्वारा गरीब बच्चों एवं शिक्षकों को अनाज किट का वितरण किया गया वहीं 10 से 20 साल से स्कूल से जुड़े शिक्षकों को भी सम्मानित किया गया. इस मौके पर स्कूल के शिक्षकों ने कहा कि शिक्षकों को प्रशासकों से पर्याप्त सहयोग मिलता है. हम छात्रों को कड़ी मेहनत करने और लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रेरित करते हैं। बोर्ड परीक्षा का स्कूल का परिणाम बहुत अच्छा रहा है। स्कूल व्यक्तित्व विकास, योग, नृत्य, खेल सहित गतिविधियों पर विशेष ध्यान देता है। छात्रों को स्पोकन इंग्लिश की क्लास दी जाती है। कुछ अंग्रेजी माध्यम के स्कूली छात्रों को अंग्रेजी बोलने में कठिनाई होती है। इसलिए हमारा स्कूल ओपन इंग्लिश पर विशेष ध्यान देता है। सेंट मार्क स्कूल की फीस भी अन्य स्कूलों की तुलना में काफी कम है। स्कूल प्रशासक का उद्देश्य देश के प्रत्येक नागरिक को शिक्षित करना है। देश का एक भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे।

चार की साल की बच्ची से दुष्कर्म के अपराधी को कोर्ट ने सुनाई ताउम्र कैद की सजा

सूरत।

सूरत की कोर्ट ने चार साल की बच्ची को बिस्कुट की लालच देकर उसके साथ दुष्कर्म के आरोपी को दोषी करार देते हुए ताउम्र यानी अंतिम सांस तक कैद की सजा सुनाई है। आरोपी पीड़ित बच्ची के पिता का परिचित है। कोर्ट ने पीड़ित बच्ची को रु. । लाख का मुआवजा देने का जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण को आदेश दिया है। उत्तर प्रदेश के बांदा जिले के खटोरा गांव निवासी गोपाल उर्फ कुबेर ओमप्रकाश मौर्य सूरत के सचिन जीआईडीसी क्षेत्र के शिवशक्तिनगर में रहता था। सचिन उसी क्षेत्र में रहनेवाले अपने दोस्त के घर गया था। उस वक्त गोपाल के दोस्त की बेटी शौच के लिए गई थी, जहां से काफी समय तक वापस नहीं आई। काफी देर के बाद जब लौटी तो कमर के नीचे से घुटनों तक लहुलूहान थी। बेटी को इस हालत में देख मां ने उससे जब पूछा तो बच्ची ने बताया कि पापा के साथ आए अंकल बिस्कुट और चॉकलेट की लालच देकर अपने कमरे में ले गए थे, जहां उसके साथ गंदा काम किया। पिता को जब अपने दोस्त की हरकत का पता चला तो उसने तुरंत गोपाल को बुलाया। गोपाल ने कहा कि उसके गलती हो गई। हांलाकि इस दौरान आसपास के लोग भी जमा हो गए थे, जिन्होंने गोपाल की अच्छे से धुनाई की और बाद में उसे पुलिस के हवाले कर दिया।

सचिन जीआईडीसी पुलिस ने गोपाल के खिलाफ पोक्सो के तहत केस दर्ज किया और कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर दी। सुनवाई के दौरान सरकारी वकील उमेश पाटील ने आरोपी को सख्त से सख्त सजा की मांग की। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने अपना फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा कि बच्ची के पिता के दोस्त ने ही बच्ची के साथ दुष्कर्म किया है और जिसका असर बच्ची के मानस पर जीवनभर रहेगा। कोर्ट ने आरोपी गोपाल को दोषी करार देते हुए जीवन की अंतिम सांस तक कैद की सजा सुनाई है। साथ ही बच्ची को रु. । लाख का मुआवजा देने का जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण को आदेश दिया है।

सेनाध्यक्ष जनरल एम.एम. नरवणे ने गांधीनगर स्थित एनएफएसयू दौरा किया

गांधीनगर। सेनाध्यक्ष (सीओएएस), जनरल एम एम नरवणे, पीवीएसएम, एवीएसएम, एसएम, वीएसएम, एडीसी ने दिनांक 13 अप्रैल, 2022 को राष्ट्रीय न्यायालयिक विज्ञान विश्वविद्यालय (NFSU), गांधीनगर का दौरा किया। राष्ट्रीय न्यायालयिक विज्ञान विश्वविद्यालय (NFSU), गांधीनगर के कुलपति डॉ. जे. एम. व्यासने सेनाध्यक्ष का स्वागत किया और इस अद्वितीय और अति विशिष्ट न्यायालयिक विज्ञान विश्वविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों के बारे में सेनाध्यक्ष को जानकारी दी। राष्ट्रीय न्यायालयिक विज्ञान विश्वविद्यालय (NFSU), गांधीनगर के कुलपति डॉ. जे. एम. व्यासने कहा कि इस विश्वविद्यालय की शुरुआत से सेना के अधिकारी विभिन्न पाठ्यक्रमों शामिल हुए। सेनाध्यक्ष कीइस पहली मुलाकात से हमारे रक्षा बलों के लिए अकादमिक, अनुसंधान, प्रशिक्षण, परामर्श और पारस्परिक हित के अन्य क्षेत्रों में व्यापक सहयोग की चर्चा की हुई। जनरल नरवणे ने साइबर डिफेंस सेंटर (सीडीसी); बैलिस्टिक अनुसंधान एवं परीक्षण केंद्र (बीआरटीसी); सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर रिसर्च एंड एनालिसिस ऑफ नारकोटिक्स ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (सीओई एनडीपीएस), सेंटर फॉर फ्यूचरिस्टिक डिफेंस स्टडीज (सीएफडीएस) सहित विभिन्न अत्याधुनिक तकनीकों से सज्ज सेंटर की मुलाकात ली। सेना प्रमुख इसकी अनूठी सुविधाओं, विकसित उच्च अंत प्रौद्योगिकियों और इस तरह की संवेदनशील परियोजनाओं से प्रभावित हुए। विश्वकी पहले और एकमात्र फोरेंसिक साइंसेज यूनिवर्सिटी स्थित नतीनतम एवं उच्चतम गुणवत्तायुक्त तकनीको के साझा उपयोग के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने पर भी चर्चा की गई। सेना प्रमुख के साथ शिमला स्थित सेना प्रशिक्षण कमान के सेना कमांडर, लेफ्टिनेंट जनरल एस.एस. महल, एवीएसएम, वीएसएम और वरिष्ठ अधिकारियों की उनकी टीम भी थी। इस मुलाकात के दौरान प्रो. (डॉ.) एस.ओ. जुनारे, कैंपस निदेशक, एनएफएसयू; सी.डी. जाडेजा, कार्यकारी रजिस्ट्रार, एनएफएसयू और एयर कमोडोर के.आर. ठाकर, डीन, स्कूल ऑफ पुलिस साइंसेज एंड सिक्योरिटी स्टडीज और एसोसिएट डीन और अध्यापक गण उपस्थित थे।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)